Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 76
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी 2025
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

तेदेपा के भीतर नारा लोकेश को आंध्र का उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग बढ़ी

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी

एजेंसी। वाशिंगटन

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण की पूर्व संध्या पर वाशिंगटन में ट्रंप ने सत्ता में अपनी वापसी और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन अभियान का जश्न मनाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर के गहरे मतभेदों के दौर में व्हाइट हाउस में वापस जाने की तैयारी कर रहे हैं। वाशिंगटन ने इस घटना को और सुरक्षित बनाने के लिए अभूतपूर्व तैयारी की है। लेकिन उस समय के विपरीत जब ट्रंप ने अपने समर्थकों की भीड़ को कैपिटल पर हमला करने के लिए उकसाया था और डेमोक्रेट जो बाइडन से हारने के बाद 2021 में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश की थी, इस बार अधिकारियों को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, अशांति और हिंसा की उम्मीद नहीं है। इसके बजाय, शहर ट्रंप के दूसरे कार्यकाल और रिपब्लिकन पार्टी का मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का जश्न मनाने के लिए भीड़ तैयार है।

वर्जीनिया के स्टर्लिंग में 60वें राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह से पहले नेशनल गोल्फ़ क्लब में आतिशबाजी के दौरान ताली बजाते डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रंप। पीटीआई

ट्रंप द्वारा चार साल तक देश की राजधानी को अपमानित करने और अपने उत्तराधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने के बाद यह एक उल्लेखनीय बदलाव है। ट्रम्प ने वर्ष 2024 के जीओपी राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव में धमाकेदार जीत हासिल की और नवंबर के चुनाव में जीत हासिल की, जो वर्ष 2012 में डेमोक्रेट बराक ओबामा के फिर से चुने जाने के बाद से नहीं देखा गया था। फिर भी उस आरामदायक जीत और कांग्रेस पर उनकी पार्टी के पूर्ण नियंत्रण के बावजूद, आने वाले राष्ट्रपति अमेरिकी इतिहास में सबसे अधिक ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तियों में से एक बने हुए हैं, जिनके पास लगभग उतने ही कट्टर विरोधी हैं जितने उत्साही समर्थक। इसका मतलब है कि राजनीतिक मतभेदों को ठीक करते हुए द्विदलीयता को बढ़ावा देने के बारे में चुनाव के बाद की प्रतिज्ञाओं को पूरा करना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने शनिवार को एनबीसी न्यूज को बताया कि सोमवार को कैपिटल में उनके उद्घाटन भाषण का विषय एकता होगी, साथ ही ताकत और निष्पक्षता भी।

उन्होंने अपने व्यक्तिगत सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किया, 20 जनवरी इससे जल्दी नहीं आ सकता, हर कोई, यहां तक कि वे लोग भी जिन्होंने शुरू में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप और ट्रंप प्रशासन की जीत का विरोध किया था, बस यही चाहते हैं कि ऐसा हो। ट्रंप ने परंपरा कायम रखते हुए शनिवार की रात ब्लेयर हाउस में बिताई, जो व्हाइट हाउस (राष्ट्रपति कार्यालय) के सामने पेन्सिल्वेनिया एवेन्यू में राष्ट्रपति का आधिकारिक अतिथि निवास है। वह शहर से लगभग 30 मील पश्चिम में वर्जीनिया के स्टर्लिंग में अपने गोल्फ क्लब में एक पार्टी में शामिल होने के बाद ब्लेयर हाउस पहुंचे। वह फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित अपने मार-ए-लागो आवास से वाशिंगटन पहुंचने के लिए विशेष सी-32 विमान की सेवा ली, जो बोइंग 757 का सैन्य संस्करण है। चूंकि, वह निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में विमान में सवार थे, इसलिए इसे स्पेशल एयर मिशन 47 नाम दिया गया था। राष्ट्रपति के सवार होने पर यह विमान एयरफोर्स वन के तौर पर जाना जाता है। जिसमें विशेष एयर मिशन 47 के रूप में निर्वाचित राष्ट्रपति को ले जाया गया। चुनाव के बाद से रविवार को राजधानी में ट्रम्प का पहला पूरा दिन होगा। यह उन्हें इस पल का आनंद लेने और दोपहर में शपथ ग्रहण सहित शपथ ग्रहण की भारी आधिकारिक धूमधाम से पहले अपने मूल समर्थकों को उत्साहित करने का मौका देता है।

भीषण ठंड के कारण ट्रंप ने शपथ ग्रहण स्थल सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन स्थलों को बंद जगहों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। जो अब कैपिटल रोटुंडा के लिए निर्धारित है। सोमवार के अधिकांश बाहरी कार्यक्रमों को अंदर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। पारंपरिक परेड, किसी न किसी रूप में, कैपिटल वन एरिना में आयोजित की जाएगी। वह रात को एक कैंडल-लाइट डिनर कार्यक्रम में भी शामिल होंगे जहां उनके भाषण देने की संभावना है। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन में दक्षिण कैरोलिना की यात्रा की, एक ऐसा राज्य जो 2020 के डेमोक्रेटिक प्राइमरी में उनकी शानदार जीत के बाद विशेष महत्व रखता है, जिसने उन्हें राष्ट्रपति चुने जाने के अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन अपनी पत्नी, प्रथम महिला जिल बाइडेन के साथ, रेव मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत पर पूजा करने और बोलने के लिए नॉर्थ चार्ल्सटन के एक चर्च में जाने वाले थे।

वाल्मीकि बस्ती नई दिल्ली विस क्षेत्र के लिए अहम

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में स्थित वाल्मीकि बस्ती आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राष्ट्रीय राजधानी के दो पूर्व मुख्यमंत्री के बेटों भाजपा के साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित के भाग्य का फैसला करने में अहम भूमिका निभाएगी। बस्ती के लोगों का कहना है कि उन्होंने अपने मौजूदा विधायक को इलाके में ज्यादा नहीं देखा है। शराब को बढ़ावा देने वाली आबकारी नीति के बुरे प्रभाव को भी देखा है, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के जेल जाने और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा समेत आप की अन्य मुफ्त योजना की सराहना करने के साथ लोगों की सहानुभूति अभी आप के साथ है।

यह इलाका दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह वही जगह है जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत' अभियान की शुरुआत की थी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वर्ष 2013 में अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न झाड़ू लॉन्च किया था। वाल्मीकि बस्ती में करीब 321 घर और 6,000 से 7,000 मतदाता हैं। राम करण नामक एक दुकानदार ने बताया कि उसे लगता है कि धन शोधन से जुड़े आबकारी नीति मामले में भाजपा ने गलत तरीके से केजरीवाल को जेल में बंद किया था। विपक्षी पार्टी ने उन्हें जेल भेजकर उनके साथ बहुत गलत किया और अब तक उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं कर पाए हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो झुग्गियों को ध्वस्त कर देगी। 35 वर्षीय रामेश्वरम ने कहा, एक तरफ वे कुछ झुग्गीवासियों को फ्लैट देंगे, वहीं दूसरी तरफ वे चुनाव जीतने पर झुग्गियों को खत्म करके कई लोगों को बेघर कर देंगे।

नई दिल्ली नगर निगम परिषद में काम करने वाले रामेश्वरम ने संविदा कर्मियों को नियमित नहीं करने की शिकायत की, जबकि आप संयोजक ने ऐसा करने का वादा किया था। उन्होंने कहा, संविदा कर्मियों को कभी भी उनकी नौकरी से हटाया जा सकता है। केजरीवाल ने उन्हें नियमित करने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने उसे पूरा नहीं किया। हालांकि, वह विस चुनाव में आप का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि केजरीवाल गरीबों के साथ हैं। उन्होंने कहा, महिलाओं के लिए उनकी मुफ्त बस यात्रा ने सभी की बहुत राहत दी है। बस्ती की बहुत सी महिलाओं को इससे फायदा हुआ है, खासकर तब जब उन्हें काम पर जाना होता है। क्योंकि यहाँ बहुत सी महिलाएँ कामकाजी हैं। पहले, बसों में सफर करने में पैसे लगते थे, लेकिन अब वे बस में बैठकर कहीं भी जा सकती हैं। इससे जो पैसे बचते हैं, वे पूरे परिवार के पालन-पोषण में लगाती हैं।

एनडीएमसी में काम करने वाले मुकेश ने भी इसी तरह की भावनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने बताया कि एक बार बस से उतरी एक महिला को यह कहते हुए सुना कि मुफ्त बस यात्रा की वजह से ही वह अपने पोते को 10 रुपये के छोले भटूरे की एक प्लेट ला पाती है। इस योजना का असर कई घरों में साफ दिखाई देता है। इसके अलावा मुफ्त बिजली और मोहल्ली क्लीनिक भी अच्छी योजनाएँ हैं, हालाँकि वे एनडीएमसी क्षेत्र में रहने के कारण इस योजना का लाभ नहीं उठा पाते हैं। एनडीएमसी के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने भी बताया कि भाजपा किस तरह दावा कर रही है कि अगर उनका उम्मीदवार इस निर्वाचन क्षेत्र से जीतता है, तो सभी लंबित कार्य और विकास परियोजनाएं पूरी की जाएंगी।

70 वर्षीय जय किशन ने कहा, भाजपा की केंद्र में सरकार है, दिल्ली के सातों सांसद भाजपा के हैं और एलजी भी भाजपा के हैं। इसके बाद भी वे यहां काम नहीं करवा सकते, जब उनके पास विधायक जितेंगे तो क्या गारंटी है कि वे ऐसा करेंगे। कम से कम अब हमें पता है कि अगर वे काम नहीं करते हैं, तो हम दूसरी पार्टी के पास जा सकते हैं। वहीं कुछ लोग इस बात से भी नाराज हैं कि केजरीवाल इलाके का दौरा नहीं करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शराब नीति ने परिवारों को कैसे प्रभावित किया। भले ही वह शराब नीति बनाना चाहते थे, उन्हें वन प्लस वन जैसे ऑफर नहीं देने चाहिए थे। कई घरों में, इसका बुरा असर हुआ, जहाँ पुरुष बहुत ज़्यादा शराब पीते हैं और हंगामा करते हैं। कई काला बाजारियों ने इस योजना का फायदा उठाया और शराब जमा कर लिऐ जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। एनडीएमसी कार्यकर्ता ने कहा कि वह भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे क्योंकि उन्हें ज्यादा बिजली बिलों का भुगतान करना पड़ता है। भाजपा से अनुरोध किया है कि वे इस तरह के अत्यधिक बिलों को माफ करके उनकी मदद करें। उम्मीद है कि सत्ता में आते ही भाजपा हमारी समस्या का समाधान करे।

पुलिस का दावा, सैफ अली खान पर हमला करने वाला गिरफ्तार

टीएन रघुनाथ। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सैफ़ अली ख़ान पर कथित हमले के सिलसिले में गिरफ़्तार किए गए आरोपी को मुंबई में अदालत में पेश करने से पहले मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाते पुलिस कर्मी।

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमले के आरोपी से 72 घंटे तक पूछताछ का ड्रामा रविवार को उस समय खत्म हो गया, जब मुंबई पुलिस ने इस सनसनीखेज अपराध के पीछे के असली अपराधी 'एक बांग्लादेशी नागरिक' को पड़ोसी ठाणे शहर से गिरफ्तार कर लिया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों द्वारा सैफ पर गुरुवार को हुए हमले के सिलसिले में एक 31 वर्षीय संदिग्ध को हिरासत में लेने के एक दिन बाद, मुंबई पुलिस ने असली आरोपी जिसकी पहचान शरीफुल इस्लाम शहजाद (30) के रूप में हुई को ठाणे (पश्चिम) के हीरानंदानी एस्टेट से पकड़ा।

शरीफुल, जो दक्षिणी बांग्लादेश के झालोकाटी जिले के नालचिट्टी उप-क्षेत्र के राजाबरिया गांव का रहने वाला है, लगभग छह महीने से अवैध रूप से भारत में घुस आया था और मुंबई में बिजॉय दास के झूठे नाम से रह रहा था। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान शरीफुल ने अपराध करना स्वीकार किया। गिरफ्तारी के बाद शरीफुल को मुंबई की एक हॉलिडे कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उसे पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

पुलिस ने शरीफुल की 14 दिनों की हिरासत मांगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि सैफ के घर में घुसने के पीछे उसका क्या मकसद था, अपराध के समय उसने जो कपड़े पहने थे, उन्हें उसने कहां छिपाया, सैफ के घर में घुसने के पीछे उसका मकसद क्या था, उसने हथियार कहां से खरीदा, वह भारत में कैसे घुसा और सैफ के घर में कैसे घुसा और भारत आने के बाद उसने गलत नाम क्यों अपनाया। सैफ पर 16 जनवरी की तड़के शरीफुल द्वारा किए गए चाकू से हमले में छह चाकू के घाव लगे थे, जिसमें रीढ़ की हड्डी में भी एक घाव शामिल था। सैफ पर यह हमला उत्तर-पश्चिम मुंबई के बांद्रा (पश्चिम) में 'सतगुरु शरण' इमारत में 12वीं मंजिल के अपार्टमेंट में हमलावार से जूझने के दौरान किया गया था। अभिनेता पर चाकू से हमला गुरुवार को सुबह 2 से 2.30 बजे के बीच हुआ था, जब चोरी की एक असफल कोशिश की गई थी। लीलावती अस्पताल में भर्ती होने के बाद, अभिनेता की रीढ़ की हड्डी में फंसे चाकू को निकालने और रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ के रिसाव को रोकने के लिए सर्जरी की गई थी। इसके तुरंत बाद उनकी सर्जरी की गई, जिसमें सैफ का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सैफ की रीढ़ की हड्डी से चाकू का 2.5 इंच का टुकड़ा निकाला। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान शरीफुल ने 15 जनवरी की रात अभिनेता की बिल्डिंग में घुसने की बात स्वीकार की। (शेष पृष्ठ 9)

महाकुंभ के दौरान एक शिविर में आग लगने के बाद निकलता हुआ धुआं। पीटीआई

महाकुंभ के पंडालों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

बिस्वजीत बनर्जी। महाकुंभ नगर

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान रविवार को भीषण आग लग गई, शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में एक पंडाल आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग तेजी से भड़क गई जिसकी चपेट में आने से करीब 200 टेंट आग की चपेट में आए, जिनमें से करीब 20 जलकर राख हो गए। हालांकि अग्निशमन कर्मियों ने मुस्तैदी से आग को काबू किया। अच्छी बात यह है कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन आग की वजह से कीमती सामान को काफी नुकसान पहुंचा है। इस दौरान कई एलपीजी सिलेंडर भी फट गए, जिससे स्थिति और खराब हो गई। शुरुआती जानकारी में पता चलता है कि आग गीता प्रेस के टेंट से लगी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आग की घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना की पूरी जानकारी ली। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को संपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया तथा मुख्यमंत्री ने बताया कि कुशल दमकल कर्मियों के साथ-साथ एनडीआरएफ, व एसडीआरएफ की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। महाकुंभ में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत और बचाव कार्यों (शेष पृष्ठ 9)

गाजा में 15 माह बाद युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई शुरू

एजेंसी। दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)

राफ़ा, गाजा पट्टी में इज़राइल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते के प्रभावी होने के दौरान विस्थापित फलिस्तीनी राफ़ा लौटते समय जीत की मुद्रा दिखाते हुए। पीटीआई

इजराइल और हमास के बीच रविवार को गाजा पट्टी में युद्ध विराम के साथ छह सप्ताह की शांति की शुरूआत हुई। इसके साथ ही दर्जनों उग्रवादी बंधकों की रिहाई और 15 महीने से चल रहे विनाशकारी युद्ध के अंत की उम्मीद जगी है। हमास द्वारा अंतिम समय में युद्ध विराम की शुरुआत में की गई देरी के चलते करीब तीन घंटे के लिए टालने से इसकी मामले संवेदनशीलता को उजागर किया।

सबसे पहले रेड क्रॉस काफिले ने गाजा में तीन महिला इजराइली बंधकों को अपने सुरक्षा में लिया। युद्ध विराम के प्रभावी होने से पहले ही पूरे क्षेत्र में जश्न मनाया जाने लगा और कुछ फिलिस्तीनी अपने घरों को लौटने लगे। इस बीच, इजराइल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों की योजनाबद्ध रिहाई के बदले में रविवार को बाद में घर लौटने वाले पहले तीन बंधकों के नामों की घोषणा की। स्थानीय समयानुसार सुबह 11.15 बजे शुरू हुआ यह युद्ध विराम संघर्ष को समाप्त करने और 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले में अपहृत लगभग 100 बंधकों को वापस लाने की दिशा में पहला कदम है। एक इज़राइली अधिकारी ने पुष्टि की कि रोमी गोनेन, एमिली दमारी, और डोरोन स्टीनब्रेचर, को रविवार को बाद में रिहा किया जाना था। गोनेन को नोवा संगीत समारोह से अगवा किया गया था, जबकि अन्य को किबुत्ज़ केफ़र अज़ा से अगवा किया गया था। दमारी के पास इज़राइली-ब्रिटिश की दोहरी नागरिकता है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि परिवारों ने नामों के प्रकाशन को मंजूरी दे दी है। हमास को युद्ध विराम की शुरुआत से पहले नाम प्रदान करने थे, जिसे मूल रूप से सुबह 8.30 बजे के लिए निर्धारित किया गया था। इसने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए लगभग दो घंटे बाद नाम जारी किए और कहा कि यह अभी भी समझौते के लिए प्रतिबद्ध है।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सुबह 8.30 बजे से लेकर युद्ध विराम लागू होने तक के बीच इजराइली गोलीबारी में कम से कम 26 लोग मारे गए। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि वे नागरिक थे या लड़ाके। सेना ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे गाजा के अंदर बफर जोन में वापस जाते समय इजराइली सेना से दूर रहें। इस बीच, इजरायल के कट्टरपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनका यहूदी पावर गुट युद्ध विराम समझौते के विरोध में सरकार छोड़ रहा है। इतामार बेन-ग्वीर के जाने से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का गठबंधन कमजोर हुआ है, लेकिन इससे युद्ध विराम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एक अलग घटनाक्रम में, इजराइल ने घोषणा की कि उसने गाजा में एक विशेष अभियान में 2014 के इजरायल-हमास युद्ध में मारे गए सैनिक ओरोन शॉल का शव बरामद किया है। शॉल और एक अन्य सैनिक, हैदर गोल्डिन के शव 2014 के युद्ध के बाद भी वहीं पड़े रहे और उन्हें वापस नहीं किया गया।

निर्वासित कश्मीरी पंडित घाटी में अलग होमलैंड के लिए संघर्ष तेज करेंगे

मोहित कंधारी। जम्मू

कश्मीर से निर्वासन के 35 साल पूरे होने पर रविवार को कश्मीरी पंडितों के समुदाय के सदस्यों ने अपने लिए अलग केंद्र शासित प्रदेश 'होमलैंड' (मातृभूमि) के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया। ज्ञात रहे कि 19 जनवरी 1990 को कश्मीर से कश्मीरी पंडित समुदाय के लोगों को बंदूकों के बल पर कश्मीर और घरों से निकाल दिया गया था। इस भयावह दिन की याद में कश्मीरी पंडित हर साल 'होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस डे' मनाते हैं, ताकि स्थायी पुनर्वास के लिए जारी उनके संघर्ष को चिह्नित किया जा सके। इस भयावह हादसे में 500,000 से अधिक कश्मीरी पंडितों को अपने घरों, व्यवसायों और पैतृक विरासत को पीछे छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

कश्मीरी पंडित समुदाय के सदस्यों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के हाथों मारे गए अनगिनत शहीदों की याद में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पट्टी बांधकर एकजुटता मार्च निकाला और जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित जगती टाउनशिप में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। इस अवसर पर निर्वासन में उनके संघर्ष और जीवन स्थितियों को उजागर करने के लिए, पनुन कश्मीर ने यूथ फॉर पनुन कश्मीर के साथ मिलकर उनकी दुर्दशा को दर्शाने वाले पोस्टरों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की। जिसमें 35 साल के निर्वासन के दौरान उनके द्वारा झेले गए कष्टों और दर्द को दर्शाने के लिए तोड़फोड़ किए गए मंदिरों, टूटे घरों और शहीद कश्मीरी पंडितों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

जगती टाउनशिप के अंदर एक पार्क में अस्थायी टेंट के अंदर बैठी सुषमा पंडिता ने बताया कि 35 साल पहले जब हम पहली बार जम्मू पहुंचे थे तो हमें एक अस्थायी टेंट सिटी के अंदर ठहराया गया था। 'हम घाटी में अपने बहुमंजिला घरों में रह रहे थे। तब से हम इन शिविरों में रह रहे हैं, जहां हमें एक कमरे और बाद में दो कमरों के अपार्टमेंट में ठहराया गया। हमने इन दयनीय परिस्थितियों में जीवन के 35 साल बिताए हैं। हम अब इन माचिस के डिब्बों वाले घरों

में नहीं रहेंगे। हम अपने घरों और चूल्हों में लौटना चाहते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए, पनुन कश्मीर के डॉ .अग्निशेखर ने घाटी में अपनी अलग मातृभूमि को पुन: प्राप्त करने के लिए अपने संघर्ष को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डॉ. अग्निशेखर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए जाने का जिक्र करते हुए दावा किया कि निर्वासित कश्मीरी पंडित समुदाय के किसी भी सदस्य को यह नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हम जम्मू और भारत भर के अन्य शहरों में निर्वासन में रह रहे हैं, फिर भी हमें कश्मीर घाटी का पता भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जहां से हमें जबरन निकाला गया था। लगातार सरकारों ने हमें हाशिए पर रखा और जम्मू-कश्मीर के बाहर के लोगों को गुमराह करने के लिए झूठी कहानियां फैलाई गईं। डॉ अग्निशेखर ने कहा कि जब अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए को हटाया गया तो हमने इसका स्वागत किया क्योंकि हमें उम्मीद थी कि यह कदम जल्द से जल्द हमारे 'घर वापसी' के द्वार खोल सकता है। डॉ अग्निशेखर ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि हम हाशिये पर बने हुए हैं। हमारे नरसंहार को मान्यता नहीं दी गई है। कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों को संकट में डाल दिया गया और उन सभी कश्मीरी पंडितों को, जिन्हें पीएम के पैकेज के तहत नौकरी दी गई थी, कश्मीर घाटी में निशाना बनाया गया और उनका कोई सामाजिक जीवन नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी ओर से दावा करती है कि उन्होंने घाटी में सामान्य स्थिति बहाल कर दी है, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है और फिल्मों की शूटिंग हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह एक क्रूर मजाक है। हम अपनी अलग मातृभूमि में कश्मीर घाटी लौटने के लिए तैयार हैं, जहां हमें सभी संवैधानिक गारंटी और अचूक सुरक्षा व्यवस्था मिलेगी। जहां से कोई भी आतंकवादी संगठन हमें उखाड़ नहीं सकता, जहां हमें साथी भारतीयों का समर्थन प्राप्त है। डॉ. अग्निशेखर ने कहा, हमने 35 साल पहले यह रोडमैप दिया था और जब तक सरकार अनुकूल माहौल बनाने के लिए तैयार नहीं होती, तब तक हम निर्वासन में कष्ट भोगते रहेंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी , 2025

तीन मंजिला घर में लगी आग, मां समेत तीन बच्चों की मौत

आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के लोग बिस्तर से नहीं उठ पाये, चार अन्य गंभीर रूप से झुलसे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में आग लगने से एक परिवार के 4 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। 4 गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के वक्त बिल्डिंग में 8 लोग थे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोग बिस्तर से उठ नहीं पाए। मरने वालों में मां, दो बच्चे और एक भतीजा है। बच्चों की उम्र 7 से 9 साल के बीच थी।

घटना रविवार सुबह 6 बजे लोनी के कंचन पार्क की है। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया- घर में सो रहे लोग आग लगने से चपेट में आ गए। फायर और पुलिस की टीम पहुंची। घर में 4 लोग मृत मिले, 4 लोग झुलस हुए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें से दो की हालत गंभीर है। 3 मंजिला बिल्डिंग के दो फ्लोर में कपड़ों का कारखाना है। वहां लोअर तैयार किए जाते हैं। तीसरी मंजिल में दो भाई शहनवाज और शमशाद का परिवार रहता है। सुबह 6 बजे अचानक सेकेंड फ्लोर में आग लग गई। कपड़े होने की वजह से आग तेजी से फैली। पूरे मकान में धुआं भर गया। किसी को कुछ दिख ही नहीं रहा था। जैसे-तैसे शहनवाज, शमशाद और उसकी पत्नी आयशा अपने 4 साल के बेटे को गोद में लेकर भागी। आग में आयशा और उसका बच्चा भी झुलस गया। शमशाद और शहनवाज भी उनको बचाने में झुलस गए। दोनों भाइयों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आयशा और उसके बच्चे की हालत गंभीर है। आग लगी तो धुआं उठता देखा तो पड़ोसियों ने पुलिस और फायर बिग्रेड को सूचना दी। थोड़ी देर में आग इतनी विकराल हो गई कि कोई भी अंदर जाने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाया। फायर बिग्रेड की टीम पहुंची तो पूरे घर में धुआं भरा हुआ था। राहुल पाल ने बताया- सुबह करीब 7 बजे कंचन पार्क के गली नंबर 5 में आग लगने की सूचना मिली। फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गली 10 फीट की गली होने के कारण दमकल की गाड़ियां अंदर नहीं पहुंच सकीं। तुरंत लंबी दूरी तक हौज पाइप को फैलाकर घटनास्थल तक पहुंचे। 50 गज में बने तीन मंजिला मकान में आग लगी थी, सामने से अप्रोच नहीं मिलने के कारण आसपास के छतों पर चढ़कर घर की दीवार तोड़ी गई और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इसके बाद आग बुझाई गई। वहां महिला और 3 बच्चों के शव मिले।

4 लोग झुलस गए थे, जिसमें महिला और बच्चे की हालत गंभीर है। हादसे में गुलबहार (32) पत्नी शाहनवाज, जान (9) पुत्र शाहनवाज, शान (9) पुत्र शाहनवाज, जीशान (7) पुत्र शमसाद की मौत हो गई। घायलों में शमशाद की पत्नी आयशा (30) और बेटा आयान शामिल हैं।। शमसाद और शहनवाज भी झुलसे हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर है।

पड़ोसी बोले- जब हम लोग पहुंचे तब तक सब जल चुका था

आस मोहम्मद ने बताया- ये हादसा साढ़े 6 बजे हुआ। मोहल्ले के बच्चे भागते हुए मेरे घर आए। उन्होंने मुझे बताया। तब घटना की जानकारी हुई। आग नीचे से लगी थी और बाद में ऊपर की तरफ बढ़ती चली गई। महिला बच्चों को लेकर ऊपर गई लेकिन वहां पर ताला बंद था। तब तक आग फैल चुकी थी। आग से झुलसने से मां बच्चों की जलकर मौत हो गई। मोहम्मद जमशेद कुरैशी ने बताया-मुझे मोहल्ले के लोगों ने सूचना दी। तब जाकर मुझे घटना का पता चला। जाकर देखा तो मां और बच्चों समेत 4 लोगों की जलकर मौत हो चुकी थी। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी थी लेकिन गाड़ी 7 बजे के बाद पहुंची।

दहेज के लिए हत्या के मामले में पति और ससुर गिरफ्तार

- दो अन्य आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर

पायनियर सामचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र में दहेज के लिए एक विवाहिता की निर्मम हत्या करने के मामले में पुलिस ने पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं।

बाकी फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। बिजनौर निवासी खेमचंद की 23 वर्षीय बेटी शीतल की शादी करीब एक साल पहले बल्लूखेड़ा गांव के चिंटू से हुई थी। शादी में मिले दहेज से नाखुश ससुरालवाले कैश और कार की अतिरिक्त मांग करते थे। मना करने पर शीतल के साथ मारपीट की जाती थी। 16 जनवरी की रात को आरोपियों ने शीतल को फांसी के फंदे पर लटकाकर मार डाला। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

रविवार को पुलिस ने आरोपी पति चिंटू और ससुर निरंजन को गांव के पास से गिरफ्तार किया। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

बाकी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

गाजियाबाद पुलिस की गोकश से मुठभेड़

- पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में लगी गोली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर इलाके में पुलिस और एक शातिर गोकश के बीच मुठभेड़ हुई।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। एसीपी लोनी बॉर्डर भास्कर वर्मा के अनुसार, थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में रूटीन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। भागने के दौरान उसकी बाइक फिसल गई और गिर पड़ी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे आरोपी के पैर में गोली लग गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शाहरुख बताया, जो थाना लोनी क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे कुल्हाड़ी, दाव, रस्सी और ब्रेड का पैकेट बरामद किया। इसके अलावा एक तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की गहन जांच कर रही है।

फुल ड्रेस रिहर्सल पर चिल्ला बॉर्डर से बड़े वाहन पर लगा प्रतिबंधित

- डायवर्जन के समय आपातकालीन वाहनों को नहीं रोका जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गणतंत्र दिवस के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल और परेड के कारण मालवाहक और भारी वाहन दो दिन नोएडा से दिल्ली की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। यह व्यवस्था 22 जनवरी की रात 12 बजे से 23 जनवरी की दोपहर और 25 जनवरी की रात 12 बजे से 26 जनवरी की दोपहर तक व्यवस्था लागू रहेगी।

डीसीपी यातायात लखन यादव ने बताया कि मालवाहक और भारी वाहनों को रोकने के लिए अलग-अलग प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। डायवर्जन के समय आपातकालीन वाहनों को नहीं रोका जाएगा। चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली से होकर अन्य राज्य को जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली से होकर जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

कालिंदी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट किए जाएंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर किसी और राज्यों में जाने वाले वाहन फलैदा कट, रबुपुरा से सर्विस रोड होकर, गलगोटिया, गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी से होते हुए पुश्ता तिराहे से होंडा सीएल चौक से कस्बा कासना से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर जाने वाले वाहन जीरो प्वाइंट से परीचौक की ओर डायवर्ट किए जाएंगे। जोकि ईस्टर्न पेरिफेरल

नोएडा में हाई अलर्ट

नोएडा। गणतंत्र दिवस की सुरक्षा को लेकर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट ने कड़े इंतजाम किए हैं। तीनों जोन की पुलिस हाई अलर्ट पर है और सभी सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी की जा रही है। डीसीपी राम बदन के नेतृत्व में एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने सेक्टर-39 क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। गार्डन गैलेरिया, सेक्टर 37, जीआईपी मॉल, बस स्टैंड और बोटेनिकल गार्डन जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बीडीडीएस और डॉग स्क्वायड टीम के साथ विशेष जांच अभियान चलाया।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद पुलिस की गिरफ्त में तीनों आरोपीद्ध

लूट का 24 में घंटे में खुलासा , तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर इलाके में लूट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित कार चालक है। तीन लोगों ने उसकी कार बुक कराई थी। यात्रियों को मसूरी जाना था। रास्ते में तीन आरोपियों ने कार रुकवाई और मारपीट कर मोबाइल फोन और नकदी छिन ली। थाना मुरादनगर पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त घटना का 10 घंटे के अंदर सफल अनावरण करते आरोपी विवेक, शाजिद खान, अमित गिरफ्तार कर लिया । अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान बताया कि लूटने के उद्देश्य से अर्टिगा गाडी को आनन्द विहार बस स्टैम्ड से मसूरी गाजियाबाद तक बुक किया था। अभियुक्तों के विरुद्ध उपरोक्त घटना के संबंध में थाना मुरादनगर पर लूट का 01 अभियोग पंजीकृत है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

एक साल से फरार इनामी पकड़ा गया

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे हत्या के आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। आरोपी आकाश पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। यह मामला 17 जनवरी 2024 का है, जब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के दो गुटों में ट्रैक्टर में बैठने को लेकर विवाद हो गया था। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य के अनुसार, सहारनपुर और पश्चिम बंगाल के मजदूरों के बीच हुए इस विवाद में सहारनपुर निवासी नदीम की लाठी, डंडे, लोहे की रॉड और पाइप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुल 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच में दो लोग निर्दोष पाए गए, जबकि आठ आरोपियों में से सात को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। आकाश पिछले एक साल से फरार था और पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में छिपता रहा। वह इस मामले का आखिरी वांटेड अपराधी था, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपी पंचलोक इलाके में रहते थे और एक्सप्रेस-वे के निर्माण में मजदूर के रूप में काम कर रहे थे।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान हत्या का आरोपी घायल

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी घायल हो गया। पुश्ता रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया। बदमाश ने न केवल रुकने से इनकार किया बल्कि पुलिस टीम पर फायरिंग भी कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान सूरज तिवारी उर्फ राहुल के रूप में हुई है। एडिशनल डीसीपी के अनुसार, आरोपी हत्या और लूट जैसे गंभीर अपराधों में वांछित था। न केवल नोएडा पुलिस बल्कि दिल्ली पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी। पकड़े जाने के समय वह कोतवाली 126 क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल और एक अवैध तमंचा मय एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पूछताछ में सामने आया कि मोटरसाइकिल दिल्ली से चुराई गई थी, जिसकी एफआईआर थाना गोविन्दपुरी, साउथ ईस्ट दिल्ली में दर्ज है। फिलहाल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

ट्यूटर ने छात्रा से की छेड़छाड़

गाजियाबाद। मोदीनगर में एक ट्यूटर द्वारा 17 वर्षीय बीए प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना उस समय हुई जब छात्रा के पिता प्रयागराज कुंभ में स्नान के लिए गए हुए थे। पीड़िता एक लाइब्रेरी में पढ़ने जाती थी, जहां उसकी मुलाकात आरोपी युवक से हुई। युवक ने छात्रा को पढ़ाने का प्रस्ताव रखा और फिर अपने घर बुला लिया। छात्रा अपने भाई के साथ आरोपी के घर गई, जहां आरोपी ने पहले भाई को वहां से भेज दिया और फिर अकेला पाकर छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। जब छात्रा ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। कुंभ से लौटने के बाद जब छात्रा के पिता ने रविवार को इस मामले की शिकायत की, तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस में शिकायत करने पर आरोपी द्वारा छात्रा और उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। मोदीनगर थाने में पीड़ित के पिता द्वारा दी गई शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह मामला न केवल शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा की चिंताओं को उजागर करता है, बल्कि कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल खड़े करता है।

गाजियाबाद में पुलिस की निष्क्रियता पर भड़के किसान

गाजियाबाद। नगांव कुम्हेड़ा में हुई मारपीट के मामले में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से नाराज भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने निवाड़ी थाने पर जोरदार प्रदर्शन किया। भाकियू अराजनैतिक के मोदीनगर अध्यक्ष अंकुर त्यागी के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। मामला गांव कुम्हेड़ा का है, जहां कुछ दबंगों ने ताज मोहम्मद के घर में घुसकर उनके परिवार के साथ मारपीट की। इस हमले में दिलशाद समेत परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टे पुलिस पीड़ित परिवार को ही जेल भेजने की धमकी दे रही है। इस बीच आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। भाकियू के तहसील अध्यक्ष अंकुर त्यागी ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया तो वे डीएसपी ग्रामीण कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

खुले में शराब पीते 533 लोग पकड़े गए

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कमिश्नरेट के तीनों जोन में विशेष अभियान चलाकर एक ही रात में 533 लोगों को गिरफ्तार किया। यह अभियान रात 7:30 से 10 बजे तक चला।

सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां नगर जोन से हुईं, जहां 274 लोगों को पकड़ा गया। इनमें नंदग्राम से 73, घंटाघर से 56, मधुबन बापूधाम से 50, विजयनगर से 47, सिहानी गेट और कवि नगर से 24-24 लोग शामिल हैं। देहात जोन से कुल 141 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें सबसे ज्यादा लोनी से 20 और क्रॉसिंग रिपब्लिक से 19 लोग शामिल हैं। ट्रांस हिंडन जोन में 118 लोगों को पकड़ा गया, जिसमें इंदिरापुरम से 30, कौशांबी से 24 और टीला मोड़ से 18 लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों की वजह से राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। पकड़े गए सभी आरोपियों को थाने लाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस एक्ट 34 के तहत चालान किया गया। पुलिस का यह अभियान शहर में कानून व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए चलाया गया।

लोनी में युवक की मौत पर बवाल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना लोनी क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। चुनाव चिरोड़ी इलाके में रहने वाले 26 वर्षीय नितिन की रविवार सुबह मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने शव को कार में रखकर सड़क जाम कर दिया। परिवार का आरोप है कि नितिन के दोस्त प्रदीप ने देर रात उस पर जानबूझकर कार चढ़ा दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य के अनुसार, नितिन को सुबह घर में गंभीर हालत में पाया गया। परिजन उसे पहले गणेश अस्पताल ले गए, जहां से उसे दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी समेत कई पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में मिली शिकायत की गहन जांच की जाएगी और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्रेनो में पुलिस की दबिश के बाद हिस्ट्रीशीटर फरार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इमलिया गांव में शनिवार देर रात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। ईकोटेक प्रथम कोतवाली और दनकौर पुलिस की संयुक्त टीम ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर छापेमारी की, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इमलिया गांव के इन बदमाशों पर विभिन्न थानों में लूटपाट, चोरी और रंगदारी समेत कई संगीन अपराध दर्ज हैं। इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसीपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया है। छापेमारी के दौरान दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि फरार हुए बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ यह कार्रवाई पुलिस की सख्त कार्यवाही का हिस्सा है, जिससे इलाके में कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

जिले के सुरक्षा के मद्देनजर आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी के साथ बैठ करते पुलिस अधिकारी।

नोएडा के जापानी और डी पार्क के लिए टेंडर जारी

- मार्च में शुरू हो सकता है काम, 25 करोड़ रुपए किए जाएंगे खर्च

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-94 में जापानी पार्क के निर्माण और सेक्टर-62 स्थित डी पार्क के सौंदर्यीकरण का काम होगा। दोनों पार्क का काम शुरू कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। इच्छुक एजेंसियां 3 फरवरी तक आवेदन कर सकती हैं।

दोनों पार्क पर करीब 25 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन ने बताया कि अगर इस टेंडर प्रक्रिया में एजेंसी का चयन हो जाता है तो मार्च से काम शुरू करा दिया जाएगा। काम शुरू होने पर पूरा होने में करीब नौ महीने का समय लगेगा।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-94 में बनने वाले जापानी पार्क में संस्कृति के उन पहलुओं को दिखाया जाएगा जिनमें प्रकृति प्रेम, शांति, और अध्यात्म जैसे गुण हैं। पार्क में जापानी झूले, ड्रेगन के आकार का झूला, कई सेल्फी पॉइंट, वॉकिंग ट्रैक, झरने, नदियां, द्वीप, और पुल होंगे। यहां कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी उगाए जाएंगे जो मियावाकी तकनीक से उगाए जाएंगे। ये पेड़ 2-3 साल में घने जंगल का रूप ले लेंगे। इस पार्क में बांस के पेड़ों की संख्या ज़्यादा होगी।

यहां आम तौर पर ऐसे पेड़ भी होंगे जो उत्तर भारत मैदानी इलाकों में नहीं दिखाई देते। यह करीब 14 एकड़ में बनवाया जाएगा। पार्क के अंदर 2 वाटर बॉडी होंगी। बीच वाली वाटर बॉडी के ऊपर से फुटपाथ निकाला जाएगा। प्रवेश द्वार के पास एक बड़ा हॉल बनवाया जाएगा। इसके अलावा पूरे पार्क में 6 हट, जॉगिंग ट्रैक बनवाया जाएगा। खास बात यह होगी यह पार्क तीन तरफ से खुला हुआ है। इसलिए दो तरफ पार्क के अंदर ही ओपन पार्किंग बनवाई जाएंगी। यह पार्क ओखला पक्षी विहार मेट्रो स्टेशन के पास होगा। जापानी पार्क को तैयार करने में करीब 10 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा।

सेक्टर-62 डी-पार्क को नोएडा प्राधिकरण नए सिरे से संवारेगा। पार्क में प्रवेश के लिए बड़ा प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। यहां पर कियोस्क व फूड कोर्ट भी होंगे। इसके साथ ही अंदर तितलियों के ठिकाने (बटर फ्लाई डोम) व झील को भी नए सिरे से संवारा जाएगा। म्यूजिकल फाउंटेन समेत कई काम और भी होंगे। यहां नाव के जरिए भी लोग घूम सकेंगे। पार्क संवारने समेत पूरी परियोजना पर करीब 15 करोड़ रुपए

दो परियोजनाओं के समाधान की कोशिशों पर पानी फिरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-94 के सुपरटेक की सुपरनोवा परियोजना और सेक्टर-16 बी के बुलेवार्ड प्रोजेक्ट मामले में नोएडा प्राधिकरण की समाधान की कोशिशों पर पानी फिर गया है।

जहां सुपरटेक के मामले में बैंक आफ महाराष्ट्र के कोटक समूह के प्रस्ताव को नहीं मानने से मामला बिगड गया, वहीं, दूसरी ओर बुलेवार्ड प्रोजेक्ट के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हो गई है। इस वजह से प्राधिकरण ने समाधान प्रक्रिया को रोक दिया है। दोनों परियोजनाओं के समाधान की कोशिशें काफी हद तक बढ़ गई थीं। अब मामला ठंडे बस्ते में चला गया है। दरअसल, सुपरनोवा परियोजना मामले में कोटक समूह ने काम पूरे करने को लेकर प्रस्ताव दिया था कि कोटक समूह बैंक व अन्यों को करीब 310 करोड़ के बकाये की राशि को चुकाएंगे।

परियोजना को पूरा करने के लिए करीब 450 करोड़ रुपये का निवेश भी करेंगे। अब बताया जा रहा है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र कोटक समूह के प्रस्ताव को नहीं मान रहा है। इस वजह से कोटक समूह पीछे हट गया। कहा जा रहा है कि अब सुपरटेक किसी बड़े बिल्डर को इस परियोजना में लाने की कोशिश कर रहा है, ताकि अधूरे काम पूरे हो सके। बकाये की वापसी और फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री हो सके। बुलेवार्ड प्रोजेक्ट मामला मैक्स एस्टेट लिमिटेड को पैसे देने थे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी , 2025

'सफाईकर्मियों को मकान देगी आप सरकार'

आप प्रमुख केजरीवाल का बड़ा ऐलान, रियायती दर पर जमीन देने के लिए प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

● बोले, इसकी शुरूआत एमसीडी, एनडीएमसी के सफाई कर्मचारियों से की जाएगी, बाद में सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू होगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक और पासा फेंका है। उन्होंने कहा है कि अगर केंद्र सरकार जमीन देगी तो दिल्ली सरकार वहां सफाई कर्मचारियों के लिए घर बनवा देगी। पहले यह योजना दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों के लिए लाई जाएगी। बाद में सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू होगी।

उन्होंने कहा, सफाई कर्मचारी जब रिटायर हो जाता है तो सड़क पर आ जाता है। उसके पास इतने रुपये नहीं होते कि घर खरीद सके। उन्हें झुग्गी में रहना पड़ता है। इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है कि दिल्ली में सरकारी कर्माचारियों के लिए योजना बनाई जाए, जिसके तहत सब्सिडी पर केंद्र सरकार जमीन दे तो घर दिल्ली सरकार बनाएगी।

अरविंद केजरीवाल ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में घर की बड़ी समस्या है। खासकर गरीब इंसान के लिए अपना घर या किराए पर घर लेना लगभग नामुमकिन है। आप संयोजक ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कहा है कि जमीन मुहैया कराने का अनुरोध किया है। क्योंकि दिल्ली में जमीन केंद्र सरकार के अधीन आती है।

अगर केंद्र सरकार अत्यधिक रियायती दर पर जमीन देती है तो उस पर दिल्ली सरकार मकान बनवा देगी और सरकारी कर्मचारी आसान किस्तों का भुगतान करके उस मकान के मालिक बन सकते हैं। सभी सफाई कर्मचारी नौकरी के आखिरी के कुछ सालों में अपनी तनख्वाह में से उस मकान की किस्तें कटवा सकते हैं। ताकि वह जब तक रिटायर हों तो उनके पास एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए घर होगा। उम्मीद है कि इस योजना के लिए पीएम और केंद्र सरकार सहमत होगी। क्योंकि यह योजना गरीबों के लिए यह है। यह बेहद कल्याणकारी योजना है। ये कर्मचारी शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ हैं।

वे नौकरी के दौरान सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवासों में रहते हैं, लेकिन रिटायर होने के बाद उन्हें ये घर खाली करना पड़ता है। वे अपना खुद का घर खरीदने या महंगे किराए पर घर लेने में असमर्थ होते हैं, जिससे वे और उनके परिवार असुरक्षित स्थिति में आ जाते हैं। यह समस्या सभी सरकारी कर्मचारियों की है, खास करके निचले तबके के कर्मचारियों की। मुझे विश्वास है कि आप इस प्रस्ताव से सहमत होंगे और इस पर शीघ्र कार्य योजना बनाकर काम करेंगे।

गोपाल राय के सामने हैट्रिक की चुनौती

● भाजपा ने अनिल वशिष्ठ और कांग्रेस ने इशराक खान पर लगाया दांव

गोपाल राय (आप)

इशराक खान (कांग्रेस)

अनिल वशिष्ठ (भाजपा)

ज़ाहिद अली। नई दिल्ली

उत्तरी-पूर्व दिल्ली की हॉट सीट बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र आम आदमी पार्टी का गढ़ माना जाता है। यहां से दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने पिछले दो चुनावों में करीब 60 प्रतिशत मत लेकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की थी। इस बार उनके सामने हैट्रिक बनाने की चुनौती है। करीब 41 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले विस क्षेत्र में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। यहां अल्पसंख्यकों के अलावा बड़ी संख्या में दलित और करीब 13 प्रतिशत ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

भाजपा ने एक बार फिर यहां पर ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए अनिल वशिष्ठ को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने मुस्लिम उम्मीदवार हाजी इशराक खान पर दांव लगाया है। अनिल वशिष्ठ इलाके के कद्दावर नेता है और उनकी ब्राह्मण समाज में गहरी पैठ है। वहीं हाजी इशराक खान आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक रहे है। बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा दिल्ली दंगों से प्रभावित रहा। हालांकि निकाय चुनाव में इसका मिलाजुला असर देखने को मिला। इस सीट पर निगम के चार वार्ड आते है, जहां दो वार्डों पर भाजपा और एक-एक वार्ड में कांग्रेस औरा आम आदमी पार्टी के खाते में आई थी।

मुस्लिम बाहुल्य इलाके: कबीर नगर, न्यू जाफराबाद, जनता मजदूर कॉलोनी, विजय पार्क

हिंदू बाहुल्य इलाके: बलबीर नगर, ज्योति कॉलोनी, ज्योति नगर, गोरखपार्क और बाबरपुर

दलित बाहुल्य: सुदामापुरी

अपराध और शराब की दुकानें बड़ा मुद्दा

बाबरपुर विधानसभा इलाके में अपराध एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। दिल्ली सरकार ने जब नई शराब नीति लागू की थी तो यहां के सौ फुटा रोड पर कई शराब की दुकानें खोली गई। इस रोड पर कई मंदिर और स्कूल हैं। स्थानीय लोगों ने इन दुकानों का विरोध किया और कई दिनों तक धरना भी चला। यहां शराब की दुकानें खुलने से स्थानीय विधायक गोपाल राय को काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। इस विधानसभा में जहां ज्योति नगर जैसी पॉश कॉलोनी आती है, वहीं जनता मजदूर कॉलोनी भी है। गरीब बस्तियों में बढ़ते अपराध का असर यहां की पॉश कॉलोनियों के रहने वाले मतदाताओं पर काफी दिख रहा है।

विकास में पिछड़ते दलित और मुस्लिम इलाके

गोपाल राय के कामकाज से औसतन लोग संतुष्ट नजर आए। हालांकि सुदामापुरी जैसी दलित मोहल्ले और जनता मजदूर कॉलोनी में विकास के मामले में पिछड़ा है। कई बस्तियों में सीवर और पानी जैसे समस्याएं विकराल रूप धारण कर चुकी है।

कांग्रेस और भाजपा का कमजोर चुनावी अभियान

कांग्रेस ने चुनावी अभियान काफी कमजोर नजर आया। इशराक खान का राजनीतिक सफर पास की सीलमपुर विधान सभा क्षेत्र में शुरू हुआ था। वर्ष 2015 में वह यहां से आप के विधायक बने लेकिन विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद उन्होंने पाला बदलकर कांग्रेस का हाथ पकड़ लिया। वर्तमान में वह बाबरपुर विस क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार है। इसके चलते वह इस विस क्षेत्र के लिए नया चेहरा है। वहीं अनिल वशिष्ठ स्थानीय तो है लेकिन उनका प्रचार अभियान अभी सुस्त है। भाजपा को मुस्लिम और दलित मतदाताओं के विभाजन की उम्मीद है। वशिष्ठ इसके अलावा स्थानीय मुद्दों को हवा देकर अपने पक्ष में लामबंदी कर रहे है।

पुलिस ने वृत्तचित्र दिखाने की कोशिश को फिर से विफल कर दिया : संजय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद अनुमति नही ली गई थीः पुलिस

आम आदमी पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी पर आधारित एक वृत्तचित्र को प्रदर्शित करने के उनके एक और प्रयास को विफल कर दिया है। आप के दावे पर रविवार को पुलिस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा था कि पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद इस वृत्तचित्र के प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई थी।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रविवार को मीडिया से कहा कि पुलिस ने उनके संवाददाता सम्मेलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जहां वृत्तचित्र दिखाया जाना था। मध्य दिल्ली स्थित आंध्र एसोसिएशन के एक सभागार के बाहर कहा, वह निर्वाचन आयोग से पूछना चाहते है कि किस नियम के तहत अनुमति नहीं दी गई। कोई जनसभा, चुनाव प्रचार या वोट की अपील नहीं की जानी थी। सिंह ने कहा कि उन्हें मौखिक रूप से बताया गया कि प्रेस कांफ्रेंस और वृत्तचित्र के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया था कि दिल्ली पुलिस ने उनकी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी के पीछे के रहस्यों और षड्यंत्रों को उजागर करने वाले एक वृत्तचित्र के प्रदर्शन को रोक दिया।

केजरीवाल पर हमले की आप गढ़ रही फर्जी कहानी : प्रवेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के लिए अगले महीने की पांच फरवरी को होने वाले मतदान के लिए नई दिल्ली सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर अरविंद केजरीवाल पर हमले की फर्जी कहानी गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल 20,000 मतों से हारेंगे।

आप नेताओं ने शनिवार को नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान वर्मा के गुंडों द्वारा केजरीवाल की कार पर पथराव करने का आरोप लगाया। वर्मा ने रविवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वह केजरीवाल को 20,000 मतों से हराएंगे। भाजपा नेता ने दावा किया कि केजरीवाल परेशान और बेचैन हैं क्योंकि उन्होंने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के लोगों से किए गए 10 वादों में से एक भी पूरा नहीं किया है और अब महिलाएं और युवा उनसे सवाल पूछ रहे हैं। वर्मा ने आरोप लगाया, एक वाहन, जिसमें केजरीवाल खुद बैठे थे, ने तीन स्थानीय युवकों को टक्कर मार दी लेकिन आप उन पर (आप संयोजक पर) हमले की झूठी कहानी बना रही है।

राहुल और प्रियंका गांधी चुनावी प्रचार में सक्रिय रूप से हिस्सा लेंगे: देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस की योजनाएं वंचितों को सामान अवसर प्रदान करेगी

कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेंगे। यादव ने यह भी कहा कि इन नेताओं ने पांच फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले पार्टी की ओर से शुरू की गई गारंटी को अपना मजबूत समर्थन दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इन योजनाओं का उद्देश्य वंचितों को समान अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर सरकार का यह कर्तव्य है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारी पूरी करे। पिछले 10 वर्षों में, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी बढ़ने के कारण महिलाओं को अपना घर चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनकी चिंताओं का समाधान करें, ताकि वे अपने परिवारों का भरण-पोषण कर सकें। यादव ने कहा, ऐसी स्थिति में मैं इसे मुफ्तखोरी या रेवड़ी नहीं कहूंगा, यह उनका अधिकार है। यह उनका अधिकार है।

दिल्ली से पहले पंजाब में किए वादे पूरा करे 'आप' : बिट्टू

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए उससे दिल्ली के लिए नई योजनाओं की घोषणा करने से पहले पंजाब में किए गए वादों को पूरा करने की मांग की।

पत्रकारों से मुखातिब बिट्टू ने पंजाब में अधूरे वादों के लिए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना की, जिनमें महिलाओं को हर महीने ।,000 रुपए की आर्थिक सहायता देना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, केजरीवाल दिल्ली में रोज मुफ्त योजनाओं की बात करते हैं, लेकिन पंजाब के बारे में क्या। उन्होंने पंजाब में नशीले पदार्थों को खत्म करने का वादा किया था, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वास्तव में, पंजाब में 2023 में नशीले पदार्थों के अत्यधिक सेवन के कारण 144 मौतें हुईं, जो देश में सबसे अधिक हैं।

चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने को पदयात्रा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने और मतदान के महत्व को समझाने के उद्देश्य से दिल्ली के उत्तर पूर्व जिले के जिलाधिकारी अजय कुमार ने रविवार को वोटर जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया।

कार्यक्रम में में जिलाधिकारी द्वारा 'चलो चलें मतदान करें' गाने का ऑडियो भी लॉन्च किया। इस पदयात्रा में सरकारी अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा की शुरुआत करावल नगर के सादतपुर में स्थित पंचायत कार्यालय से हुई, जो सादतपुर, दयालपुर मौजपुर एवं भजनपुरा के मुख्य मार्ग से होते हुए भजनपुरा बाजार के मेन चौक पर समाप्त हुई।

इस दौरान डीएम ने कहा, लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मतदान केवल एक अधिकार ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। पदयात्रा में प्रतिभागियों ने स्लोगन लिखे पोस्टर और बैनर लेकर चलकर जनता को जागरूक किया। 'पहले मतदान, फिर जलपान' और 'आपका वोट, आपकी ताकत' जैसे नारों से माहौल गूंज उठा।

मतदान जागरूकता को वॉकथॉन

नई दिल्ली। मतदान जागरूकता के लिए शनिवार को पूर्वी दिल्ली के महाराजा अग्रसेन कॉलेज से छात्रों द्वारा वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवा मतदाताओं, को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। वॉकथॉन में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल की सराहना ईस्ट दिल्ली के जिलाधिकारी अमोल श्रीवास्तव ने की। उन्होंने छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा भी की।

2.1 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त

● छह किलोग्राम जब्त, दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपराध शाखा ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो करोड़ रुपए से अधिक कीमत का छह किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है।

विधानसभा चुनाव से पहले अवैध शराब, मादक पदार्थों और अवैध हथियारों को ध्यान में रखकर ऑपरेशन कवच के तहत यह जब्ती की गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस छापेमारी में दिल्ली के निवासी अब्दुल मलिक उर्फ परवेज और मयंक नैयर को गिरफ्तार किया गया, जो इस गिरोह के मुख्य आरोपी हैं।

अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच उस समय हुई जब पुलिस ने विदेशी डाकघर में मादक पदार्थों के पार्सल पकड़े, जिनमें अमेरिका से आयातित पांच किलोग्राम से अधिक हाइड्रोपोनिक गांजा था।

पार्सल हालांकि फजी प्राप्तकर्ताओं को भेजे गए थे, फिर भी इंटरनेट संचार और डेटा माइनिंग के विश्लेषण से पुलिस को अब्दुल मलिक का पता लगाने में मदद मिली, जिसे मादक पदार्थ एकत्र करना था।

उन्होंने कहा, उसके परिसर पर छापेमारी में 871 ग्राम अतिरिक्त गांजा और मादक पदार्थों के लेन-देन में इस्तेमाल किया जाने वाला एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

पूछताछ करने पर मलिक ने खुलासा किया कि वह सिंडिकेट के सरगना नैय्यर के अधीन काम करता था। गुरुग्राम से बीबीए की पढ़ाई करने वाले नैय्यर ने कोविड-19 महामारी के दौरान परिवार के कैंसर दवा निर्यात व्यवसाय में नुकसान होने के बाद मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी थी।

डार्क वेब के अपने ज्ञान का लाभ उठाते हुए, नैय्यर ने अमेरिका से उच्च-मांग वाले हाइड्रोपोनिक गांजा का ऑर्डर दिया, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान किया, और मलिक के माध्यम से आपूर्ति की।

हाशिम बाबा गिरोह का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हाशिम बाबा गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी चेतन शर्मा के पास से एक पिस्तौल और पांच कारतूस जब्त किए गए। वह हाशिम बाबा गिरोह का सक्रिय सदस्य है।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शर्मा को शनिवार को खिचड़ीपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि शर्मा एक हिस्ट्रीशीटर है और चोरी, हत्या के प्रयास व जबरन वसूली के मामलों में वांछित है।

2023 में उसने एक स्थानीय शराब तस्कर से जबरन वसूली करने की कोशिश की और मना करने पर उस पर गोली चला दी थी।

पिछले साल 1100 अपराधियों को शहर से बाहर कियाः पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में पुलिस ने पिछले वर्ष दिल्ली पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत ।,100 से अधिक आदतन अपराधियों को राष्ट्रीय राजधानी से बाहर कर दिया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से की जाने वाली इस प्रक्रिया का उपयोग अपराधियों को एक निश्चित अवधि के लिए विशिष्ट क्षेत्रों से दूर रखने के लिए किया जाता है। अधिकारी ने बताया, दिल्ली के विभिन्न जिलों से कुल 1,130 लोगों को शहर से बाहर किया गया। उन्हें दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 47 और 48 (अपराध करने वाले व्यक्तियों को हटाना) के तहत कार्वाई के लिए उपयुक्त पाया गया। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के तहत पहले ऐसे व्यक्तियों को नोटिस भेजा जाता है, जिसमें उनसे यह बताने को कहा जाता है कि उन्हें शहर से बाहर क्यों न किया जाना चाहिए और अगर उनका स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया जाता है, तो आगे की कार्रवाई की जाती है। आंकड़ों के मुताबिक, 2015 में दिल्ली पुलिस ने 2019 में 302, 2020 में 176, 2021 में 311, 2022 में 716 और 2023 में 619 को शहर से बाहर किया था।

संक्षिप्त समाचार

योग से सांस की बीमारी को करें नियंत्रित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) में 'श्वसन विकारों के यौगिक प्रबंधन' पर आयोजित विशेष कार्यशाला में यौगिक अभ्यासों और जीवनशैली में बदलाव से बेहतर स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। डॉ. आईएन आचार्य ने सांस संबंधी समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूक किया। डॉ. आचार्य ने फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने और श्वसन क्रिया में सुधार पर प्रकाश डाला । वहीं आहार विशेषज्ञ मनजोत कौर ने श्वसन विकारों के प्रबंधन में 'आहार और पोषण' की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने जंक फूड और कम पोषण वाले आहार के हानिकारक प्रभाव की जानकारी दी। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक ललित मदान के नेतृत्व में कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुंदर राजू समेत योग प्रशिक्षकों और योग चिकित्सकों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वाल्मीकि मंदिर के पुजारी योजना से बाहर : उदित

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दलित-विरोधी करार देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को मासिक मानदेय देने की योजना की घोषणा की, लेकिन वाल्मीकि और रविदास मंदिरों के पुजारियों को इसमें शामिल नहीं किया। पूर्व सांसद ने कहा कि सोमवार को वाल्मीकि और रविदास मंदिरों के भिक्षु और पुजारी आप के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और मांग करेंगे कि उन्हें पार्टी की प्रस्तावित योजना के तहत इसमें शामिल किया जाए। आप प्रमुख केजरीवाल ने 30 दिसंबर को घोषणा की थी कि अगर उनकी पार्टी दिल्ली में फिर से सत्ता में आती है, तो मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपए मासिक भत्ता देने के लिए पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना शुरू की जाएगी। उदित राज ने आरोप लगाया कि केजरीवाल दलित-विरोधी हैं। उन्होंने हाल में मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारा ग्रन्थियों को 18,000 रुपए प्रतिमाह देने की योजना की घोषणा की, लेकिन इसमें वाल्मीकि और रविदास मंदिरों के पुजारियों को शामिल नहीं किया गया है।

विस चुनावः मतदाताओं को आकर्षक संदेश लुभा रहे राजनीतिक दल

● आप ने डिजाइन गए चाबी के गुच्छे, रिस्ट बैंड (कलाई पर बांधने वाले पट्टे), बैज और कार पर लगाए जाने वाले झंडे भी ऑर्डर किए है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली का सियासी माहौल गर्म है और कार्यकर्ता राजनीतिक दलों के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने तथा मतदाताओं को लुभाने के लिए रचनात्मक तरीके से तैयार विविध उत्पादों का सहारा ले रहे हैं, जिन पर आकर्षक वाक्यांश एवं संदेश लिखे हुए हैं।

आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और अन्य दल विभिन्न उत्पादों पर लिखे चुटीले, आकर्षक एवं व्यक्तिगत अपील वाले संदेशों के जरिए चुनावी दौड़ में एक-दूसरे से आगे निकलने का प्रयास कर रहे हैं। सर्दियों के मौसम में मतदाताओं को लुभाने के लिए कार्यकर्ता स्वेटर, स्टोल, टी-शर्ट, स्कार्फ, धूप के चश्मे, चाबी के छल्ले, कार पर लगाए जाने वाले झंडे एवं कटआउट, पेन, पोस्टर और यहां तक कि माउसपैड तक बांट रहे हैं। एक नेता ने कहा, पार्टी के चुनाव चिह्न और नारे वाले ये अनोखे उत्पाद न सिर्फ प्रचार का साधन हैं, बल्कि समर्थकों को ज्यादा व्यक्तिगत और जीवंत रूप से लुभाने का कारगर तरीका भी हैं। आप ने अपने प्रचार के लिए नीले और पीले रंग के स्वेटर व स्टोल पेश किए हैं।

सदर बाजार में राजनीतिक सामान की आपूर्ति करने वाले एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता विक्रम ने कहा, इनमें आगे की तरफ पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का चेहरा और पीछे की तरफ पार्टी का चुनाव चिह्न है, जो उन्हें पहली नजर में अलग दिखाता है। आप ने खासतौर पर डिजाइन किए गए चाबी के गुच्छे, रिस्ट बैंक (कलाई पर बांधने वाले पट्टे), बैज और कार पर लगाए जाने वाले झंडे भी ऑर्डर किए हैं। विक्रम ने कहा, हमने चुनावी रैलियों के लिए 2,000 से 2,500 बड़े झंडों और 5,000 छोटे झंडों के गट्ठर तैयार किए हैं।

झंडों की कीमत सामग्री और आकार के आधार पर 2.50 रुपए प्रति झंडा से लेकर 165 रुपए प्रति झंडा तक है। भाजपा अपने चुनाव प्रचार में ऐसे उत्पादों का सहारा ले रही है, जो अलग होने के साथ-साथ एक नजर में लोगों का ध्यान खींचते हैं। विक्रम ने कहा, पार्टी ने आरेंज रंग के धूप के चश्मे का ऑर्डर दिया है, जिस पर सफेद रंग से पार्टी का नाम लिखा हुआ है। उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चित्र वाली टी-शर्ट का भी ऑर्डर दिया है, जिस पर लोग अपने चित्र भी छपवा सकते हैं।

वहीं, कांग्रेस ने रोजर्मा के जीवन में उपयोगी चीजों को चुना है। विक्रम के मुताबिक, पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर ऐसे माउसपैड, पेन और चाबी के छल्ले के ऑर्डर दिए हैं, जिन पर कांग्रेस का चुनाव चिह्न छपा हो। आपूर्तिकर्ताओं ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक प्रचार सामग्री की मांग 60 फीसदी तक बढ़ गई है।

सदर बाजार के एक अन्य व्यापारी ने कहा, चुनाव का मौसम हमारे लिए सबसे व्यस्त समय होता है। इस साल प्रचार सामग्री में असाधारण रचनात्मकता और विविधता देखने को मिल रही है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव पांच फरवरी को होगा, जबकि वोटों की गिनती आठ फरवरी को की जाएगी।

आम जनता के लिए खुला ऑटो एक्सपो

नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित देश की प्रमुख वाहन प्रदर्शनी को रविवार को आम जनता के लिए खोले जाने के बाद यहां हर उम्र और लिंग के लोग अपनी पसंदीदा कारों और बाइक देखने के लिए पहुंचे।

मीडिया और व्यावसायिक दिनों के दो दिनों के बाद जब यह प्रमुख कार्यक्रम आम जनता के लिए खुला, तो सुबह से ही बड़ी संख्या में आगंतुक भारत मंडपम परिसर में प्रवेश करते देखे गए। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, आगंतुकों की संख्या बढ़ती गई। यातायात जाम, सुरक्षा चौकियों पर लंबी कतारें और भीड़ भरे प्रवेश द्वार भी लोगों की भीड़ को रोक नहीं पाए, जो ओईएम द्वारा विभिन्न हॉलों में प्रदर्शित नवीनतम प्रौद्योगिकियों और मॉडलों को देखने के लिए उत्सुक थे।

कैबिनेट मंत्री ने किया मेट्रो रूट का निरीक्षण

राव नरबीर सिंह ने कहा-निर्माण कार्य के चलते नागरिकों को नहीं होनी चाहिए किसी प्रकार की असुविधा

● लोगों के सुगम आवागमन को ध्यान में रख बनाया जाए ट्रैफिक डाइवर्जन प्लान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में मेट्रो के विस्तारीकरण रूट का निरीक्षण करते मंत्री राव नरबीर सिंह।

नए से पुराने गुरुग्राम होते हुए फिर नए गुरुग्राम तक बनाए जाने वाले मेट्रो रूट का हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मिलेनियम सिटी सेंटर से रेलवे स्टेशन, सेक्टर-22 व साइबर सिटी के बीच मेट्रो विस्तारीकरण की प्रक्रिया में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। इस पूरी परियोजना में मौजूदा सर्विसेज कम से कम प्रभावित हो।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने मेट्रो विस्तारीकरण के प्रस्तावित रूट को लेकर गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) जीएमडीए के अधिकारियों से कहा कि लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो के कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को मेट्रो निर्माण के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो और यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे। इस संबंध में भी बेहतरीन योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई बड़ा निर्माण इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जाता है तो वह लंबे समय तक चले और लोगों को लाभ मिले, ऐसी योजना अधिकारियों को बनानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस पूरी परियोजना में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि प्रस्तावित रूट में मौजूदा सर्विसेज जैसे ड्रेनेज सिस्टम, बिजली, पीने का पानी, सीवरेज सहित अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं को कम से कम डिस्टर्ब किया जाए। यदि ये सुविधाएं प्रभावित होती है तो इनके निवारण संबंधित कार्य मेट्रो निर्माण कार्य से पहले पूरे किए जाएं। साथ ही निर्माण प्रक्रिया में यह भी ध्यान रखा जाए कि जो ट्रैफिक डाइवर्जन प्लान बने, उसमें जाम की स्थिति ना बने।

कैबिनेट मंत्री ने जीएमडीए के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि इस परियोजना के साथ प्राधिकरण को फ्लाईओवर अथवा अंडरपास को लेकर जो भी निर्माण कार्य करना है, वह भी मेट्रो निर्माण कार्य के समानांतर रूप से चले। उन्होंने प्रस्तावित रूट पर अलाइनमेंट का कार्य एक महीने में फ्रिज करने के निर्देश दिए।

राव नरबीर ने सेक्टर-23 स्थित रेजांगला चौक से पुराने दिल्ली रोड तक ड्रेनेज की लेग वन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानसून के समय इस लेग पर पानी का अत्यधिक लोड होता है। ऐसे में इस मार्ग पर मेट्रो का कार्य शुरू करने से पूर्व सड़क के चौड़ीकरण व लेग वन में क्या आवश्यक बदलाव करने है वो निर्धारित समय सीमा में हो।

अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या व विदेशियों के खिलाफ पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

● एसीपी डीएलएफ विकास कौशिक के नेतृत्व में चलाया गया विशेष अभियान

● बिना पुलिस सत्यापन किरायेदार रखने वाले मकान मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में अवैध रूप से रह रहे बाहरी लोगों की जांच करती पुलिस।

गुरुग्राम में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या, बांग्लादेशियों व अन्य विदेशियों के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस की ओर से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा सुरक्षा को मद्देनजर रखते इस अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर ऐसे लोगों की जांच की गई। उनके सरकारी कागजात जांचे गए।

सहायक पुलिस आयुक्त डीएलएफ विकास कौशिक के नेतृत्व में चार पुलिस टीमें गठित की गई। इन टीमों का नेतृत्व प्रबंधक थाना डीएलएफ फेज-1, थाना डीएलएफ फेज-2, थाना डीएलएफ फेज-3 व सुशांत लोक द्वारा किया गया। गठित की गई पुलिस टीमों द्वारा विशेष अभियान के तहत रविवार को संबंधित थाना क्षेत्र में विभिन्न स्थानों झुग्गी-झोपड़ियों, कॉलोनियों, होटलों में विशेष रूप से चेकिंग की गई।

गुरुग्राम पुलिस ने प्रॉपर्टी मालिकों, संचालकों से अपील की है कि उनके यहां रहने वाले किराएदार, काम करने वाले लोग, होटल में काम करने वाले कामगारों का पुलिस वेरीफिकेशन जरूर करवाएं, ताकि कोई आपराधिक गतिविधि घटित ना हो।

मंत्री नागर ने अपने आवास पर सुनी समस्याएं

● समाधान पाकर गद्गद् नजर आए दरबार में आए फरियादी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने आज अपने निवास पर खुला दरबार लगाया। इस दरबार में आई समस्याओं में से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण कर दिया। उन्होंने एक समस्या सुनते हुए बिजली अधिकारी को फोन किया और तुरंत ही क्षेत्र में बिजली के खंबे लगाने के आदेश दिए। जिस पर लोग संतुष्ट नजर आए।

राजेश नागर ने कहा कि हम जनता की सेवा करने के लिए आए हैं और जनता ने हमें अपनी सेवा करने के लिए ही अवसर दिया है। इस अवसर पर भट्टा कॉलोनी से आए लोगों ने जल भराव और इंटरलॉकिंग टाइल ना होने की बात कही जिसे उन्होंने मौके पर ही अधिकारी को आदेश देकर पूरा करने की बात कही। इसी प्रकार धीरज नगर और विनय नगर में बिजली के खंबे ना होने के कारण आ रही परेशानियों का पता चलने पर बिजली अधिकारी को फोन किया और तुरंत प्रभाव से बिजली के खंबे और उन पर तार खिंचवाने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी कामों को प्राथमिकता से पूरा करें जिससे जनता को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

उनके गांव भतोला स्थित मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में इंटरलॉकिंग टाइल लगवाने की मांग रखी जिससे कि जल भराव की समस्या से बचा जा सके और बच्चों को सुविधा हो सके। जिस पर उन्होंने जल्द से जल्द व्यवस्था बनाने की बात कही। उनके सामने सरस्वती कॉलोनी और शिवालिक हॉस्पिटल से ग्यासी की कोठी तक जाने वाली सड़कों को पक्का करने की बात आई जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारी को फोन कर टेंडर लगाने की बात कही।

पुरस्कार पाने को 3 फरवरी तक करें आवेदनः डीसी

फरीदाबाद। वर्ष 2024-25 में वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण /सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत / सर्वश्रेष्ठ गैर सरकारी संगठन को पुरस्कार देने के लिए आगामी 3 फरवरी तक पोर्टल दोबारा खोला गया है। इस दौरान संबंधित व्यक्ति/संस्थाएं 3 फरवरी 2025 तक आवेदन कर सकती है। अधिक जानकारी के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने दी। डीसी ने बताया कि विभाग द्वारा 10 श्रेणियों सेंटेनेरियन, सर्वोत्तम माता, साहस व बहादुरी पुस्कार, लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार, वरिष्ठ पेंटर, वरिष्ठ मूर्तिकार, वरिष्ठ संगीतज्ञ/गायक, नृत्यक, वरिष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार की प्रत्येक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार के लिए 30 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के लिए 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

गुरुग्राम-सोहना विस के सभी मंडल अध्यक्ष नियुक्तः कमल

● सर्वसम्मति से बनाए गए 17 मंडलों के अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं के साथ नवनियुक्त पदाधिकारी।

संगठन पर्व के तहत भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश नेतृत्व से विचार विमर्श के बाद गुरुग्राम जिला के 17 मंडल अध्यक्षों को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया है। रविवार को भाजपा निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कर मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के तहत हुई बैठक में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि गुरुग्राम जिला में 27 मंडल हैं, जिनमें से 17 मंडलों पर मंडल अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए हैं। गुरुग्राम और सोहना विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई है। बादशाहपुर विधानसभा के मंडलों पर शीघ्र ही चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी। पटौदी के जाटौली मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति भी जल्द कर दी जाएगी।

बैठक में चुनाव प्रभारी नरेंद्र गुप्ता, चुनाव सह-प्रभारी राहुल राणा, विधायक मुकेश शर्मा, बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर मौजूद रहे।

पवन यादव वजीराबाद को वजीराबाद मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रियवर्त कटारिया को शीतला मंडल अध्यक्ष, आशीष गुप्ता को द्रोणाचार्य मंडल अध्यक्ष, जितेंद्र शर्मा को अर्जुन मंडल अध्यक्ष, सिद्धार्थ भाटिया को सरस्वती मंडल अध्यक्ष, आकाश यादव को लक्ष्मण मंडल अध्यक्ष, मुकेश शर्मा को दयानंद मंडल अध्यक्ष एवं पंकज सचदेवा शिवाजी मंडल के अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव ने बताया कि सोहना विधानसभा के बिस्सर मंडल पर चतर सिंह, तावडू मंडल पर शिवम गर्ग, भौंडसी मंडल पर देवेन्द्र प्रधान, दमदमा मंडल पर मनोज सहजावास, सोहना मंडल पर सौरभ सिंघला को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी तरह से पटौदी विधानसभा के पटौदी मंडल पर अनूप यादव, भौडाकलां मंडल पर शैलेंद्र चौहान, ताजनगर मंडल पर मंजीत शर्मा, मानेसर मंडल पर मनोज यादव को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस मौके पर प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, उपाध्यक्ष अजीत यादव, महेश यादव, हरबीर आधाना, नीरज यादव, सुन्दरी खत्री, निधि कोटिया, यादराम जोया आदि भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भव्य कलश शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

भगवत कथा सप्ताह के शुभारंभ पर निकली कलश यात्रा

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के शुभारम्भ पर भव्य कलश शोभा यात्रा निकली। जिसमें 71 महिलाएं शामिल हुई। कलश यात्रा कथा स्थल से शुरू होकर पुराने शहर के प्रमुख मार्गों से निकलती हुई कथा स्थल पर पहुंची। बैंड बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में शामिल महिलाएं ढोल की थाप एवं बैंड की धार्मिक धुनों पर भजन कीर्तन करती एवं नृत्य करती हुई चल रही थीं। कथा वाचक आचार्य श्याम सुंदर महाराज ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से जितना धर्म लाभ आयोजक को मिलता है उससे अधिक धर्म लाभ कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं को मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय मे लोगों को अपनी संस्कृति, सभ्यता एवं धार्मिक धरोहर से जुड़े रहना बहुत आवश्यक है। जिसके लिए श्रीमद्भागवत कथा सर्वोत्तम आयोजन होता है। इसलिए ऐसे धार्मिक आयोजन में भागीदारी करना जरूरी है ताकि भविष्य की पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित हो और हमारे रीति रिवाजों को सही से आसानी से कम समय में समझ सके। भव्य कलश शोभा यात्रा में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

महाकुंभ जाने वाले स्वयंसेवकों की फुल ड्रेस रिहर्सल

फरीदाबाद। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भाग लेने के लिए रविवार को सिद्धपीठ हनुमान श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर-1 में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और महाकुंभ में जाने के लिए रुपरेखा तय की। इस दौरान फुल ड्रेस रिहर्सल का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य रुप से रेडक्रास से बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री, संरक्षक रेडक्रास सोसायटी विमल खंडेलवाल, शिक्षाविद डा. एम.पी. सिंह मौजूद थे। मंदिर के प्रधान डॉ राजेश भाटिया ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाकुंभ में जाने को लेकर सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों व सदस्यों में जबरदस्त उत्साह है और महाकुंभ में सभी जाने वाले लोग श्रद्धालुओं की मदद करेंगे और महाकुंभ में अपनी सेवाएं देंगे। डॉ भाटिया ने बताया कि, स्वयंसेवकों का दल 25 जनवरी, रात्रि 9:30 बजे सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्केट नंबर 1 से रवाना होगा, जो कि अपने साथ टॉर्च, मेडिकल किट, थर्मामीटर, झंडे, फोल्डिंग बैड, दरी, मास्क, रस्सी, लाठी, चाय की केतली, एक्सटैंशन बोर्ड, बाल्टी, मग, शीशा, सेफटी पिन, सुई धागा, भजन मंडली का सामान, कैंची सहित खाद्य सामग्री लेकर जाएंगे। तथा वहां पर भंडारे का आयोजन भी किया गया है।

व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह 27 से 31 जनवरी तक

फरीदाबाद। मंडल रोजगार अधिकारी अभिषेक ने बताया कि रोजगार विभाग हरियाणा द्वारा दिनांक 27 जनवरी से 31 जनवरी तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह मनाया जा रहा है। इस संबंध में मण्डल रोजगार कार्यालय फरीदाबाद द्वारा दिनांक 27 जनवरी से 31 जनवरी तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसमे रोजगार अधिकारी अथवा अन्य विशेषज्ञों द्वारा बेरोजगार प्रार्थियों एवं विद्यार्थियों को करियर निर्माण से सम्बंधित मार्गदर्शन दिया जायेगा 7 इच्छुक प्रार्थी मंडल रोजगार कार्यालय फरीदाबाद कमरा नं0- 508 पांचवा तल सेक्टर 12 लघु सचिवालय फरीदाबाद में संपर्क करें।

'पार्किंग में सामान मिलेगा तो बाजार क्यों जाएंगे लोग'

● पार्किंग में दुकानें बनाने पर कांग्रेस नेता डावर ने जताया ऐतराज

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सदर बाजार में बनाई जा रही मल्टीलेवल पार्किंग। (इनसेट में पंकज डावर)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने सदर बाजार में पुराना रेलवे रोड पर मल्टीलेवल पार्किंग में 56 दुकानें बनाए जाने को लेकर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि पार्किंग में इस तरह से दुकानें बनाना सही नहीं है। अगर दुकानें ही बनानी थी तो फिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स नाम रखते।

पंकज डावर ने कहा कि इस मल्टीलेवल पार्किंग में 56 दुकानें बनाई जा रही हैं। इसमें 230 कारों और 100 से टू-व्हीलर की पार्किंग होगी। बाजार क्षेत्र में पार्किंग की इतनी अधिक समस्या है, ऐसे में दुकानें बनाना सही नहीं था। चारों तरफ दुकानें से ही यह मल्टीलेवल पार्किंग की बिल्डिंग घिरी हुई है। ऐसे में इसके भीतर दुकानें बनाकर पार्किंग का हिस्सा ही कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सीधे तौर पर सदर बाजार के दुकानदारों की दुकानदारी खराब करने का भी प्रयास होगा। अगर ग्राहकों को पार्किंग में ही सब सामान मिल जाएगा तो वे वहां से उतरकर बाजार में क्यों जाएंगे। यह तो पार्किंग के नाम पर शॉपिंग कॉम्पलेक्स बना दिया गया है।

प्रभावशाली लोगों के कब्जे हटाने में नाकाम डीटीपी

पंकज डावर ने कहा कि सदर बाजार में गाड़ियों के प्रवेश को लेकर निगम कमिश्नर ने कार्यवाही के तो आदेश दे दिए, लेकिन कार्यवाही कभी नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि कब्जे हटाने के नाम पर दुकानदारों को परेशान करने की बजाय निगम को सुविधाएं देने पर काम करना चाहिए। लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं के दावों में कहीं दम नजर नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी के दुकानदारों को भी डीटीपी द्वारा परेशान किया जा रहा है। सिविल लाइन क्षेत्र, रेलवे रोड पर विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा किए गए कब्जों को वे देखते तक नहीं।

पुलिस-पब्लिक कॉर्डिनेशन बैठक में समस्याओं पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते पुलिस अधिकारी।

सेक्टर-106 स्थित पारस ड्यू सोसायटी में राजेंद्रा पार्क थाना प्रबंधक की ओर से व सेक्टर-23 के कम्युनिटी सेंटर में पालमम विहार थाना प्रबंधक की ओर से पुलिस-पब्लिक बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में पुलिस ने आरडब्ल्यूए के सदस्यों के साथ उनकी समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की गई।

सहायक पुलिस आयुक्त शिवा अर्चन सिंह और थाना प्रबंधक राजेंद्रा पार्क ने बैठकों में अपराधों की रोकथाम व मूल्यांकन कर उनके रोकथाम, किरायेदारों की वेरिफिकेशन के बारे, अपराधियों की पहचान, साइबर संबंधित अपराधों के बारे में तथा कानून व्यवस्था एवं शान्ति बनाए रखने के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए कहा, ताकि आपराधियों को काबू करने में सहायता मिल सके। पदाधिकारियों सदस्यों व पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए ग्रुप में नियमित रूप से जानकारी व सूचनाएं आदान-प्रदान करने के बारे में भी बताया गया।

गुड़गांव विकास मंच ने स्लम केयर फाउंडेशन सूर्या विहार में वितरित किए जूते

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुड़गांव विकास मंच की ओर से स्लम केयर फाउंडेशन सूर्या विहार गुड़गांव में जूते वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाजपा महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची। संस्था के प्रमुख अजय शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा की पुत्रवधू आशा शर्मा ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति दिनेश गुप्ता, समाजसेविका पूनम गुप्ता, समाजसेवी मनीष मित्तल, मनी, अजय शर्मा, ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन से कृष्ण भारद्वाज दौलताबाद, श्रीराम सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज पाठक, शिक्षाविद मिथलेश शर्मा, गुड़गांव विकास मंच के अध्यक्ष राजकुमार त्यागी उपस्थित थे।

नवीन ने किया भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भगवान परशुराम की प्रतिमा के अनावरण पर नवीन जयहिंद को सम्मानित करते आयोजक।

समाजसेवी नवीन जयहिंद ने रविवार को जिला के गांव कुकड़ौला में भगवान परशुराम की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्होंने आशीर्वाद भी लिया।

भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापना समारोह में नवीन जयहिंद ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज हमें भगवान परशुराम जी की प्रतिमा का अनावरण करने के साथि हवन में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इसके लिए समारोह आयोजित करने वाली पूरी टीम का आभार जताया। जयहिन्द ने कहा कि हम भगवान भोलेनाथ जी, परशुराम जी, बाबा खाटू श्याम जी को मानने वाले आदमी हैं। भगवान किसी जाति या धर्म विशेष के नहीं होते। वे भगवान सबके होते है। जयहिन्द ने बताया कि भगवान परशुराम जी ने अन्याय के खिलाफ फरसा उठाकर धरती से दुष्टों का नाश किया था।

रोड सेफ्टी मंथ 2025 के तहत की गई फिट इंडिया संडेज ऑन साइक्ल्स साइक्लोथॉन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फिट इंडिया संडेज ऑन साइक्ल्स साइक्लोथॉन में प्रतिभागियों के साथ पुलिस अधिकारी, अभिनेत्री गुल पनाग व अन्य।

रोड सेफ्टी मंथ 2025 के तहत रविवार को सेक्टर-29 स्थित ओपन एयर थिएटर में फिट इंडिया संडेज ऑन साइक्ल्स साइक्लोथॉन आयोजित की गई। यह कार्यक्रम ट्रैफिक पुलिस गुरुग्राम, गुरुग्राम पुलिस, जिला प्रशासन के सहयोग से और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राहगीरी फाउंडेशन, हीरो साइक्ल्स और नागारो और आरएसओ की सांझेदारी में आयोजित किया गया।

साइक्लोथॉन को हरियाणा सरकार के उद्योग और वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अभिनेत्री गुल पनाग, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मयंक श्रीवास्तव, आईपीएस, खेलो इंडिया के डायरेक्टर नदीम धर, साइकलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव और नेशनल गेम्स 2025 के जीटीसीसी सदस्य मनिंदर पाल सिंह, और हीरो साइक्ल्स के मुख्य विपणन अधिकारी रोहित शर्मा शामिल थे। इस साइक्लोथॉन में 750 से अधिक साइकिल प्रेमियों और स्कूली छात्रों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर सिंह ने सड़कों की सुरक्षा और स्थायी परिवहन को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, कि हमने गुरुग्राम में जनपथ स्ट्रीट बनाई है, जिसमें पैदल चलने और साइक्लिंग के लिए लेन हैं। यह न केवल प्रदूषण को कम करता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को भी रोकता है। हमारा लक्ष्य हरियाणा में ऐसी सड़कों का विस्तार करना और 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु को 50 प्रतिशत तक कम करना है। साथ ही हम जल्द ही सभी ब्लैकस्पॉट की रोड इंजीनियरिंग को सुधारेंगे।

फिल्म अभिनेत्री गुल पनाग ने सड़क सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। यह साइक्लोथॉन एक बार की पहल न होकर पूरे साल चलने वाला प्रयास होना चाहिए।

आखिर मान गए डल्लेवाल, ली चिकित्सीय मदद

जगजीत सिंह के साथ एकजुटता दिखाते हुए 121 किसानों ने भी खत्म किया अपना अनिश्चितकालीन अनशन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के चिकित्सा सहायता लेने के बाद उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए खनौरी विरोध स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे 121 किसानों के एक समूह ने रविवार को अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया। डल्लेवाल (70) ने 26 नवंबर को आमरण अनशन पर बैठने के बाद कोई भी चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन किसानों की मांगों पर चर्चा के लिए 14 फरवरी को बातचीत के लिए केंद्र का आमंत्रण मिलने के बाद वह शनिवार को चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। उनकी तबीयत बिगड़ने और सरकार द्वारा उनकी मांगें नहीं मानने पर 111 किसानों का एक समूह खनौरी के पास हरियाणा की सीमा में 15 जनवरी को डल्लेवाल के आमरण अनशन में शामिल हो गया। इसके बाद 17 जनवरी को हरियाणा के 10 और किसान उनके साथ जुड़ गए।

पुलिस उपमहानिरीक्षक मनदीप सिंह सिद्धू और पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नानक सिंह की मौजूदगी में 121 किसानों ने जूस पीकर अपना अनशन समाप्त किया। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को किसान नेता डल्लेवाल और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें चंडीगढ़ में 14 फरवरी को वार्ता फिर से शुरू करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रस्तावित बैठक की घोषणा के बाद डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। इसके बाद डल्लेवाल ने इंट्रावीनस ड्रिप के जरिए चिकित्सा सहायता ली। हालांकि, किसान नेताओं ने कहा कि डल्लेवाल अपना अनिश्चितकालीन अनशन तब तक खत्म नहीं करेंगे, जब तक कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी नहीं दी जाती।

जल्द से जल्द बात करे केंद्र: मंत्री खुड्डियां

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने रविवार को कहा कि अगर केंद्र की मंशा सही है तो उसे 14 फरवरी के बजाय जल्द से जल्द प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक करनी चाहिए। खुड्डियां का यह बयान केंद्र द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा को 14 फरवरी को बातचीत के लिए आमंत्रित किए जाने के एक दिन बाद आया है। खुड्डियां ने कहा कि डल्लेवाल का स्वास्थ्य चिंताजनक है। मंत्रालय को जल्द से जल्द प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बैठक करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर उनकी (केंद्र सरकार की) मंशा सही है तो उन्हें एक या दो दिन के भीतर ही बातचीत करनी चाहिए।

एसकेएम ने सरकार की पहल का स्वागत किया

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों के साथ बातचीत के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को रविवार को एक बड़ी जीत बताया और अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के चिकित्सा सहायता लेने के फैसले का स्वागत किया। किसान संगठनों के साझा मंच ने एक बयान में कहा, एसकेएम किसान संगठनों के साथ चर्चा करने के केंद्र सरकार के फैसले को एक बड़ी जीत मानता है। तीन निरस्त कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसानों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले इस साझा मंच ने कहा कि किसानों की बढ़ती एकता के कारण सरकार चर्चा करने के लिए मजबूर हुई।

खेत में पानी देने गए बाप बेटे की करंट लगने से मौत

परिवार में अकेला कमाने वाला था मृतक किसान वीरेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिले के गांव सदरपुर में शनिवार को खेत में ट्यूबवेल से पानी लगाने गए बाप व बेटा की करंट लगने से मौत हो गई। आनन फानन में दोनों को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को दोनों शव पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिए हैं।

सदरपुर गांव के रहने वाले 48 वर्षीय वीरेंद्र और उनके 22 वर्षीय बेटे राकेश शनिवार को अपने खेत में लगे ट्यूबवेल से पानी लगाने गए थे। जब वे शाम तक अपने घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोग उन्हें खोजने के लिए खेतों तक पहुंचे। जहां दोनों करंट से झुलसे होने के कारण अचेत पड़े थे। दोनों को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी हकमुद्दीन ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर शव उनके परिजनों को सौंप दिए हैं।

वीरेंद्र खेती बाड़ी से ही मेहनत कर अपने परिवार का गुजारा कर रहा था। उसका 22 वर्षीय बेटा राकेश की होमगार्ड्स में नौकरी की तैयारी कर रहा था। घर में कमाई का कोई जरिया नहीं था। छोटा बेटा अभी पढ़ाई कर रहा है। वीरेंद्र ही अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। 90 वर्षीय दादी गंगादेवी, 67 वर्षीय मां दयावती व पिता 75 वर्षीय घनश्याम सिंह की परवरिश भी वीरेंद्र ही कर रहा था। परिवार के बुजुर्गों को बड़ी उम्मीद थी कि राकेश अब नौकरी लगने के बाद अपने पिता वीरेंद्र के साथ घर की जिम्मेदारी संभाल लेगा। लेकिन शनिवार को सभी सपने चकनाचूर हो गए।

करंट से एक साथ हुई बाप बेटे की मौत से परिवार पर अचानक पहाड़ टूट पड़ा। जिस समय ऐंब्यूलेंस से दोनों बाप बेटे के शव उतारे गए तो चीख पुकार मच गई। वीरेंद्र की पत्नी सिरवती, मां दयावती दोनों को देख अचेत हो गई। जिन्हें अन्य महिलाओं ने संभालते हुए ढाढस बंधाया। वीरेंद्र के परिवार में अब पत्नी सिरवती व छोटा बेटा बचा है।

छात्रवृत्ति घोटाले में आरोपी गिरफ्तार, पंचकूला पुलिस ने की कार्रवाई

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय के सहायक निदेशक विशाल दीप से जुड़े छात्रवृत्ति घोटाले में पंचकूला पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रिश्वत की रकम के लेन-देन में शामिल आरोपी कुलदीप शर्मा को उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपी को स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जांच अधिकारी रवि कुमार के अनुसार, यह मामला सेक्टर-16 निवासी विशाल बंसल की शिकायत पर दर्ज किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि ईडी के सहायक निदेशक विशाल दीप, मोनू गुज्जर और कार्तिक शर्मा के निर्देश पर कुलदीप शर्मा को पंचकूला में रिश्वत की रकम एकत्र करने की जिम्मेदारी दी गई थी। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी कार्तिक शर्मा और कुलदीप शर्मा मामा-भांजे के रिश्ते में हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। छात्रवृत्ति घोटाले में रिश्वत के इस मामले ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

मनु भाकर की नानी व मामा की सड़क दुर्घटना में मौत

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

पेरिस ओलंपिक पदक विजेता और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज मनु भाकर की नानी और मामा की रविवार को यहां दादरी थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे दोनों चरखी दादरी के महेंद्रगढ़ बाइपास रोड पर स्कूटी से जा रहे थे, तभी एक कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर दे मारी।

दादरी थाने के जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक (एएसआई) सुरेश कुमार ने बताया कि टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई तथा इस दुर्घटना के तुरंत बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मनु भाकर की नानी सावित्री देवी (70) और मामा युद्धवीर (50) के तौर पर हुई है जो हरियाणा रोडवेज में चालक थे। कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। दो दिन पहले मनु भाकर को मिले मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार की खुशियां इस हादसे के बाद मातम में बदल गईं।

जांच में कोताही बरतने पर एएसआई निलंबित

अनिल विज ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में की थी सिफारिश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने कार्य में कोताही बरतने वाले कैथल के एएसआई को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए हैं। यह कार्रवाई हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने पिछले दिनों कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के दौरान ड्यूटी में कोताही बरतने पर एएसआई सुखदेव सिंह को निलंबित करने की सिफारिश की थी।

इस संबंध में विभाग द्वारा एक पत्र जारी करते हुए संबंधित एएसआई सुखदेव सिंह को निलंबित कर दिया गया है। पत्र में बताया गया है कि एसएचओ पीएस राजौंद द्वारा डीएसपी कलायत के माध्यम से 10 जनवरी को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि एएसआई सुखदेव सिंह ने जांच अधिकारी के रूप में पीपी किठाना में तैनात रहते हुए एक केस की जांच के दौरान अपने आधिकारिक कर्तव्य में घोर लापरवाही दिखाई है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए एएसआई सुखदेव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

कैथल के डीएसपी (क्राइम) करेंगे मामले की जांच

निलंबन अवधि के दौरान उन्हें एचसीएसआर-2016 के नियम के तहत स्वीकार्य आधे वेतन पर छुट्टी पर रहने पर मिलने वाले अवकाश वेतन के बराबर राशि का निर्वाह भत्ता मिलेगा। इसके साथ ही उनके खिलाफ नियमित विभागीय जांच का आदेश दिया गया है। कैथल के डीएसपी (क्राइम) प्रतिदिन कार्यवाही करके विभागीय जांच पूरी करेंगे तथा शीघ्रता से अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करेंगे।

कृषि विभाग देगा ड्रोन पायलट बनने का प्रशिक्षण

कुरुक्षेत्र। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा कर्मचंद ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा 2024-25 के लिए 18-45 आयु वर्ग तक के किसानों और युवाओं को ड्रोन पायलट बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके लिए 20 जनवरी 2025 से 05 फरवरी 2025 तकविभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणाडॉटजीओवीडॉटइन पर आनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसके लिए हरियाणा राज्य से कुल लक्ष्य 500 के विपरीत 267 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है व कुल 233 किसानों को प्रशिक्षण दिया जाना बाकी है। यह प्रशिक्षण बिना कोई शुल्क लिए दिया जाएगा। इच्छुक किसान/युवा अपना आवेदन भर सकता है। इसके लिए कुछ नियम व शर्तें लागू की गई है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक कर्मचंद ने कहा कि प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी का चयन योग्यता अनुसार किया जाएगा।

जमीन के नाम पर 25 लाख की धोखाधड़ी

पलवल। एक पूर्व वायुसैनिक के साथ जमीन के नाम पर 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने वसीका नवीस समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित भीषण सिंह रावत ने बताया कि सितंबर 2023 में ततारपुर गांव के धर्मेंद्र ने उन्हें बेला गांव निवासी तुहीराम की दो एकड़ जमीन की डील करवाई। आरोपी धर्मेंद्र और तुहीराम जमीन के सौदे के लिए उन्हें वसीका नवीस बिल्लू डागर के कार्यालय ले गए। वहां धर्मेंद्र ने उन्हें प्रकाश विहार कॉलोनी निवासी जय नारायण से मिलवाया। आरोपियों ने बताया कि तुहीराम को पैसों की जरूरत थी, इसलिए जय नारायण ने पहले ही 30 लाख रुपए के दो चेक देकर खेत अपने नाम करवा लिए थे। पीड़ित ने जय नारायण के खाते में 25 लाख रुपए (10 लाख और 15 लाख) ट्रांसफर कर दिए। लेकिन बाद में न तो उन्हें जमीन मिली और न ही पैसे वापस मिले। जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो जय नारायण ने 12.50 लाख रुपए का एक चेक दिया, जो बाउंस हो गया। पैसे मांगने पर आरोपी उन्हें झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी देने लगे। चांदहट पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

पब्लिक नोटिस

सभी को पता है कि मेरे मुवक्किल श्री संदीप गुप्ता,संपत्ति संख्या13,क्षेत्र 50वर्ग गज,खसरा नंबर 133,गांव बिंदापुर, ब्लाक आर-1,उत्तम नगर,नई दिल्ली-110059 के मालिक हैं। और श्री संदीप गुप्ता, ने उक्त प्लाट को श्रीमती ज्ञान वती देवी से नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत दिनांक 17.12.2022 के द्वारा खरीदा था अब श्री संदीप गुप्ता उपरोक्त संपत्ति बेचना चाहते हैं। और यह सूचित किया जाता है कि मेरे उक्त ग्राहक को छोड़कर किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेजों के साथ कोई सौदा इकरार,बिक्री,बंधक आदि सिवाय श्री संदीप गुप्ता के बीच,मान्या नही होगा। तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 15 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई दिल्ली-75
मोबाइल : 9899013918

PUBLIC NOTICE

This is to inform regarding property number E-287, Naraina Vihar. The owner, Mrs. Sushma Kaushal, has stated that all original documents of the property have been misplaced. If anyone has any objections or concerns, they are requested to inform me, Satish kumar (Purchaser), via email at ayariserelaty@gmail.com within 15 days from today failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

एचएसजीपीसी चुनाव में वार्ड-39 से तजिंद्रपाल सिंह जीते

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम सहित वार्ड-39 के साथ लगते जिलों में संपन्न हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य पद के लिए रविवार को मतदान हुए। चुनाव में तजिंद्रपाल सिंह को विजेता घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गगनदीप कौर को 538 मतों के अंतर से पराजित किया।

तजिंद्रपाल सिंह को 1489, जबकि गगनदीप कौर को 951 मत प्राप्त हुए। वार्ड-39 में कुल 4447 मत थे, जिनमें से 2737 वोट डाले गए। मतदान प्रतिशत 61.5 रहा। इस चुनाव में तजिंद्रपाल सिंह, बीबी गगनदीप कौर व हरप्रीत सिंह सहित सदस्य पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें तजिंद्रपाल सिंह को 1489, गगनदीप कौर को 951 और हरप्रीत सिंह को 289 वोट मिले हैं। नोटा के बटन पर 8 मत प्राप्त हुए। गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में बनाए गए दो पोलिंग सेंटर पर 50.25 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां कुल 2364 में से

विजयी हुए तजिंद्रपाल सिंह।

1188 मतदाताओं ने ईवीएम मशीन का बटन दबाकर अपना वोट दिया। गर्लज कालेज के कैंपस में सुबह 8 बजे मतदान की प्रक्रिया आरंभ हुई। कमेटी के प्रदेश भर में 40 सदस्यों में से एक सदस्य का चुनाव गुरुग्राम, रेवाड़ी, नारनौल, चरखी दादरी और झज्जर को मिला कर बनाए गए वार्ड 39 के 6 मतदान केंद्रों पर हुआ।

उपायुक्त अजय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए इस चुनाव में जीएमसीबीएल के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिलोकचंद बतौर निर्वाचन अधिकारी और नायब तहसीलदार सुरेंद्र भारद्वाज सहायक निर्वाचन अधिकारी के तौर पर नियुक्त रहे। सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल सुबह से शाम तक कालेज परिसर में तैनात रहा। कमेटी के वार्ड 39 से तीनों उम्मीदवारों ने कालेज प्रांगण में अपने बूथ स्थापित किए हुए थे।

वैज्ञानिक डा. एसएस कसाना का निधन

फरीदाबाद। इसरो, एनटीपीसी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, बीआईएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए विशेष स्टील तैयार करने वाले वैज्ञानिक डॉ. एसएस कसाना का शनिवार रात को निधन हो गया। वे कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से जूझ रहे थे। आईआईटी रुड़की से बीटेक करने के बाद कई परियोजनाओं से जुड़े रहे। वे फरीदाबाद स्थित स्टार वायर कंपनी से जुड़कर स्टील के क्षेत्र में अनुसंधान कर रहे थे। उनके काम से प्रभावित होकर आईआईटी दिल्ली, इसरो, एनटीपीसी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, बीआईएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उन्हें प्रशंसा पत्र भी मिले।

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Vijay Singh** is the GPA Holder of Plot area measuring 50 Sq. yds, out of Khasra No. 910, situated in Vishwanath Colony, Manakpuri, Tehsil- Dadri, District G.B Nagar Uttar Pradesh -201309. He is in possession through Regd. GPA dated 17.06.1997as doc. No. 2972 executed by **Mr. Vijender Singh** in favour of **Mr. Vijay Singh** in respect of the said Plot.

Mr. Vijay Singh intends to transfer the ownership of aforementioned plot by way of Sale Deed to **Mr. Ramnath Maurya.** Subsequently, **Mr. Ramnath Maurya** is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in**

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब आर्डर-5, कायदा-1 व 5

अदालत प्रधान पारिवारिक न्यायालय, जिला इटावा

मुद्दई

नम्बर HMA 64/24 साकिन धारा 9 HMA

आदित्य यादव बनाम सोनल यादव

मुद्दाअलेह

हरगाह के आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व 07.02.2025 वक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत के जो मुकद्दमा के हालात करार माफिक किया गया और कुल उपराय या अहम मुताबिक मुकद्दमा का जबाब दे सके या जिसके जबावदेही दावा करें। आपको लाजिम है कि जमुला दस्तावेज पेश करें। जिन पर बताईद अपनी जबावदेही दस्तेंदाजन करना चाहते हैं।

आपको इत्तिला दी जाती है अगर अजकूर आप हाजिर न होंगे मुकद्मा बगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 09.01.2025 ई० जारी किया गया।

इत्तिला जज

(1) अगर आपको अन्देशा है कि आपकी गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न हो तो अदालत जजी से सम्बन्ध हुई मरादा जारी कर सकते हैं तो गवाह हाजिर न हो व जबरन हाजिर कराया जाए और जिस दस्तावेज की किसी जगह हसे पेश कराने का आप इन्तजार कर सकते हैं वह पेश कराई जाए व शर्ते आप खर्च जरूरी अदालत में दाखिल करके इस अम्ल दरख्वास्त गुजरायें।

(2) अगर आप मतावता मुद्दई की तारीख करते हैं जो आपको लाजिम है कि रुपये मय खर्च नालिस अदालत में पेश करें ताकि कार्यवाही इजराय डिंगरी की आपकी जान माल दोनों ही करना पड़े।

मुहर अदालत

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को श्रीमती रिचा की ओर से प्लॉट संख्या 148 और 149, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 371 में समाहित संपत्ति के संबंध में सूचित किया जाता है, जो कॉलोनी मोहन गार्डन के नाम से ग्राम नवादा, ब्लॉक एल-एक्सटेंशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित है, जो वर्तमान में श्री परवीन कुमार के स्वामित्व में है और श्री प्रवीण कुमार ने प्रभजीत कौर सचदेवा से नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री के लिए करार और दिनांक 20.02.2024 की वसीयत के माध्यम से विषय संपत्ति खरीदी थी, अब श्रीमती रिचा इसे खरीदना चाहती हैं और आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखना चाहती हैं। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी

प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क **# 011-40046316**

उद्योगों में फर्जी घटनाओं की जांच करेगी एसआईसी

झूठी घटनाएं दिखाकर बीमा कंपनियों से लिया मुआवजा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के श्रम मंत्री ने नूंह व गुरुग्राम के उद्योगों में फर्जी घटनाएं दिखाकर बीमा कंपनियों से मुआवजा लिए जाने के मामलों की जांच के आदेश जारी किए हैं। यह जांच सेवानिवृत्त एडीजे की अध्यक्षता वाली एसआईसी द्वारा की जाएगी। श्रम मंत्री अनिल विज ने रविवार को जारी जानकारी में बताया कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 तक नूंह और गुरुग्राम के कर्मचारी प्रतिकर (कंपनसेशन) अधिनियम 1923 के तहत आयुक्तों द्वारा तय दावा आवेदनों की जांच का कार्य एक विशेष जांच समिति (एसआईसी) ने आरंभ कर दिया है।

अनिल विज ने बताया कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 तक नूंह और गुरुग्राम के कर्मचारी प्रतिकर (कंपनसेशन) अधिनियम, 1923 के तहत आयुक्तों द्वारा तय दावा आवेदनों की जांच के लिए सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अब्दुल मजीद की अध्यक्षता में एक विशेष जांच समिति को गठित किया गया है ताकि उपरोक्त समयावधि के तय दावा आवेदनों की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि नूंह और गुरुग्राम में औद्योगिक कंपनियों में फर्जी घटनाएं दिखा करके बीमा कंपनियों से मुआवजा लिया गया था।

मन की बात कार्यक्रम नई ऊर्जा व दिशा देने का करता है काम: सुधा

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश को एक नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से देश की सफलतम कहानियां हम सबके सामने रखते है, इनसे प्रेरणा लेकर देश का हर वर्ग अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए अग्रसर होता है। यह कार्यक्रम हम सबको कुछ नया करने की ओर संकल्पित करता है। सुधा रविवार को मन की बात के 118 वें एपिसोड के प्रसारण कार्यक्रम उपरांत उपस्थितजनों को सम्बोधित कर रहें थे। उन्होंने कहा है कि आगामी 26 जनवरी को देश के संविधान लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहें है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। गणतंत्र के 75 वर्ष होने पर उन्होंने संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन किया।

डिपो पर छापेमारी के दौरान 80 क्विंटल कम मिला राशन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सीएम फ्लाइंग की टीम ने एक बड़े राशन घोटाले का पर्दाफाश किया है। हसनपुर खंड में की गई छापेमारी के दौरान राशन डिपो पर सरकारी रिकॉर्ड से करीब 63 कुंटल गेहूं, 2.5 कुंटल चीनी और 15.19 कुंटल बाजरा कम पाया गया। इस मामले में डिपो संचालक के खिलाफ हसनपुर थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में सीएम फ्लाइंग की टीम ने खाद्य आपूर्ति विभाग पलवल की टीम के साथ पीरगढ़ी गांव निवासी खैरुना के राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि डिपो धारक को एक राशन डिपो आवंटित था, लेकिन उसके डिपो से तीन अन्य राशन डिपो की सप्लाई भी जुड़ी हुई थी। कुल 4 डिपो का राशन 6 अलग-अलग स्थानों पर भंडारित किया गया था।

टीम ने पीरगढ़ी और हफ्जबाद में स्थित दो गोदामों का गांव के सरपंचों की मौजूदगी में निरीक्षण किया। हालांकि, अन्य चार स्थानों - गांव अतवा, टप्पा, शोरू का नंगला और फाटनगर में ताले लगे होने के कारण निरीक्षण नहीं हो सका। खाद्य आपूर्ति विभाग ने इन डिपो को सील कर दिया और डिपो धारक को नोटिस जारी कर बाकी 4 डिपो का निरीक्षण कराने का निर्देश दिया। 18 जनवरी को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की एक संयुक्त टीम ने सभी राशन डिपो का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें यह बड़ी गड़बड़ी सामने आई। पुलिस ने आरोपी डिपो होल्डर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Avisha Chaudhary D/o Shri Virendra Singh Chaudhary R/o 365 chiddasingh ahatah near NH-24, Makanpur Shipra Suncity, Ghaziabad, Pin-201014. have declare that my father's name is Virendra Singh and Virendra Singh Chaudhary. Both names are same and one person. That I will use father name as Virendra Singh Chaudhary in future for all purpose.

PD(1283)C

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा सिटी, जिला-गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत M/s Elegant Infracon Pvt. Ltd. भूखण्ड संख्या-CP-GH-05C, Sector-Techzone-04, Greater Noida को दिनांक 02-03-2016 को मानचित्र स्वीकृति प्रदान की गयी थी। तदोपरान्त विकासकर्ता द्वारा (Group Housing Project) का आंशिक अधिभोग प्रमाण-पत्र स्वीकृति हेतु आवेदन संख्या - CC-8110 दिनांक 20-03-2024 ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन किया गया है। तत्क्रत में UP-Apartemnt Act&-2010, Amendment 2016 in Section-4 Sub Section-B के अन्तर्गत परियोजना के आवंटियो से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित किये जाने का प्रावधान है। इस सम्बन्ध में विकासकर्ता द्वारा प्रस्तुत स्वीकृति मानचित्र एवं Declarations as per UP Apartment Act-2010 परीक्षण किसी भी कार्यदिवस में सुबह 9:30 से सायं 6:00 बजे के मध्य नियोजन विभाग में तथा प्राधिकरण की वेबसाईट पर किया जा सकता है।

अतः उपरोक्त परियोजना के आवंटियों द्वारा Sanction Map एवं Declarations as per UP Apartment Act-2010 के सम्बन्ध में सूचना प्रकाशित करने के 30 दिनों के अन्दर आपत्ति / सुझाव आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त के निहितार्थ अपनी आपत्तिया लिखित रूप में अपने आवंटन पत्र, नाम, पता एवं दूरभाष नम्बर के साथ कार्यालय समय व कार्यदिवस में ग्रेटर नौएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय, भूखण्ड संख्या-1, नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा में स्थित महाप्रबन्धक (नियोजन/वास्तु0) को सम्बोधित करते हुए सूचना प्रकाशित होने के 30 दिवसों के अन्दर जमा करायी जा सकती है।

महाप्रबन्धक (नियो0/वास्तु0)
ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

नौरंगपुर खेल स्पर्धा में सद्दाम व सना बने बेस्ट एथलीट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में ग्राम सुधार संगठन नौरंगपुर द्वारा गांव के क्रिकेट स्टेडियम में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। रविवार को प्रतियोगिता का समापन हो गया। लड़कों की श्रेणी में में सद्दाब बेस्ट एथलीट तथा लड़कियों की श्रेणी में सना बेस्ट एथलीट रहीं। इस अवसर पर गांव नौरंगपुर से रोहताश, रामेहर, नरेश, जितेंद्र, राजीव, संदीप

विजेता खिलाड़ी को सम्मानित करते अतिथि।

कोच तथा एनवाईके से अकाउंटेंट साइका खातून उपस्थित रहीं।

प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 1600 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, वॉलीबॉल सूटिंग, वॉलीबॉल स्मैस स्पर्धाएं कराई गई। लड़कियों की 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद खो-खो प्रतियोगिताएं कराई। बच्चों के लिए 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ में बिलाल ने प्रथम, अमन यादव ने दूसरा स्थान हासिल किया। 1600 मीटर दौड़ में सद्दाब ने बाजी मारी, वॉलीबॉल सूटिंग में नौरंगपुर की टीम प्रथम स्थान पर रही। खो खो में जीएसएस नौरंगपुर खेल अकादमी की टीम प्रथम रही। आयोजन में दयाराम चेयरमैन, चरण सिंह ने शिरकत की।

एसपी ने विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां वितरित कीं

कुरुक्षेत्र। महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के 32वें छात्रवृत्ति वितरण समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए विद्या भारती सभागार गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में आयोजित समारोह में कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करते हुए छात्रवृत्तियां वितरित की।

JM FINANCIAL

जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
कॉर्पोरेट पहचान सं. U67190MH2007PLC74287
पंजीकृत कार्यालय का पताः 7वीं मंजिल, सेनर्जी, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई 400025
फोनः + 91 22 6630 3030 फैक्सः +911 22 6630 3223, www.jmfinancialarc.com

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) पठित, पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (जिसे पहले दीवान हाउसिंग एंड फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने सभी अधिकारों, टाईटल और उस पर ब्याज के साथ अंतर्निहित सुरक्षा ब्याज के साथ ऋण का एक पूल (नीचे उल्लिखित ऋण सहित) सौंपा है, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 ("सरफेसी अधिनियम") की धारा 5(1)(बी) के तहत दिनांक 29 मार्च, 2023 ("असाइनमेंट एग्रीमेंट") के पक्ष में एक असाइनमेंट समझौते के माध्यम से जेएमएफएआरसी (जेएम) (यहां सहायक के रूप में संदर्भित)। अधोहस्ताक्षरी (जेएम) असाइनी का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के प्रवर्तन के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किया है निम्नलिखित उधारकर्ताओं ("उक्त उधारकर्ता") को जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए नीचे दिया गया है। उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता को इस नोटिस के प्रकाशन से 60 दिनों के भीतर जेएम को भुगतान करने का नोटिस दिया जाता है। नीचे दी गई तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, अन्य दस्तावेजों/लेखों के साथ पठित ऋण समझौते के तहत देय, नीचे दर्शाई गई राशियाँ, उक्त मांग नोटिस में दिए गए विवरण के अनुसार अतिरिक्त ब्याज के साथ , यदि कोई हो, उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा निष्पादित। ऋण की उचित चुकौती के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित परिसंपत्तियाँ क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा जेएम को बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार/गारंटर का नाम/ ऋण कोड	मांग सूचना की तिथि एवं राशि एनपीए की तिथि सहित	सम्पत्ति का विवरण
(दिल्ली-पीतमपुरा शाखा का एलसी नं. 09600002091) रोहित कुमार (उधारकर्ता) कुसुम लता (सह-उधारकर्ता 1)	23-12-2024/रु. 33,37,791/- (रु. तैंतीस लाख सैंतीस हजार सात सौ इक्यावन मात्र) एनपीए (10-04-2020)	यूजीएफ आरएचएस भाग, बिना छत के अधिकार के, सम्पत्ति नं. 1199/सी/10 केएच नं. 93 गोविंदपुरी कालकाजी नई दिल्ली नई दिल्ली दिल्ली- 110019
(गुरुग्राम - एमजी रोड शाखा का एलसी नं. 196DEL37129) विदुर खन्ना (उधारकर्ता) उषा खन्ना (सह-उधारकर्ता 1)	23-12-2024/रु. 98,53,617/-(रु. अट्ठानवे लाख तिरेपन हजार छह सौ सत्रह मात्र) एनपीए (01-05-2019)	मकान फ्लैट नं. 402 चौथी मंजिल, सुपरटेक केपटाउन गौतम बुद्ध प्लॉट नं. जीएच 01 ए सेक्टर, 74 गांव, नोएडा, उत्तर प्रदेश - 201301

यदि उक्त उधारकर्ता उपरोक्तानुसार जेएम को भुगतान करने में विफल रहेंगे, जेएम उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत लागत और परिणामों के संबंध में पूरी तरह से उक्त उधारकर्ताओं के जोखिम पर कार्रवाई करेगा। अधिनियम के तहत उक्त उधारकर्ताओं को जेएम की पूर्व लिखित सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा उपरोक्त संपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड हेतु उत्तरदायी होगा।

तिथि : 20.01.2025
स्थानः दिल्ली

हस्ता/-(प्राधिकृत अधिकारी)
जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
अराण्य - ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता से कार्यरत

आठवां वेतन आयोग

गठन को हरी झंडी

केंद्रीय कैबिनेट ने आठवें वेतन आयोग के गठन को हरी झंडी दिखा कर केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण का रास्ता साफकर दिया है। केन्द्रीय कैबिनेट द्वारा बजट के पहले आठवें वेतन आयोग के गठन को सहमति देना वेतन एवं पेंशन ढांचे के पुनरीक्षण का महत्वपूर्ण कदम है। इससे 49 लाख केन्द्र सरकार के कर्मचारियों तथा लगभग 65 लाख पेंशनधारियों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में लिए गए इस निर्णय में कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार तथा उपभोग बढ़ा कर आर्थिक गतिविधियों को गति देने का लक्ष्य समाहित है। आठवें वेतन आयोग को केन्द्र सरकार कर्मचारियों तथा पेंशनरों के वेतन, भत्ते और पेंशन संशोधन का लक्ष्य दिया जाएगा। इसके लिए संस्तुतियां करने से पहले केन्द्र और राज्य सरकारों तथा अन्य पक्षों से विचार-विमर्श किया जाएगा। आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। उनकी संस्तुतियां वर्तमान सातवें वेतन आयोग ढांचे का स्थान लेंगी जिसका कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है। ऐतिहासिक रूप से वेतन आयोगों का गठन हर दशक में मुद्रास्फीति, आर्थिक प्रगति तथा कर्मचारियों की बदलती वित्तीय आवश्यकताओं पर ध्यान देने के लिए किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है कि संशोधित वेतन ढांचा अतिरिक्त खर्च योग्य आय बढ़ा कर उपभोग को बढ़ावा देगा। वेतन और पेंशन बढ़ने से वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च बढ़ने की उम्मीद है जिससे खुदरा व्यापार, रियल इस्टेट व आटोमोबाइल क्षेत्रों में मांग बढ़ने की आशा की जाती है।

उपभोग में इस वृद्धि से उत्पादन और रोजगार में और वृद्धि होगी जिससे अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन का चक्र बनेगा। उम्मीद है कि आयोग की संस्तुतियों से केन्द्र सरकार के कर्मचारियों तथा पेंशनरों की आजीविका पर खर्च की समस्या संबोधित होगी तथा उनकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी। हालांकि, वेतन और पेंशन संशोधनों से अर्थव्यवस्था में तरलता बढ़ेगी, पर इससे सरकारी खजाने पर काफी बोझ भी बढ़ेगा। वेतन में बढ़ोत्तरी के कारण बजटीय व्यवस्थाओं में परिवर्तन की आवश्यकता हो सकती है जिसका प्रभाव ढांचागत संरचना तथा कल्याण जैसे अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ सकता है। हालांकि, सार्वजनिक उद्यम-पीएसयू तथा राज्य सरकार के कर्मचारी केन्द्रीय वेतन आयोगों के दायरे से बाहर होते हैं, पर आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां इनके लिए भी बेंचमार्क का काम कर सकती हैं। अनेक राज्य सरकारें तथा पीएसयू अपने वेतनमानों को केन्द्र सरकार के मानकों से जोड़ते हैं अत: इसका व्यापक प्रभाव सभी सार्वजनिक क्षेत्रों पर पड़ेगा। इसका अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। अतिरिक्त खर्च योग्य आमदनी से मांग बढ़ेगी जिससे खासकर आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं की मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। मुद्रास्फीति प्रबंधन के लिए संतुलित मौद्रिक नीति जरूरी होगी। इसके साथ ही केन्द्रीय वेतन आयोग के लाभों से पीएसयू कर्मचारियों व 'ग्रामीण डाक सेवकों' को अलग करने से ऐसे ही संशोधनों की मांग तेज होगी। इससे अशांति तथा राजनीतिक दबाव की स्थिति बन सकती है। वेतनों और पेंशनों पर खर्च बढ़ने से सरकार पूंजी-बहुल परियोजनाओं पर निवेश में कठिनाई का अनुभव कर सकती है, जिसका अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालीन प्रभाव हो सकता है। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां मांग और उत्पादन में बढ़ोत्तरी से उत्प्रेरक का काम कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी कैबिनेट को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल समाप्त होने के पहले ही आठवें वेतन आयोग की घोषणा कर दी, जबकि अतीत में कई बार कर्मचारी संगठनों को इसके लिए आंदोलन तक करने पड़े थे। आशा करनी चाहिए कि आठवें वेतन आयोग की संस्तुतियां अर्थव्यवस्था में प्रगति के साथ कर्मचारियों व पेंशनरों की समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान करेंगी।

आस्था और आधुनिकता का संगम

कुंभ मेला परंपरा और आधुनिकता का संगम है। यह खगोलीय परिघटना को धरती के त्योहारों से जोड़ता तथा उसके प्रति पूरे समुदाय में सकारात्मक भावना पैदा करता है।

राजदीप पाठक
(लेखक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति से संबद्ध हैं)

महान महा कुंभ मेला शुरू हो चुका है जो दुनिया का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक समागम है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस महान व पवित्र आयोजन के लिए पूरी तैयारी की है जो हर 12 साल बाद होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से इस आयोजन पर नजर रख रहे हैं। 13 जनवरी, 2025 से शुरू महा कुंभ में आश्चर्यजनक व असाधारण रूप से 45 करोड़ से अधिक लोगों के भाग लेने की आशा है। इस प्रकार महा कुंभ आयोजन में लगभग 450 मिलियन तीर्थयात्री, संत, संन्यासी, पर्यटक और श्रद्धालु आएंगे।

इस दैवी 'संगम' के केन्द्र में गंगा, यमुना व आध्यात्मिक सरस्वती नदियों का पवित्र संगम या त्रिवेणी है। करोड़ों भक्त यहां आध्यात्मिक पवित्रता तथा ईश्वर का आर्शीवाद प्राप्त करने के लिए पवित्र स्नान करते हैं। महा कुंभ आस्था, एकता और मानवता तथा दैवत्व के बीच सनातन संबंध का अनादि काल से प्रतीक बना हुआ है। इसका आधार पौराणिक व आध्यात्मिक इतिहास है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि ग्रहों के विशिष्ट संयोजन के अवसर पर यहां पवित्र स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है तथा मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। योग गुरु तथ वेदांत के प्रचारक स्वामी शिवानंद ने उचित ही कहा है कि 'कुंभ मेले में पवित्र स्नान केवल एक परंपरा न होकर ईश्वरीय शक्ति के समक्ष समर्पण है।' पौराणिक रूप से इससे 'समुद्र मंथन' की कथा जुड़ी है जो अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

प्राचीन ग्रंथों के अनुसार देवताओं और दानवों ने अमृत की तलाश में समुद्र का मंथन किया था। जब देवता अमृत कलश लेकर भाग रहे थे तब उसकी कुछ बूंदें चार स्थानों-हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन में गिरीं और ये स्थान भी पवित्र हो गए। इस प्रकार कुंभ मेले की परंपरा शुरू हुई। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में तुलनात्मक धर्म एवं भारतीय अध्ययनों की प्रोफेसर डायना इक के अनुसार, 'कुंभ मेला पौराणिकता और भूगोल को एकसाथ जोड़ने की भारतीय भावना का प्रतिनिधित्व करता है और इस प्रकार उसे बहुत पवित्र बना देता है।' कुंभ के संदर्भ ऋग्वेद, यर्जुवेद, सामवेद व अथर्ववेद के वैदिक पाठों में मिलते हैं। इसका संबंध ज्योतिषीय प्रतीक कुंभ से भी है। पहली शताब्दी ईस्वी में यूनानी विचारों में इसकी व्याख्या की गई है। 'मेला' का अर्थ लोगों के 'समूह' या उनके 'एकत्र होने' से है। प्राचीन हिंदू ग्रंथों में इसे सामुदायिक रूप से महत्वपूर्ण मेलों के रूप में परिभाषित किया गया है।

इस प्रकार कुंभ मेला का अर्थ 'जल या अमृत को केन्द्र में रख कर मनुष्यों के मिलन' से है। ऐतिहासिक रूप से कुंभ मेला का पहला रिकार्ड उल्लेख चीनी यात्री ह्वेनसांग के सातवीं शताब्दी में लिखे यात्रा विवरणों से मिलता है। ह्वेनसांग ने सम्राट हर्ष के शासनकाल की अनेक घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया था। सम्राट हर्षवर्धन का शासन 606 से 647 ईस्वी तक अधिकांश उत्तर भारत में था और उनके शासनकाल को तुलनात्मक रूप से शांति और समृद्धि वाले काल के रूप में किया जाता है। ह्वेनसांग ने प्रयाग में कुंभ मेला का वर्णन किया है जिसमें सम्राट हर्षवर्धन ने भाग लिया था।

पिछली शताब्दियों में यह त्योहार संन्यासियों के समागम से बढ़ कर एक विशाल आयोजन में बदल गया है जो करोड़ों लोगों को आकर्षित करता है। कुंभ मेला का ऐतिहासिक परिवर्तन इसकी दृढ़ता और परिवर्तनशीलता प्रकट करता है

कुंभ मेला का अर्थ 'जल या अमृत को केन्द्र में रख कर मनुष्यों के मिलन' से है। ऐतिहासिक रूप से कुंभ मेला का पहला रिकार्ड उल्लेख चीनी यात्री ह्वेनसांग के सातवीं शताब्दी में लिखे यात्रा विवरणों से मिलता है। ह्वेनसांग ने सम्राट हर्ष के शासनकाल की अनेक घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया था।

तथा आध्यात्मिक भावनाओं को सामाजिक परिवर्तनों से जोड़ता है। कुंभ मेले में बड़ी संख्या में संत, संन्यासी और आध्यात्मिक गुरु एकत्र होते हैं जो जनता को दिशानिर्देश देते हैं। सनातन धर्म को मजबूत बनाए रखने में विभिन्न अखाड़ों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान है। भगवा वस्त्र पहले या भभूत लगाए संत भौतिक इच्छाओं के त्याग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रकार उनका पवित्र संगम में स्नान गहरे आध्यात्मिक अर्थ वाला है। यह अपने पाप और अहंकार धो डालने तथा स्वच्छ आध्यात्मिक शुरुआत का प्रतीक है। इतिहासकार विलियम डेलीरिम्पल ने लिखा था, 'कुभ मेले में एकत्र संत भारत की अनादि और अनन्त आध्यात्मिक विरासत के संरक्षक हैं।'

कुंभ मेला बड़ी खूबसूरती से धर्म और विज्ञान का मेल कराता है। इसका समय सटीक खगोलीय गणना से निर्धारित होता है जो हिंदू नक्षत्र-विज्ञान का महत्व प्रकट करता है। जब वृहस्पति कुभ में प्रवेश करता है और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तब ग्रहीय व्यवस्था एक शुभ समय का संकेत देती है जिसका आध्यात्मिक संबंध है। यह पवित्र त्योहार ग्रहीय परिघटना को धरती के त्योहार से जोड़ता है। इससे ब्रह्मांड तथा मानवीय आध्यात्मिकता में गहन संबंध स्पष्ट होता है। आर्यभट्ट ने ग्रह-नक्षत्रों के बारे में अपने प्रख्यात अध्ययन में इस ग्रहीय परिघटना का उल्लेख किया है जिसमें ग्रहों की गति तथा ग्रहणों का विवरण शामिल है। इस प्रकार अनेक ग्रहों-नक्षत्रों की गति कुंभ के समय को प्रभावित करती है।

कुंभ मेला विभिन्न संस्कृतियों, दर्शनों तथा मानव समूहों के मिलन का अवसर भी है। यहां आने वालों में दुनिया त्याग चुके संन्यासियों के साथ आम लोग और विदेशों के अनेक लोग शामिल हैं। यह विविधता आध्यात्कि खोज की सर्व-व्यापकता का प्रतिनिधित्व करती है। समाजविज्ञानी सुधीर कक्कड़ ने एक बार लिखा था, 'कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन न हो कर मनुष्यों के परस्पर संबंधों और जुड़ाव का महान आयोजन है।' मेले में विभिन्न विचारों, कर्मकांडों और दर्शनों का आदान-प्रदान एक उल्लेखनीय वैश्विक एकता का प्रतीक बन जाता है।

करोड़ों लोगों के समागम वाले कुंभ मेले के लिए व्यापक तैयारियों की जरूरत होती है। इसमें अनेक अद्यतन तकनीकों का प्रयोग किया जाता है जिनमें एआई-संचालित भीड़ प्रबंधन व्यवस्थायें, सुरक्षा के लिए ड्रोनों से निगरानी तथा चिकित्सकीय आपातस्थितियों से निबटने के लिए मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिकें भी शामिल हैं। मोबाइल एपों व लाइव-स्ट्रीमिंग सेवाओं से सहज संचार और दुनिया भर से श्रद्धालुओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है। 2025 का कुंभ मेला 800 हेक्टर क्षेत्र में फैला है जहां रोज पांच लाख वाहनों के लिए 101 स्मार्ट पार्किंग व्यवस्थायें तथा श्रद्धालुओं के लिए 1.8 लाख टेंटों की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार चुनौतियों के बावजूद महा कुंभ मेले में परंपराओं और आधुनिकता का सहज संगम हो रहा है।

हमारे कर्म देते हैं जीवन को आकार

जीवन और मृत्यु नवीनीकरण के एक शाश्वत चक्र में गुंथे हुए हैं, जो आत्मा को विकास के अवसर प्रदान करते हैं।

अजीत कुमार बिश्नोई
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हम सभी को कर्मफलों के बारे में पता होना चाहिए। ये हमारे द्वारा अतीत में मन, वचन और शरीर से किए गए अच्छे और बुरे कर्मों के परिणाम हैं। मैंने मन का उल्लेख शरीर से अलग करके किया है क्योंकि मन द्वारा किए गए कर्म सूक्ष्म होते हैं। और वे काफी घातक हो सकते हैं। मानसिक रोग क्या है? आपने सही अनुमान लगाया है; यह हमारे मन के कारण होता है।

इसी तरह, शब्द भी कम खतरनाक नहीं हैं। हाँ, शब्द बहुत घातक हो सकते हैं, जैसा कि हम सभी ने अनुभव किया है, जब हम मूर्खतापूर्ण बात करने का विकल्प चुनते हैं। और ये बुरे कर्मफल किसी भी उम्र में प्रकट हो सकते हैं लेकिन बुढ़ापे में ये सबसे अधिक नुकसान पहुँचाते हैं जब हम कमज़ोर होते हैं और हमारे पास ज़्यादा विकल्प नहीं होते।

यह तब होता है जब कोई व्यक्ति अपनी बदकिस्मती पर विलाप करता है और उसके लिए सहानुभूति रखने वाले बहुत कम होते हैं। क्या हम उम्र बढ़ने के साथ खत्म नहीं हो जाते? यह लेख बताता है कि हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं। आखिरकार हम इतने असहाय नहीं हैं। पहला कदम इसी क्षण से सभी बुरे काम करना बंद करना है। और हम जानते हैं कि ये क्या हैं। सभी अच्छे काम करके हमारे अंदर अच्छाई बढ़नी चाहिए।

हमें मधुरता से बोलना चाहिए; हमें अच्छे कार्यक्रमों को देखना चाहिए; हमें अच्छे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए; इत्यादि। इससे हम अपने वर्तमान कार्यों के बुरे प्रभावों से बचेंगे। नियंत्रक मानसिकता पर अंकुश लगाया जाना चाहिए; हमें यथार्थवादी बनना चाहिए क्योंकि नियंत्रक केवल एक ही है और वह है ईश्वर। यदि ऐसा नहीं होता तो हम

जो चाहें प्राप्त कर लेते, जो शायद ही कभी होता है। अहंकार पर अंकुश लगाया जाना चाहिए क्योंकि केवल एक ही श्रेष्ठ सत्ता है, जो ईश्वर है। हम जीवन भर अपनी श्रेष्ठता साबित करने की कोशिश करते हैं और क्या होता है? हम दूसरों के बीच बहुत अलोकप्रिय हो जाते हैं, खासकर अपने परिवार के सदस्यों के बीच, जिनकी हमें बुढ़ापे में बहुत ज़रूरत होती है। आध्यात्मिक अभ्यास सही ईमानदारी से शुरू किए जाने चाहिए। यदि हम यह महसूस कर लें कि हम आत्मा हैं, ईश्वर के अंश हैं, तो वे बहुत सार्थक होंगे। क्या अंशों को समग्र पर निर्भर नहीं होना चाहिए? क्या हमें ईश्वर के प्रति सम्मान नहीं होना चाहिए, जैसा कि एक बेटे को अपने पिता के प्रति होना चाहिए? जब कोई हमारा कुछ उपकार करता है तो क्या हम उसका धन्यवाद नहीं करते? ईश्वर हमेशा हम पर बहुत उपकार करता है। सबसे पहले, उन्होंने सूर्य का प्रकाश, जल, ऑक्सीजन युक्त वायु आदि सभी आवश्यक वस्तुएँ नि:शुल्क प्रदान की हैं।

अंत में भगवान को सहायता करनी ही पड़ती है, क्योंकि भाग्य को कोई और नहीं बदल सकता। वे भी नहीं करते, लेकिन बुरे कर्मफलों से निपटने में सहायता करते हैं; हमारा अंत बुरा नहीं होगा। (9.31) यह बहुत बड़ी कृपा है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उनकी दया, जो हमें हमारे अच्छे कर्मफलों से बचाती है, जब हम स्वयं को बुरी तरह चोट पहुँचाने की सबसे अधिक संभावना रखते हैं। क्योंकि अच्छे समय को सहन करना कठिन है। और भगवान और केवल भगवान ही हमारे स्वभाव को सुधारने में सहायता कर सकते हैं, जो हमारे भाग्य का भी हिस्सा है।

क्या हमारा स्वभाव हमें बार-बार निराश नहीं करता? हम देखते हैं कि लोग क्रोध, वासना, ईर्ष्या आदि से खुद को नष्ट कर रहे हैं। भगवान हमें मूर्खतापूर्ण कार्यों से बचाते हैं, यदि हम उनकी शरण में रहें। मैं अपने बुढ़ापे में जब मैं पहले से ही कमजोर हूँ, तब दुर्भाग्य की संभावना से बहुत डरता हूँ। भगवान को मेरी रक्षा करनी ही होगी।

मैं कोई जोखिम नहीं उठा रहा हूँ; मैंने भगवान की शरण ली है। केवल भगवान ही मदद कर सकते हैं, क्योंकि वे स्वामी और नियंत्रक हैं। भगवान हस्तक्षेप कर सकते हैं और भगवान अपने भक्तों के लिए ऐसा करते भी हैं। (भगवद गीता 18.58) क्या इससे हमें शांति नहीं मिलेगी? इससे मैं धीरे-धीरे शांत हो गया हूँ क्योंकि मेरी आध्यात्मिक साधनाओं से भगवान के साथ मेरा संबंध मजबूत होता जा रहा है। कृपया जोखिम न लें।

आप की बात

कुंभ मेले में आग

महोदय, प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना ने एक बार फिर से कुंभ की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं। यह घटना शास्त्री पुल और रेलवे पुल के बीच इलाके में हुई, जो मेला क्षेत्र में आता है। बताया जा रहा है कि खाना बनाने के दौरान सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ, जिससे आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते 20-25 टेंट जलकर खाक हो गए। यह घटना कुंभ की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। यदि यही घटना पर्व स्नान के वक्त होती तो दमकलों का घटना स्थल पहुंचना ही मुश्किल होता। कुंभ मेले में लाखों-करोड़ों लोग आते हैं और ऐसी घटना से बड़ा हादसा हो सकता था। कुंभ की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सरकार और प्रशासन ने भरपूर व्यवस्था की थी, लेकिन फिर भी यह घटना हुई। यह घटना यह दर्शाती है कि सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कुछ कमियां हैं। कुंभ की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सरकार और प्रशासन को और अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके अलावा, कुंभ की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सरकार और प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि मेले में आने वाले लोगों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाए। उन्हें यह बताया जाए कि वे अपनी सुरक्षा के लिए क्या कर सकते हैं।

– **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

किसान आंदोलन का सच

कैसी विडम्बना है कि तथाकथित किसान आन्दोलन जिसके कारण एक मुख्य राजमार्ग बाधित होने से जनसामान्य, व्यापारियों, कर्मचारियों को इतनी भीषण समस्या है और दूसरी ओर उन अराजक तत्वों का आतंक जो स्वयं को किसानों का प्रतिनिधि कह कर ऐसी मांगों को अपना अधिकार मान कर मनवाने पर अड़े हैं जो असम्भव हैं, के समाधान के लिए विपक्षी राजनैतिक दल और सुप्रीम कोर्ट ने इन अराजक व आतंकी तत्वों को आश्रय दिया है और मार्ग बाधित होने के समाज को होने वाली क्षति के प्रति उदासीनता का भाव । सुप्रीम कोर्ट चिंतित है अनशनकारी किसान नेता के स्वास्थ्य के प्रति किन्तु उसकी ज्ञानेंद्रियां मार्गबाधा के कारण असंख्य जनसामान्य की पीड़ा के प्रति निष्क्रिय। क्या डल्लेवाल का जीवन शेष भारत के नागरिकों से अधिक महत्वपूर्ण है ? क्या सरकारों अथवा सुप्रीम कोर्ट को इस प्रकार के अनुचित दबाव में आकर नीतिगत निर्णय करने चाहिएं ? होना ये चाहिए कि इन्हें स्पष्ट शब्दों में राजमार्ग खाली करने का आदेश दिया जाना चाहिए, वार्ता यदि कोई हो तो उसके बाद । यदि पंजाब सरकार इन्हें नहीं हटाती तो पंजाब में केन्द्रीय शासन लगा कर राजमार्ग खाली कराने चाहिएं, शेष सभी कुछ बाद में।

– **जय प्रकाश गुप्ता,** अंबाला छावनी

महत्वपूर्ण कदम

आठवें वेतन आयोग की नियुक्ति घोषणा के साथ ही, सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवाओं की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह आयोग सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में संशोधन की सिफारिशें करेगा, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर की अधिकतम रेंज के तहत न्यूनतम सैलरी 26, 000 रुपये हो जाएगी. कर्मचारी यूनियन और बाकी संगठन आठवें वेतन आयोग में इसे 2.86 से 3 के बीच रखने की मांग कर रहे हैं. यह मांग मानी गई तो सैलरी में 180त्न बढ़ोतरी होगी. रिपोर्ट्स के अनुसार, आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम आधार वेतन को बढ़ाकर 34,650 रुपये किया जा सकता है, जो कि सातवें वेतन आयोग में 17,990 रुपये है. वहीं, पेंशन को 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,280 रुपये किया जा सकता है. इससे सरकार पर भारी आर्थिक बोझ बढ़ेगा। सरकारी सेवाओं के प्रति युवाओं के आकर्षण का कारण पर्याप्त तनख्वाह और सुविधाओं के साथ-साथ आराम से काम करने का माहौल है। इसके अलावा, सरकारी नौकरियों में ऊपरी आमदनी भी भरपूर होती है। लेकिन, प्राइवेट सेक्टर की तनख्वाह, काम और कार्य समय की तुलना में सरकारी नौकरियों में वेतन और सुविधाएं अधिक होती हैं। आठवें वेतन आयोग के लागू होने से कई महत्वपूर्ण प्रभाव देखने को मिलेंगे।

– **विभुक्ति बुपक्या,** खाचरोद

संयम बरतें राहुल

लगातार कांग्रेस की फजीहत के बाद भी पार्टी नेता उलजलूल बयानबाजी से बाज नही आ रहे है।अपने बयानों से किरकिरी झेलते राहुल गांधी ने एक बार फिर संघ, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को देश के लिए कब्जाधारी संस्था बताया है। भाजपा और संघ ही नहीं बल्कि इंडियन स्टेट से भी दो-दो हाथ करने पर मजबुर दिखते राहुल इस बयान को लेकर सवालों के घेरे में है। राहुल यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि उनके इंडियन स्टेट का आखिर दायरा क्या है? सरकार से विरोध उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर इसे भारतीय राजव्यवस्था से संघर्ष में उनके अस्पष्ट आशय से जोड़ा जाए तो उसका गंभीर अर्थ एक अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसा लगता है संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान को समझने में राहुल संदर्भित विषय से भटक जाते है और वे अर्थ का भी अनर्थ कर देते है।कितना अच्छा हो कि राहुल अपनी सोच में गंभीरता लाए और भाषा संयम से तथ्यों का विश्लेषण करें इससे उनकी विपक्ष के नेता की भूमिका के साथ भी न्याय होगा। राहुल के आधारहीन आरोप खुद की संकीर्ण मानसिकता और विषयक अधुरे ज्ञान का उदाहरण है।

– **अमृतलाल मारू,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी 2025

स्वच्छता और सुरक्षा की व्यवस्था और पुख्ता बनाएं: मुख्यमंत्री

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री सहित अनेक गणमान्य जनों का प्रयागराज आगमन है प्रस्तावित
- 22 जनवरी को प्रयागराज में होगी प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक

लखनऊ/महाकुम्भ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी गणतंत्र दिवस, मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी के अवसर पर महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन और संचार तंत्र को और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी के अवसर पर अमृत स्नान के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता चाहिए। भीड़ प्रबंधन की दृष्टि से इन विशेष दिवसों पर पांटून पुल पर आवागमन वन-वे रखा जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी के अवसर पर पूरे मेला क्षेत्र को नो व्हीकल ज़ोन घोषित किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं की आस्था का पूरा सम्मान होना चाहिए। जिसे भी किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो, व्यवस्था में लगे लोग आगे बढ़कर मदद करें।

रविवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने पहले मेला क्षेत्र का भ्रमण किया और फिर अधिकारियों के साथ बैठक कर आगे की व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी दिनों में राष्ट्रपति जी उपराष्ट्रपति जी, प्रधानमंत्री जी और केंद्रीय गृह मंत्री जी सहित अनेक गणमान्य जनों का प्रयागराज में आगमन प्रस्तावित है। 22 जनवरी को प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक भी यहां होगी। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां समय से कर ली जानी चाहिए। आइसीसीसी सभागार में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान स्थिति के अनुसार मेला परिसर में लगभग डेढ़ करोड़ श्रद्धालु उपस्थित हैं। अब तक 07 करोड़ से अधिक लोग त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पौषपूर्णिमा और मकर संक्रांति पर आस्था का जन समुद्र उमड़ा था, यह सुखद रहा कि हर आगंतुक श्रद्धालु संतुष्ट होकर यहां से गया। अब आगामी मौनी अमावस्या के मौके पर 08-10 करोड़ लोगों के आगमन का अनुमान है। इससे पहले गणतंत्र दिवस पर भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन होगा। ऐसे में लोगों की सुविधा और सुरक्षा के दृष्टिगत पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। बिजली और पेयजल आपूर्ति हो, शौचालय और उसकी सफाई हो, पांटून पुलों का अनुरक्षण हो, अथवा भीड़ के मूवमेंट की रणनीति, हर एक बिंदु पर अच्छी तैयारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात प्रबंधन/गाड़ियों की पार्किंग के बारे में लगातार प्रचार-प्रसार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मेलाक्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की भी जरूरत बताई। मीडिया और पुलिस हो या आम श्रद्धालु, मोबाइल नेटवर्क की जरूरत सभी को पड़ती है। मौनी अमावस्या के दृष्टिगत टॉवर क्षमता और कवरेज को और बेहतर किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी के अवसर पर प्रयास करें कि जो लोग जिस ओर से आ रहे हैं, वहीं के निकटस्थ घाट पर स्नान कर सकें। उन्होंने स्नानार्थियों को कम से कम पैदल चलने के लिए आवश्यक प्रबंध के निर्देश दिये। रेलवे के अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुव्यवस्था बनाने में रेलवे की बड़ी भूमिका है। मकर संक्रांति का अनुभव सभी ने किया है। स्नान के बाद श्रद्धालु अपने गंतव्य जाना चाहता है इसलिए मेला स्पेशल ट्रेनें पूरे दिन चलाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूटीन गाड़ियों और मेला स्पेशल ट्रेनों के लिए अलग-अलग रेलवे स्टेशन हों तो बेहतर होगा। रूटीन ट्रेनों को यथासंभव निरस्त अथवा डाइवर्ट करके चलाना उचित होगा। रेलवे को आगामी 25 जनवरी से 05 फरवरी तक के लिए पूरी सतर्कता के साथ विशेष प्रबंध करने होंगे। ट्रेनों के आवागमन, प्लेटफॉर्म संख्या आदि के बारे में लगातार एनाउंसमेंट किया जाता रहे। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित करें कि गाड़ियों के आवागमन के लिए एक बार घोषित प्लेटफार्म संख्या में बदलाव न हो।

रेलवे अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि मौनी अमावस्या पर 200 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाये जाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम को शटल बसों की संख्या बढ़ाने और उनके लगातार चलाने के भी निर्देश दिए। विभिन्न सेक्टरों में अवस्थापना व अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागवाल से संबंधित सेक्टरों में पेयजल आपूर्ति, शौचालय की व्यवस्था को बेहतर करने की जरूरत है। कल्पवासियों को कोई समस्या न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल खोया पाया केंद्र के सुचारु संचालन में स्थानीय संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में अलग लग स्थानों पर अलाव जलाने के भी निर्देश दिये, साथ ही कहा कि घाटों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। जल पुलिस, गंगा दूत एक्टिव रहें।

महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/महाकुम्भ नगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज दौरे पर मौनी अमावस्या से पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के बाद पत्रकारों के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ आ रहे हैं। तमाम विदेशी श्रद्धालु भी संगम में स्नान कर अभिभूत नजर आ रहे थे। यूरोप से जुड़े कुछ पर्यटक मिलने आए थे और प्रयागराज की महिमा का जिस भाव से गान कर रहे थे, वह अभिभूत करने वाला था। वो हिंदी नहीं जानते, संस्कृत नहीं जानते, लेकिन हिंदी की चौपाई, संस्कृत के मंत्रों, अवधी की चौपाइयों को और सनातन धर्म से जुड़े स्त्रोत और मंत्रों को सस्वर गा रहे थे। मां गंगा और यहां के धामों के प्रति एक श्रद्धा का भाव उनमें देखने को मिल रहा था। यही तो प्रधानमंत्री जी का संदेश है। महाकुम्भ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा यह देश। एकता और अखंडता के संदेश के साथ हम सभी जुड़ रहे हैं।

सीएम योगी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महाकुम्भ का आयोजन जिसके लिए प्रयागराज जाना जाता है, पूरी भव्यता के साथ आयोजित हो रहा है। महाकुम्भ के लिए प्रधानमंत्री जी ने जो विजन दिया है उसको स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए सभी लोग पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। इसके लिए आप सभी को धन्यवाद दूंगा कि प्रयागराज की छवि को एक सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने का कार्य किया है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के मुख्य स्नान संपन्न हो चुके हैं और अब मौनी अमावस्या 29 जनवरी और बसंत पंचमी 3 फरवरी को दो बड़े महास्नान होने हैं जो इस महाकुम्भ की शोभा भी हैं। 7 हजार से अधिक संस्थाएं अब तक यहां पर आ चुकी हैं। आज पूरे महाकुम्भ एरिया का एरियल सर्वे किया है। प्रात काल से संगम तट पर स्नान करने वालों और यहां रहने वाले कल्पवासियों के साथ ही अन्य संस्थाओं से जुड़े हुए लोगों की पूरी संख्या को यदि देखेंगे तो लगभग एक करोड़ से अधिक लोग यहां मौजूद हैं। इतनी बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरी तत्परता से यहां पर केंद्र और राज्य के सभी विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। भव्य, दिव्य और डिजिटल कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के साथ ही श्रद्धालुओं की आस्था को सम्मान देते हुए आधुनिकता के साथ जोड़ने का कार्य हो रहा है।

सकुशल संपन्न होंगे महास्नान

सीएम योगी ने कहा कि इन्हीं सब मुद्दों को देखने के लिए बीच में यहां पर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेट्री, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को यहां भेजा था। आज एक बार फिर हमने यह जानने की कोशिश की कि हम कितना कुछ आगे बढ़े हैं। 29 जनवरी और 3 फरवरी के महास्नान को ध्यान में रखते हुए पूरी व्यवस्था का अवलोकन किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि भगवान प्रयागराज और मां गंगा की कृपा से हम लोग यहां पर इन दोनों स्नानों को सकुशल संपन्न करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और गृहमंत्री जी का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी इस समय महाकुम्भ के आयोजन से जुड़े हुए हैं। तमाम राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्रीगण लगातार यहां आ रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय से जुड़े हुए न्यायमूर्ति और विभिन्न राज्यों से जुड़े हुए जनप्रतिनिधिगण भी लगातार यहां आकर स्नान कर रहे हैं। लाखों की संख्या में संतों, कल्पवासियों की उपस्थिति वर्तमान में प्रयागराज में है। अनेक धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। चाहे देशी हो या विदेशी, सभी संगम में स्नान कर अभिभूत हो रहे हैं। सीएम ने कहा कि मकर संक्रांति और पौष पूर्णिमा के दिन हमें यह सौभाग्य नहीं मिल सका कि हम भी यहां स्नान कर सकें, क्योंकि हम लोगों ने खुद को प्रतिबंधित कर रखा था। केवल संतों और श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा थी। जो भी यहां आया, उन्होंने आपके माध्यम से जो भी बातें कहीं और खासतौर पर संतों और श्रद्धालुओं की भावना को हम सभी ने जाना।

प्रदेश में प्राथमिकता पर निपटाए जा रहे हैं भू-राजस्व के मामले

- वाद निपटारे में श्रावस्ती ने मारी बाजी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश में प्राथमिकता के आधार पर भू राजस्व संबंधी वादों का निस्तारण किया जा रहा है। यही वजह है कि प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों में भू राजस्व संबंधी वादों के मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है। सीएम के निर्देश पर हर माह भू राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण की जिले की रैंकिंग जारी की जाती है। दिसंबर माह की रिपोर्ट में भू राजस्व वादों के निस्तारण में पूरे प्रदेश में श्रावस्ती ने पहला स्थान प्राप्त किया है। श्रावस्ती को यह स्थान धारा-67 एवं धारा-116 के कुल वादों के सापेक्ष लंबित विचाराधीन वादों के निस्तारण में मिला है।

श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप भू राजस्व संबंधी वादों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का अभियान चलाया जा रहा है। श्रावस्ती ने दिसंबर में धारा-116 के तहत कुल योजित मामलों के सापेक्ष लंबित विचाराधीन वादों का निस्तारण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि मैनपुरी ने दूसरा, हापुड़ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह 5 वर्ष से अधिक अवधि के लंबित मामलों के निस्तारण में श्रावस्ती के साथ मैनपुरी, हापुड़ आदि ने बाजी मारी है। धारा-67 के तहत कुल योजित वादों के सापेक्ष लंबित विचाराधीन वादों का निस्तारण कर श्रावस्ती ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है महोबा ने दूसरा और मुरादाबाद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। 5 वर्ष से अधिक अवधि के लंबित मामलों के निस्तारण में श्रावस्ती के साथ हापुड़ और हाथरस का शानदार प्रदर्शन रहा है।

श्रावस्ती ने भू राजस्व की विभिन्न धाराओं के तहत लंबित मामलों के निस्तारण में टॉप 10 में अपनी जगह बनायी है। इनमें धारा-34 के तहत कुल योजित वादों के सापेक्ष लंबित विचाराधीन वादों के निस्तारण में श्रावस्ती ने प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त किया है जबकि पहले स्थान पर शामली, दूसरे पर महोबा और तीसरे पर हमीरपुर है। 5 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित वादों के निस्तारण में भी श्रावस्ती टॉप टेन में शामिल है। कुल न्यायालयों के सापेक्ष में लंबित वादों का प्रति न्यायालय औसत में श्रावस्ती सातवें पायदान पर रहा है जबकि पहले स्थान पर गाजीपुर, दूसरे स्थान पर प्रतापगढ़ और तीसरे स्थान पर बलिया हैं। सीएम की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि प्रदेश में भू राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे की दर में तेज़ी आई है। ऐसे में लोगों को त्वरित न्याय मिलने से उनका प्रशासन पर विश्वास बढ़ा है।

इटली के प्रतिनिधि मंडल ने सीएम से की मुलाकात

- रामायण की चौपाई और शिव तांडव की दी प्रस्तुति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी से रविवार को इटली से आए एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। प्रयागराज महाकुम्भ से लौटीं इटली की महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रामायण की चौपाई, शिव तांडव और कई भजनों की प्रस्तुतियां दीं। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस दौरान सभी ने अपने अनुभव भी साझा किये। बता दें कि इटली में ध्यान एवं योग सेंटर के संस्थापक एवं प्रशिक्षक माही गुरु के नेतृत्व में उनके अनुयायियों ने सीएम से शिष्टाचार भेंट की।

प्रयागराज महाकुम्भ का आयोजन न केवल भारतीयों बल्कि विदेशी मेहमानों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे में इटली से आए एक प्रतिनिधि मंडल ने संगम में पवित्र स्नान किया और भारतीय परंपराओं को गहराई से अनुभव किया। प्रतिनिधि मंडल की महिलाओं ने महाकुंभ में नागा साधुओं, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा बनकर आध्यात्मिक अनुभव हासिल किया। महाकुंभ से लौटने के बाद प्रतिनिधि मंडल की महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं ने बताया कि महाकुम्भ का आयोजन न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रदर्शन भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई मुलाकात के दौरान इटली से आई महिलाओं ने रामायण की चौपाई, शिव तांडव और कई भजन प्रस्तुत किये। महिलाओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति की गहराई और इसकी आध्यात्मिकता ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है।

पर्यटन विभाग महाकुंभ में भव्य ड्रोन शो का करेगा आयोजन

- 24 जनवरी को उप्र दिवस, 25 को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस तथा 26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रसंगों को लेकर ड्रोन शो की थीम तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन विभाग द्वारा विश्व के सबसे बड़े आस्था के समागम प्रयागराज में व विशेष महाड्रोन शो का आयोजन किया जायेगा। त्रिवेणी संगम के आकाश में मेक-इन-इंडिया ड्रोन पेश करेंगे परम्परा और तकनीकी का अनूठा संगम। ड्रोन शो के माध्यम से महाकुम्भ की अध्यात्मिक कथा को एक नूतन और अनोखे रूप में प्रस्तुत किया जायेगा। यह ड्रोन शो 24, 25 व 26 जनवरी को आयोजित होगा, इसके लिए अलग-अलग थीम का चयन किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि महाड्रोन शो के अंतर्गत 24 जनवरी को उ0प्र0 दिवस, 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस तथा 26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर शो आयोजित किये जायेगे। इसके अलावा ड्रोन शो के अंतर्गत समुद्र मंथन की भव्य कथा, जिसमें 14 रत्न उत्पन्न हुए थे के प्रसंग को भी दिखाया जायेगा। इसके अलावा भगवान शिव का शौर्य, जिन्होंने संसार को बचाने के लिए विष पी लिया था। अन्य प्रसंग में कुम्भ कलश जिसकी दिव्य बूंदे गिरने से महाकुम्भ की शुरूआत हुई थी। इसके साथ ही ऊँ का पवित्र जाप, जो वातावरण में दिव्य शक्ति का संचार करेगा।

जयवीर सिंह ने बताया कि ड्रोन शो की तीन दिन की अवधि के दौरान 2500 ड्रोन विभिन्न धार्मिक एवं प्रासंगिक चित्र प्रस्तुत करेगे। उ0प्र0 दिवस के अवसर पर शाम को ड्रोन शो नि:शुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले मेला क्षेत्र के 2000 हेक्टेयर की परिधि में आने वाले श्रद्धालुओं को दिखाई देगा। इस ड्रोन शो के माध्यम से महाकुम्भ के आकाश में विहंगम दृश्य देखने को मिलेगे। पर्यटन विभाग ने ड्रोन शो के लिए लगभग पूरी तैयारियां कर ली। ड्रोन शो के माध्यम से महाकुम्भ को दिव्य एवं भव्य बनाने की तैयारी है। श्रद्धालु महाकुम्भ की शुरूआत से लेकर नये भारत के मेक-इन-इंडिया ड्रोन्स का आनंद उठा सकेंगे।

प्रदेश में जीएसटी की ब्याज एवं अर्थदंड माफ योजना 31 मार्च तक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार राज्य कर विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा भारत सरकार की जीएसटी की ब्याज एवं अर्थदंड माफ करने संबंधी योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का लाभ सभी व्यापारियों एवं सेवा प्रदाताओं तथा लघु छोटे मध्य एवं बड़े उद्योग उद्यमी उठा सकते हैं । यह योजना व्यापारियों को राहत देने के लिए ही संचालित की गयी है। यह जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव राज्य कर श्री एम देवराज ने आज बताया कि उत्तर प्रदेश में कार्यरत व्यापारियों एवं सेवा प्रदाताओं को ब्याज में छूट देने संबंधी प्रावधान के तहत वर्ष 2017-2018, 2018-19 एवं 2019-2020 की माल एवं सेवा का जमा करने पर ब्याज एवं अर्थदंड माफ किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि यह योजना 31 मार्च 2025 तक लागू है। उन्होंने सभी करदाताओं से भारत सरकार की इस योजना का लाभ तत्काल लेने का आग्रह किया।करदाता इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य कर विभाग के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

प्रमुख सचिव जीएसटी ने बताया कि लगभग 1.84 लाख करदाताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा एवं सरकारी राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य भी प्राप्त होगा। संबंधित करदाताओं को विभाग द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य कर विभाग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सरकार व्यापारियों के हितों के लिए कटिबद्ध है। उनको किसी भी प्रकार से क्षति नहीं होने देगी। इसके लिए राज्य कर विभाग पूरे तत्परता से कार्य कर रहा है। सभी करदाताओं के हितों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने सभी करदाताओं से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

भाजपा सरकार में अपराधी बेखौफ हैं: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में अपराधी बेखौफ है। हत्या, लूट समेत अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश में हर दिन अपराध की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। कानून व्यवस्था पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा झूठा साबित हो चुका है। अपराधी भी समझ गये है कि मुख्यमंत्री को राज्य की कानून-व्यवस्था से कोई वास्ता नहीं है। पूरा प्रशासन इन दिनों पर्यटन पर है। कैबिनेट के मंत्री भी राजधानी से बाहर जाने वाले है। अपराधियों की चांदी है। इन दिनों वही ढूंढ़ रहे है कि सरकार कहां है?

प्रदेश में हर दिन सैकड़ों अपराधिक घटनाएं हो रही है। भाजपा सरकार ने राज्य को अपराध का गढ़ बना दिया है। हर दिन महिलाओं और बच्चियों को अपमानित और प्रताड़ित करने वाली घटनाओं से लोग आतंकित और आक्रोशित हैं। भाजपा सरकार के सारे दावे झूठे हैं। पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम है।

पुलिस अपराधियों को पकड़ने के बजाए भाजपा के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए काम कर रही है। पुलिस का काम विपक्ष खास कर समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर उन्हें परेशान करने का है। भाजपा नेताओं के दबाव में पुलिस निर्दोषों को फंसाने का काम कर रही है। अन्याय और अत्याचार चरम पर है। जब तक पुलिस निष्पक्ष होकर कार्य नहीं करेगी तब तक अपराध नहीं रूकेगा। पुलिस की कार्यप्रणाली से जनता का भरोसा खत्म हो चुका है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश अपराध के मामले में देश में सबसे ऊपर है। महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं सबसे ज्यादा हो रही है। पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में भाजपा सरकार यूपी को नम्बर एक पर पहुंचा दिया है। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। थाने भ्रष्टाचार के अड्डे हो गये हैं। जनता परेशान और त्रस्त है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को हरा कर राज्य को बीजेपी के जंगलराज से मुक्त करने का इरादा बना चुकी है।

आचार संहिता का पालन करते हुए चुनाव लड़ें उम्मीदवार

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को दिल्ली विधानसभा आमचुनाव को लेकर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व अन्य ज़िम्मेदार लोगों के साथ बैठक में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। ुनाव आयोग से पूर्ण स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के सम्बंध में हर संभव सख्त और प्रभावी कार्रवाई करने की भी माँग की। दिल्ली विधानसभा आमचुनाव भी जनहित एवं जनकल्याण के ठोस और वास्तविक मुद्दों पर लड़े जाने के बजाय धनबल व बाहुबल तथा रेवड़ी बाँटने के वादों आदि के पुराने गलत ढर्रे पर ही लड़े जाने तथा इस सम्बंध में चुनाव आयोग से सख्ती की जरूरत पर बल देते हुए लोगों से भी अपील की गयी। वे चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात जैसी कहावत आप, बीजेपी व कांग्रेस पार्टी के वादे पर अब और आगे भरोसा करके अपने हित, सुरक्षा व भविष्य के साथ खिलवाड़ ना करें। सभी लोग बहुत सोच-समझ कर वोट करें तो बेहतर और इसको

लेकर आरक्षण आदि की गारण्टी तथा बहुजनों को अपने पैरों पर खड़ा करने की मिशन वाली अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी पर ही भरोसा करने की अपील की गयी।

मायावती ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के कारण यहाँ के करोड़ों लोगों के बेहतर जान-माल और मज़हब की सुरक्षा के साथ-साथ रोटी-रोजी की व्यवस्था भी बेहतर होनी व दिखनी चाहिए, ऐसा अब तक ना होना अतिचिन्तनीय। दिल्ली व देश के विकास के लिए अपना खून-पसीना देने वाले यूपी और बिहार आदि राज्यों के मेहनतकश लोगों के प्रति हीन भावना तथा उन्हें अपमानित करने की प्रवृति अति-दुखद, जिस पर राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ चुनाव आयोग द्वारा भी सख्त कार्रवाई करके लगाम लगाना बहुत ज़रूरी है।

ऐसे दूषित और आरोप-प्रत्यारोप से भरे चुनावी माहौल के बावजूद मायावती ने दिल्ली विधानसभा का आमचुनाव अकेले अपने पार्टी के बलबूते पर लड़ रहे बीएसपी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व अन्य ज़िम्मेदार लोगों एवं उम्मीद्वारों को भी यह हिदायत दी। वे पार्टी की सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति एवं सिद्धान्तों तथा उसको लेकर यूपी में चार बार रही पार्टी की सरकार द्वारा जनहित व जनकल्याण के साथ ही अपराध-नियंत्रण व कानून-व्यवस्था के मामले में कानून द्वारा कानून का राज स्थापित करने जैसे ठोस मुद्दो पर चुनाव आचार संहिता का पूरी तरह से अनुपालन करते हुए चुनाव लड़ें।

सनातन के ध्वज वाहक अखाड़ों में नारी सशक्तीकरण का साक्षी बना महाकुम्भ

लखनऊ/महाकुम्भ नगर। सनातन की शक्ति है महाकुम्भ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुम्भ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले इन अखाड़ों में फिर नागा संन्यासियों बनाने का सिलसिला चल रहा है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें भी नारी शक्ति की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। प्रयागराज महाकुम्भ नारी सशक्तीकरण को लेकर भी नया इतिहास लिख रहा है। महाकुम्भ में मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है। रविवार को संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में सौ से अधिक महिलाओं को महिला नागा की दीक्षा दी गई। संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि रविवार महाकुम्भ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 100 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा दी गई। संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में इसे लेकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है पहले चरण में 102 महिला संत को नागा दीक्षा दी गई। अपने शाखा गुरु के साथ सेवाए समर्पण और त्याग की 12 साल तक परीक्षा देने के बाद इन्हें अवधूतानी का दर्जा मिला था। अवधूतानी गंगा के तट पर समूह में पहुंचीए जहां उन्हें सूत का बिना सिला पौने तीन मीटर का कपड़ा पहनाकर उनका मुंडन संस्कार किया गया। गंगा स्नान के उपरांत इनके हाथ में एक कमंडल ए गंगा जल और एक दंड दिया गया। जिसे लेकर वह शेष संस्कार जिसमें पहले ध्वजा के नीचे और गंगा जी में पूरा करेंगी। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी अंतिम दीक्षा देंगे।

सनातन धर्म का ध्वज देश के बाहर भी कई देशों में अब अपनी पताका फहराने लगा है। महाकुम्भ में महिला नागा संन्यासिनियों की दीक्षा में विदेशी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया और अब वह भी संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की सदस्य बन गई हैं।

योगी सरकार ने जन-जन तक पहुंचाया टीबी अभियान, 26,891 रोगी चिन्हित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश में चलाया जा रहा 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान जन-जन तक पहुंच गया है। एक महीने में दस हजार से अधिक निक्षय मित्रों का अभियान से जुड़ना और मरीजों को पोषण पोटली वितरित करना इसकी गवाही है। इस अभियान में अब तक 26,891 जोखिम वाले मरीज चिंहित हुए हैं। खास बात यह है कि इसमें से 15 हजार से अधिक मरीज उन 60 जिलों से मिले हैं, जहां मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद एक जनवरी से अभियान शुरू हुआ है।

हाल ही में नगर निगम लखनऊ के पार्षदों के अभियान को समर्थन देने के वादे के बाद समुदाय के और जुड़ने की भरपूर उम्मीद है। प्रदेश भर के सभी सामुदायिक रेडियो को भी अभियान से जोड़ने की पहल हो चुकी है। महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने सराहनीय कोशिशों को समुदाय से जोड़ने की बेहतरीन पहल बताया है। उन्होंने बताया कि सात दिसंबर से शुरू हुए इस अभियान में अब तक 26,891 टीबी मरीज खोजे गए हैं। ये सभी जोखिम वाली श्रेणी के मरीज हैं। इनमें 11,492 मरीज उन 15 जिलों में मिले हैं जहां से अभियान की शुरुआत हुई थी और 15,399 मरीज बाकी 60 जिलों में पाए गए हैं। डॉ. रतनपाल ने बताया कि इस 100 दिवसीय अभियान के दौरान जोखिम वाले समूह के तकरीबन दो करोड़ 37 लाख लोगों को कवर करने का लक्ष्य है। इसमें से 89 लाख 49 हजार 329 लोगों यानि 38 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग कर ली गई है।

महानिदेशक ने बताया कि 1,75,000 निक्षय शिविर लगाकर टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग और जागरूकता का काम किया गया, जिसमें 18,178 निक्षय शिविर 52 निक्षय वाहन द्वारा लगाए गए। औसतन प्रतिदिन 3765 निक्षय शिविर लगाए गए। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्क्रीनिंग के लिए 89 लाख नैट टेस्ट और 1.60 लाख एक्सरे किए गए। राज्य क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि मरीज खोजने के मामले मे सीतापुर शीर्ष पर चल रहा है। वहां अब तक सर्वाधिक 1394 मरीज मिले हैं। दूसरे नंबर पर सिद्धार्थनगर (1085), तीसरे नंबर पर आगरा (1034), चौथे नंबर पर बस्ती (1022) और पांचवें नंबर पर रामपुर (1020) में टीबी मरीज पंजीकृत हुए हैं। सबसे कम मरीजों वाले जिलों में श्रावस्ती (42), संतरवीदास नगर (49), चित्रकूट (59) व महोबा (59) मुख्य हैं।

चंद्रयान थ्री व जल विद्युत डैम के माडलों द्वारा प्रस्तुत की बुलंद भारत की तस्वीर

संवाददाता। फतेहपुर

ब्रिलियंट ओरियंटल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी और फेट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक जय कुमार जैकी, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका चेयरमैन राजकुमार मौर्या एड., डा. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के जीवविज्ञान विभागाध्यक्ष अनुष्का व प्रो. राजकुमार ने विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन कर छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए मॉडलों का निरीक्षण किया। चंद्रयान थ्री की उड़ान देखकर अतिथि बोले, छात्र-छात्राओं ने मॉडलों से बुलंद भारत की तस्वीर पेश की है। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने थर्मल पावर प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, हाइड्रो इलेक्ट्रिक डैम, यातायात जागरूकता प्लान, ग्लोबल वार्मिंग, हेल्थ सर्वे, वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, साइंस वल्ड, साइंस मैजिक, ह्यूमेन हर्ट. ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम, चंद्रयान थ्री, गुड एंड बैड इफेक्ट आफ पलुशन, स्मार्ट सिटी के मॉडल बनाए। मॉडल एआई आधारित भी थे।

विद्यार्थियों ने पीएम नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया से प्रभावित होकर मॉडल बनाए। अतिथियों ने सभी मॉडलों का निरीक्षण कर बच्चों की मेहनत को सराहा। साथ ही छात्र-छात्राओं को भविष्य में अच्छे डाक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनने के लिए प्रेरित किया। बच्चों के साथ माडल बनवाने में आसफा फारूकी, हेरा और सना ने सहयोग किया। इस प्रोग्राम को सफल बनाने में सीनियर टीचर अफजल, उम्मे सारा, शबाहत, खुशी जैनब आदि शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत चेयरमैन वासिफ हुसैन, प्रिंसिपल वकील अहमद, आसिफ हुसैन, पत्रकार शकील अहमद सिद्दीकी, अहमद उमैर, अरशद नूर, ताहिर हुसैन, डा. आदिल आलम, ताहिर हसन, नयाबुल, सै. ताहा नसीम, मुफ्ती मो. वसीम, सूफिया अशफाक, फरहीन एजाज, अर्शी आदि ने बुकें भेंटकर किया। इस मौके पर सफाई व्यवस्था के लिए सभासद हुमायूं, शादाब अहमद का आभार जताया गया।

पालिका शिविर में सफाई कर्मचारियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

फतेहपुर। नगर पालिका परिषद एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के प्रयास से नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों हेतु एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पीरनपुर बाल्मीकि पार्क में किया गया।

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने किया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजीव नारायण गिरी, अधिशासी अधिकारी रविंद्र कुमार बोर्ड के सम्मानित सभासद, डॉक्टर शहाबुद्दीन भी रहे। कार्यक्रम में राजकुमार मौर्य ने कहा कि कर्मचारियों व उनके परिवारों की स्वास्थ्य हेतु शिविर लगाया गया है उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है जन-जन को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा पोषक आहार लेना चाहिए। सभी लोग अपने आस-पास के वातावरण को भी स्वच्छ बनाए रखें यह हम सब की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा चिकित्सा अधिकारी राजीव नारायण गिरी ने कहा कि व्यक्ति को अपनी सेहत के लिए जागरूक रहना बहुत ही जरूरी है अगर किसी भी व्यक्ति को दो हफ्ते खांसी आती है तो उसकी जांच कराना अति आवश्यक है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीवी मुक्त अभियान के अंतर्गत आप सभी लोग मित्र बनकर क्षय रोगियों को पोषण सहायता प्रदान करने में सहयोग कर सकते हैं

अन्य जिलों में फर्जी स्टांप पाये जाने पर हमीरपुर जिले में भी शुरू की गई जांच

संवाददाता। हमीरपुर

सूबे के कई जिलों के निबंधन कार्यालय में पकड़े गये फर्जी स्टांप पकड़े जाने से शासन के आदेश से दस सालों के पांच हजार से ऊपर स्टांपों की जांच शुरु कर दी गयी है। जिससे विभाग में हड़कंप मचा है.

जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों मेरठ,कानपुर डिपो व सहारनपुर में जांच में फर्जी स्टांप पाये गये थे जिससे हड़कंप मच गया था। शासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुये पूरे प्रदेश में पांच हजार से ऊपर जो भी स्टांप निबंधन कार्यालय में जमीन मकान प्लाट खरीदने के दौरान लगये गये है उनकी सख्ती से जांच की जाये। सूबे में पिछले दिनों फर्जी स्टांप बनाने वालों का एक गिरोह काम करता रहा है जिससे यह स्टांप कई जिलो मे फैल गये है मगर तीन या चार जिलो में इनका पर्दाफाश हो चुका है। बताया जाता है कि पांच हजार से अधिक स्टांपों में भारी गड़बडी पायी गयी थी इसीलिये इन्ही स्टांपों पर जांच में फोकस किया गया है।

शासन ने पहले पिछले दो सालों के पांच हजार से अधिक सभी स्टांपों की जांच करने को कहा था मगर अब शासन ने वर्ष 2015 से अब तक के सभी स्टापों की जांचे करने को कहा है। स्टांपों की स्टांप एआईजी(उपमहानिरीक्षक) धीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि जिले की चारो तहसीलों में सब रजिस्ट्रारों को आदेश दे दिये गये है कि दस सालों के स्टांपों की जांच की जाये जो भी स्टांप लगे है उनको कोषागार कार्यालय में भेजकर जांच करायी जायेगी क्योकि जो स्टांप कोषागार से निकले है उनकी जांच तो हो पायेगी मगर जो ई स्टांप है उनकी जांच कैसी होगी इस मामले में कोई जानकारी नही दे पा रहा है। इधर निबंधन कार्यालय में दस सालों के पांच हजार के ऊपर वाले स्टांपों की जांच करने से व्यस्त हो गये है। इससे अन्य कार्य प्रभावित हो रहे है। हालाकि स्टांप एआईजी का कहना है कि हमीरपुर जिले में कोई गड़बडी नही हुई है मगर शासन के आदेशानुसार जांच करायी जा रही है।

विद्युत ओटीएस के अभी तक जमा हुए केवल नौ करोड़ रुपये

हमीरपुर। विद्युत विभाग में चल रही ओटीएस योजना में अभी तक जिले में केवल नौ करोड़ रुपये की धनराशि जमा हो पायी है जो पिछले साल की अपेक्षा बेहद काम है। विभाग के अधीक्षण अभियंता(एसई)जीसी यादव ने बताया कि पिछले साल ओटीएस में 27 करोड रुपये आया था इस साल बहुतही काम राजस्व की प्राप्ति हुई है।

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बने लक्ष्मीकांत

फतेहपुर। उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न हुए जिसमे वार्षिक निर्वाचन की करवाई के दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर लक्ष्मीकांत पांडेय समेत अन्य पदों पर पदाधिकारियों को चुना गया। नव मनोनीत पदाधिकारियों का शिक्षको ने माला पहनाकर स्वागत किया व बधाई दी। रविवार को शिक्षक भवन में उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक लक्ष्मीकांत पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई एवं वार्षिक निर्वाचन किया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षक विधायक लवकुश मिश्रा ने शिरकत की। बैठक के दौरान सर्व सम्मति से जिलाध्यक्ष पद पर लक्ष्मीकांत पांडेय व जिला मंत्री विजय करण श्रीवास, कोषाध्यक्ष अनूप सिंह का मनोनयन किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के वरि. उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षक विधायक लवकुश कुमार मिश्रा ने कहाकि संगठन ही शक्ति है। वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों के अलावा सभी शिक्षक आपसी समांसजस्य से शिक्षकों की समस्याओं पर एकमत से कार्य करे। उन्होंने सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दी।

ग्राम पंचायत सचिवों की उपस्थिति दर्ज कराए जाने हेतु हेतु बनाया गया ऑनलाइन ऐप

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी की विशेष पहल से जिला प्रशासन द्वारा एक ऑनलाइन ऐप बनाया गया है। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायतों को डिजिटिलीकरण की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे है। इसी के तहत ग्राम पंचायत सचिवों की उपस्थिति दर्ज कराए जाने हेतु एक ऐप का मॉड्यूल तैयार किया गया है जिसमें पंचायत सचिवों द्वारा पंचायत ऑफिस, विकास खंड पर स्थित विकास खंड कार्यालय, जिले स्तर पर पंचायत ऑफिस या पंचायत सचिव को आवंटित की गई ग्राम पंचायत पर ही सचिव इस ऐप के माध्यम से अपनी उपस्थित दर्ज कर सकेंगे।

इन स्थानों से भिन्न किसी भी स्थान से यदि उपस्थित दर्ज की जाएगी तो यह ऐप सचिव की उपस्थित दर्ज नहीं करेगा। इस ऐप में फेस वेरिफिकेशन, लेट अटेंडेंस, फेक लोकेशन को ट्रैक करना जैसे कई प्रकार के नई विशेषताएं जोड़ी गई है ताकि कोई भी सचिव अपनी उपस्थित गलत तरीके से दर्ज न कर सके। पंचायत सचिवों को अपने अवकाश के लिए भी इस ऐप का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है। जीपीएस लोकेशन की मदद से ऑनलाइन अटेंडेंस लगाना ही डिजिटल हाजिरी है। सचिवों की हाजिरी को ट्रैक करने के लिए यह मोबाइल ऐप डेवलप किया गया है। इस ऐप

को सचिव अपने स्मार्टफोन पर ऐप इंस्टॉल करना होगा और रोजाना पंचायत पहुंचने के समय ऐप के जरिये से हाजिरी दर्ज करनी होगी। ऐप जीपीएस लोकेशन को ट्रैक करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संबंधित सचिव वास्तव में पंचायत ऑफिस, विकास खंड पर स्थित विकास खंड कार्यालय, जिले स्तर पर पंचायत ऑफिस या पंचायत सचिव को आवंटित की गई ग्राम पंचायत पर ही हैं। इससे फर्जी अटेंडेंस को रोका जा सकेगा। सचिव फेस रिकग्निशन के जरिये से अपनी हाजिरी दर्ज कर सकते हैं जिससे ऐप यह सुनिश्चित करेगा कि हाजिरी सही और प्रमाणित है।पंचायत सचिवों के लिए डिजिटल अटेंडेंस पॉलिसी का खास मकसद सचिवों की अटेंडेंस को डिजिटली ट्रैक करना और पंचायत के कार्यों को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है।

कृषि यंत्रों की खरीद हेतु इंडियन बैंक और एसीई लि. के बीच समझौता

हमीरपुर। इंडियन बैंक के अंचल प्रबंधक घनश्याम कुमार ने बताया कि किसानों के हितों को देखते हुए इंडियन बैंक और एसीई लिमिटेड के बीच एक अहम समझौता हुआ है। किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुएए लखनऊ में आज इंडियन बैंक और एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट लिमिटेड बीच एक जनसहमति पत्र(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत इंडियन बैंक मिनिमम डॉक्यूमेंटेशन केवाईसी और भूमि आधारित ऋण कम ब्याज दर और तेजी से ऋण स्वीकृति जैसी सुविधाएं डिजिटल तथा सामान्य दोनो माध्यम से प्रदान करेगा। यह समझौता किसानों और अन्य ग्राहकों को ट्रैक्टर हार्वेस्टर और अन्य कृषि उपकरणों की खरीद के लिए आसान ऋण सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित है। इसके माध्यम से किसानों को देशभर की किसी भी इंडियन बैंक की शाखा से उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणो के लिये ऋण सुविधा उपलब्ध होगी।

क्विक न्यूज

कुंभ जा रही बस डंपर से टकराई, 13 श्रद्धालु घायल

फतेहपुर। कानपुर प्रयागराज हाईवे पर रविवार सुबह कल्यानपुर थाना के मौहार ओवरब्रिज के ऊपर खड़े डंपर में दिल्ली से प्रयागराज महाकुंभ जा रही डबल डेकर बस टकरा गई। हादसे में बस चालक समेत 13 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को गोपालगंज पीएचसी से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। मौके पर राहत बचाव कार्य जारी है। शनिवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट से 46 श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज महाकुंभ के लिए निकली प्राइवेट डबल डेकर बस मौहार ओवरब्रिज के ऊपर खड़े डंपर से टकरा गई। कोहरे के कारण चालक परमान को आगे खड़ा डंपर नहीं दिखा और पीछे से बस जाकर घुस गई। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से छतिग्रस्त हो गया। श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। चालक और बस की आगे वाली सीटों में बैठे श्रद्धालु अंदर फंस गए। पीआरवी के सिपाही श्रीकांत ने फंसे लोगों को बाहर निकालने में हाथ पर गया। क्रेन भी मौके पर पहुंची और उसकी मदद से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला। एम्बुलेंस से घायलों को गोपालगंज पीएचसी भेजा गयाए जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि डंपर तीन दिन से ओवरब्रिज के ऊपर खराब खड़ा था लेकिन न तो पुलिस ने इसे हटवाया और न ही एनएचएआई ने। थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

मंदिर की चोरी में तीन आरोपी गिरफ्तार

हमीरपुर। पिछले दिनों ललपुरा क्षेत्र के बजेहटा गांव में शेरमाता मंदिर से हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। कब्जे से करीब दस हजार रुपये पुलिस ने बरामद किये है। पुलिस के मुताबिक चोरो ने पिछले दिनों मंदिर का ताला तोड़कर दस हजार रुपये नगदी चुरा ले गये थे पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी थी आज पुलिस ने लोधे सिंह,धीरु सिंह,मोहित सिंह निवासी ग्राम छानी बुजुर्ग,थाना विवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से पुलिस ने दसहजार रुपये बरामद कर लिया है। सभी आरोपियो को जेल भिजवा दिया है। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

समाज के लोगों ने मनोनीत पदाधिकारियों का किया स्वागत

फतेहपुर। शहर के आबूनगर पाल भवन में पाल सामुदायिक उत्थान समिति प्रबंधन कार्यकारी के पुनर्गठन के लिए आम सभा की बैठक आहूत हुई। जिसमें संरक्षक मंडल बद्री प्रसाद पाल, रामसागर पाल, देवदर्शन पाल, एवं रामकृपाल की के देखरेख में नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। जिसमें

अध्यक्ष पद पर लगातार तीसरी बार डॉ. अमित पाल, वरि. उपाध्यक्ष पद पर गंगाराम पाल, उपाध्यक्ष पद पर रमा पाल, सचिव पद पर सूरजभान पाल, कोषाध्यक्ष पद पर देशराज पाल, ऑडिटर पद पर रामपाल पाल, संगठन सचिव पद पर देवी प्रसाद पाल, मीडिया प्रभारी पद पर रामचंद्र पाल एवं सदस्य पद पर श्याम लाल पाल, अखिलेश पाल, दिलीप पाल का चयन किया गया। नवमनोनीति पदाधिकारियों का समाज के लोगो ने फूल मालाओ से लादकर स्वागत किया। इस मौके पर उमेश पाल, रामकुमार पाल, धनराज पाल, मनीष पाल, राम नरेश पाल, देवानंद पाल, सुशील पाल, चंद्रभूषण पाल एडवोकेट, रामकृपाल, मूलचंद पाल, दिनेश पाल, इंद्रराज पाल, जितेंद्र पाल, राम प्रताप पाल, बाबूलाल पाल, छोटेलाल पाल, सुदर्शन पाल, चंगू पाल, महेश पाल, श्रीकांत पाल, देशराज पाल, समरजीत पाल, राम सागर पाल, आलोक पाल, शिवबरन पाल, धीरेंद्र पाल, कमल पाल, विनोद पाल, रोशन पाल, प्रेम कुमार पाल, गंगासागर पाल, चंद्रपाल, अर्जुन पाल, सदानंद पाल, योगेंद्र पाल, शत्रुघ्न पाल आदि उपस्थित रहे।

आचार्य कुलम की बैठक में सनातन धर्म उत्थान पर हुई चर्चा

फतेहपुर। आचार्य कुलम परिवार द्वारा आयोजित सामूहिक उपनयन संस्कार के आयोजन समिति की बैठक बांके बिहारी मंदिर में समिति के अध्यक्ष सुशील मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आचार्य कुलम के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य विनोद शुक्ला उपस्थित रहे। बैठक में चर्चा करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश द्विवेदी ने कहा आचार्य कुलम द्वारा कराये जा रहे हैं। कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि सनातन धर्म की रीति-रिवाज को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य आचार्य कुलम द्वारा किया जा रहा है जिसमें हम समस्त जनपद की जो विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले समाज के लोग हैं। आचार्यकुलम को ताकत देने का काम करें ताकि आचार्य कुलम के कार्यक्रम से जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित हो। भारत संगठन के पूर्व सचिव मणि प्रकाश दुबे प्रकाश दुबे ने कहा कि आचार्य कुलम आयोजन समिति समाज के कल्याण हेतु वर्ष भर निरंतर कार्यक्रम हेतु आचार्य कुलम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज की कल्याण का कार्य करेंगे। बैठक में प्रदीप गर्ग ने आचार्यकुलम को अस्वस्थ किया कि आचार्य कम के कार्यक्रमों को संपादन हेतु प्रदीप गर्ग आदर्श व्यापार मंडल के साथ हमेशा सहयोग हेतु उपलब्ध होने का आश्वासन दिया। बैठक को जिला अध्यक्ष तिवारी देवव्रत रामनरेश सहित संगीता द्विवेदी, अंजू, अशोक बाजपेई, राजेंद्र त्रिपाठी, रमेश, गया प्रसाद मिश्रा, हरिओम मिश्रा ने सनातन धर्म उत्थान हेतु अपने विचार प्रकट किया आचार्य कुलम अध्यक्ष आचार्य विनोद शुक्ला ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने किया।

पीएम आवास योजना शहरी में धांधली वसूली के आरोप

फतेहपुर। हथगांव नगर पंचायत में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में नगर पंचायत वासियों ने जिम्मेदारों की मिलीभगत से स्थानीय गुर्गों द्वारा लाभार्थियों से पीएम आवास योजना में नाम सम्मिलित करवाने के नाम पर जमकर अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। नगर पंचायत वासियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि अलग-अलग वार्डों में स्थानीय गुर्गों द्वारा पीएम आवास शहरी दिलाने हेतु पात्र अपात्र लाभार्थियों से जिम्मेदारों के सह पर जमकर दस से बीस हजार की अवैध वसूली की जा रही है। बताया जा रहा है कि जिम्मेदारों द्वारा मनमानी रवाइयां अपनाते हुए बिना स्थलीय निरीक्षण पात्र अपात्र सत्यापन के सेटिंग गेटिंग से पीएम आवास योजना शहरी की लिस्ट में नाम सम्मिलित किये जा रहे हैं। नगर पंचायत में खुली बैठक न होने से पात्र गरीब लाभार्थी योजना से वंचित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सेटिंग गेटिंग से कुछ अपात्र लाभार्थियों मिली भगत से योजना का लाभ उठाने की फिराक में जुटे है। नगर पंचायत में शहरी आवासों पर हो रही धांधली में जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति नगर वासियों में जमकर रोष छाया है।

मोबाइल चलाने के दौरान युवक की संदिग्ध मौत

राठ, हमीरपुर। कस्बे के मुगलपुरा बजरिया चौराहे के पास एक युवक की मोबाइल फोन चलाने के दौरान अचानक संदिग्ध परिस्थितियों के मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक के स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले गए। बृजेश(25) पुत्र अर्जुन सिंह की आज रविवार की सुबह सोकर उठने के बाद मोबाइल चलाने लगा। मोबाइल चलाते समय अचानक संदिग्ध परिस्थितियों के चलते युवक गिर गया। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता ने बताया कि उसका पुत्र अविवाहित था।दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी करता था। बीते एक माह पहले ही वह दिल्ली से वापस घर आया था। वर्तमान में वह अपने मकान का निर्माण कार्य भी करवा रहा था। स्वजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

वनक्षेत्र को सुनियोजित ढंग से किया जा रहा बर्बाद, आग लगाने से मर रहे जीव

संवाददाता। संडीला, हरदोई

वन विभाग के स्थानीय अधिकारियों की उपेक्षा से वन क्षेत्र में पहले स्वार्थी तत्वों ने आग लगाई और इसके बाद अब मौके का फायदा उठाकर खुलेआम लकड़ी काटकर ले जाई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामसभा ककराली के मजरा सेमराखेड़ा में वनविभाग द्वारा संरक्षित कई क्षेत्र हैं। इनमें से एक वन क्षेत्र में पहले शरारती तत्वों ने रात के समय आग लगा दी जिससे बड़ी संख्या में वन्य जीव जंतु जलकर मर गए और बड़ी संख्या में पेड़ों को छति पहुंची। अब इस क्षेत्र से खुलेआम आसपास के लोग लकड़ियां काटकर ले जा रहे हैं, जिन्हें रोकने वाला कोई नहीं है।

यही नहीं वन विभाग द्वारा संरक्षित एवं पोषित हरीपट्टी नामक वनक्षेत्र पर भी जमकर आसपास के ग्रामीणों की कुल्हाड़ी और बांके चल रहे हैं, जिससे आधे से अधिक इस संरक्षित क्षेत्र के वृक्षों का अस्तित्व समाप्त हो गया है और जो इसका भाग बचा भी है वह भी लगातार काटा जा रहा है। इसके अलावा नगर के मोहल्ला मण्डई इत्यादि के बड़ी संख्या में आवारा लड़के इस वनक्षेत्र में घुसकर न केवल वन्य जीवजंतुओं के जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं बल्कि अगर इनकी आमद से खरगोश, जंगली सूअर, लोमड़ी आदि वन्य जीव इधर से उधर भागने की कोशिश करते हैं तो यह लोग उन्हें पत्थरों, डंडों से पीटकर मार डालते हैं।

अगर कोई व्यक्ति इन्हें रोकने का प्रयास करता है तो उससे मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। यही नहीं इन वन्य क्षेत्र में रहने वाले सांपों को भी इन लोगों ने लगभग समाप्त कर डाला है। जबकि यह सांप किसानों के लिए बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। इस वन्य क्षेत्र को लगातार बर्बाद किए जाने के संबंध में वन विभाग के स्थानीय अधिकारियों को कई समाजसेवियों और वन्यजीव प्रेमियों द्वारा अवगत भी कराया गया है लेकिन अभी तक इस मामले में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

एसपी की अध्यक्षता में हुई प्रोजेक्ट किरण की शुरुआत

कानपुर देहात। स्थानीय पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरुआत पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई। नई किरण में 35 मामले आये, जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 04 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया। पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हो गये, शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष श्रीमती सुषमा व अन्य का विशेष तौर पर सहयोग रहा।

सहकारी समिति अध्यक्ष का स्वास्थ्य बिगड़ने से छाई मायूसी

गुरसहायगंज, कन्नौज। सहकारी समिति के अध्यक्ष निर्मल चतुर्वेदी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने के कारण परिजनों द्वारा आनन-फानन में लखनऊ स्थित स्थित अस्पताल में भर्ती कराया जहां उन्हे स्वास्थ्य लाभ प्रदान हो रहा है। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर पर समर्थकों में मायूसी का माहौल छा गया है। समर्थकों व शुभचिंतकों ने उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बताते चलें कि विगत दिनों पूर्व सहकारी समिति के अध्यक्ष निर्मल चतुर्वेदी को डाईबिटीज के कारण सीने में दर्द और शारीरिक कमजोरी की शिकायत के बाद तुरंत परिजनों द्वारा लखनऊ के अजन्ता अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अनुभवी चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज चल रहा है, और उन्हें स्वास्थ्य लाभ प्रदान हो रहा है। उनके अस्वस्थ्य होने की खबर सुनते ही समर्थकों व शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी उनके स्वास्थ्य को लेकर संदेशों की बाढ़ आ गई है। उनके भाई क्रय विक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी एवं पुत्र आदर्श चतुर्वेदी ने बताया कि उनके पिता जल्द ही स्वस्थ होकर वापस लौटेंगे और अपने कार्यों को फिर से संभालेंगे।

शेर के हमले में दो लोग घायल अस्पताल में कराए गए भर्ती

रमिया बेहड़, खीरी। इन दिनों शेर के हमले की घटनाएं बराबर हो रही हैं न जाने कितने घरों के दीपक बुझ गए हैं मगर प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है न जाने और कितने लोगों की जान जाएगी ताजा मामला ब्लॉक रमिया बेहड के गांव लौखनिया का है जहां कल शाम दो लोगों को शेर ने हमला कर घायल कर दिया इस घटना में करन पुत्र इतवारी 26 वर्ष जो गांव के नजदीक खेत में लकड़ी बीनने गए हुए थे।

तभी शेर ने अचानक हमला कर दिया लेकिन लोगों के शोर मचाने पर करन को छोड़कर भाग कर गंने के खेत में चला गया जिस कारण करन काफी घायल हो गया कुछ लोगों ने 108 एंबुलेंस पर कॉल करके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमिया बेहड में भर्ती कराया जिसे उपचार उपरांत उन्हें घर भेज दिया गया कुछ देर बाद फिर 108 पर फोन आया की समाधि पूर्व में शेर ने फिर हमला कर दिया है जहां के निवासी अशोक कुमार पुत्र मुकेश 6 वर्ष जो शाम 7:30 बजे घर के आंगन में खाना खा रहा था तभी अचानक शेर ने हमला करके बच्चों को उठा लिया चीख पुकार सुनकर शेर ने बच्चों को छोड़कर भाग निकला ग्रामीणों ने तत्काल 108 पर फोन किया तभी एमटी मुकेश चंद्र एवं पायलट शोभाराम गुप्ता ने अपनी गाड़ी यूपी 32 क्यू9035 लेकर तत्काल मौके पर पहुंच गए तथा मरीज को समय रहते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर विमल एवं फार्मासिस्ट सुरेश कुशवाहा ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया।

दुष्कर्म करने की धमकी के आरोपित पर केस दर्ज

खागा, फतेहपुर। तहसील क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली अनुसूचित वर्गीय युवती ने प्रार्थना पत्र दे स्थानीय थाना पर बताया कि युवती के फोन पर आरोपित द्वारा अश्लील बातें व संबंध बनाने की बातें कही गई। आप बीती परिजनों से बताने नाराजगी व्यक्त करने पर आरोपित द्वारा दुष्कर्म करवाने की धमकी दी गई उक्त मामले पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की निवासिनी युवती ने आरोप लगाते हुए बताया कि प्रार्थिनी के पति परिवार पालन हेतु प्रदेश कामकाज करते हैं। युवती ने बताया कि आरोपित युवक बृजमोहन सिंह शेरू सिंह पुत्र राजा सिंह निवासी इटोलीपुर ने फोन पर अश्लील बातें कर संबंध बनाने को कहा नाराजगी व्यक्त करने शिकायत करने पर आरोपित द्वारा जाति सूचक बद्दी गलियां व सामूहिक दुष्कर्म करवाने की धमकी दी गई। मामले पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया है। थाना प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि तहरीर आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने चलाई मुहिम

संवाददाता। कन्नौज

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी आफाक खां द्वारा ट्रैफिक वॉलिंटियर्स को साथ लेकर पाल चौराहा में सड़क सुरक्षा माह के तहत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

जिसमें ट्रैक्टर ट्रालियों एवं साइकिलों में रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। ताकि कोहरे के मौसम में ट्रैक्टर ट्रालियां या साइकिल दूर से दिखाई दे।

जिससे अनावश्यक दुर्घटनाओं को रोका जा सके। वहीं ट्रैफिक वॉलिंटियर्स को यातायात प्रभारी द्वारा प्रशिक्षित कर दिया गया है। जिस कारण ट्रैफिक वॉलिंटियर्स लोगों को हेलमेट लगाने के लिए, सीट बेल्ट लगाने के लिए, कोहरे में वाहन कैसे चलाए जाएं, ड्रंकन ड्राइविंग ना की जाए, ओवर स्पीडिंग से कैसे बचा जाए और रॉन्ग साइड ड्राइविंग हरगिज न की जाए। इस संबंध में ट्रैफिक वॉलिंटियर्स लोगों को बहुत ही अच्छे अंदाज में, सभ्यता के साथ नम्रता पूर्वक इस तरह से यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

कि बहुत से लोग शर्मिंदा होकर यह कहने पर मजबूर हो जाते हैं कि अब दोबारा हेलमेट लगा करके ही वाहन चलाएंगे। अब बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाते हुए नहीं मिलेंगे। ओवर स्पीडिंग नहीं करेंगे। ड्रंकन ड्राइविंग बिल्कुल नहीं करेंगे। रॉन्ग साइड वाहन चलाते हुए तो आपको दिखेंगे ही नहीं। बहुत से राहगीर यातायात पुलिस के इस कार्य को देखकर सराहना कर रहे हैं। और यह कह रहे हैं कि जनपद कन्नौज में ऐसा पहली बार हो रहा है। इस मौके पर यातायात पुलिस के मुख्य आरक्षी विजय बाबू व कई होमगार्ड, पीआरडी के जवान और लगभग दो दर्जन ट्रैफिक वॉलिंटियर्स मौजूद रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

विवादों में घिरे धनंजय मुंडे ने कहा-मैं अर्जुन हूं, अभिमन्यु नहीं

शिरडी। (भाषा) विवादों में घिरे महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने रविवार को महाभारत का हवाला देते हुए दावा किया कि उन्हें अभिमन्यु की तरह नहीं घेरा जा सकता, क्योंकि वह महान धनुर्धर अर्जुन हैं। पिछले साल नौ दिसंबर को बीड में मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और हत्या के मामले में मुंडे विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के नेताओं के भी निशाने पर हैं। पुलिस ने देशमुख हत्याकांड से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद कई नेताओं ने उन्हें देवेंद्र फडणवीस सरकार से बर्खास्त करने की मांग की है। पारली से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) विधायक मुंडे को शनिवार रात राज्य सरकार की ओर से घोषित प्रभारी मंत्रियों की सूची में शामिल नहीं किया गया। उनकी जगह उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार को उनके गृह जिले पुणे के अलावा बीड जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अहिल्यानगर के शिरडी में राकांपा के अधिवेशन में मुंडे ने सरपंच हत्याकांड और उससे जुड़े जबरन वसूली के मामले में उन्हें निशाना बनाने के लिए कुछ नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्हें दुख है कि इन नेताओं में सत्तारूढ़ महायुति के लोग भी शामिल हैं। महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं। मुंडे ने कहा, चाहे कुछ भी हो, मुझे अभिमन्यु की तरह घेरने से कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि मैं अभिमन्यु नहीं, अर्जुन हूं। पार्टी (राकांपा) के कुछ नेता भी अजित दादा को गलत जानकारी दे रहे हैं, जो इस कठिन समय में मेरे साथ खड़े हैं।महाभारत में कौरव अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मारने में सफल रहे थे। अधिवेशन में बोलते हुए मुंडे ने कहा कि देशमुख की हत्या बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और वह तभी से मांग कर रहे हैं कि दोषियों को फांसी दी जाए। उन्होंने आरोप लगाया, अपराध जाति या धर्म देखकर नहीं किया जाता, लेकिन इस घटना के कारण एक समुदाय को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बंटोर रहे देशमुख हत्याकांड को लेकर पूरे महाराष्ट्र में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ तबके इसे जातीय टकराव से भी जोड़ रहे हैं, क्योंकि ज्यादातर आरोपियों के अलावा मुंडे भी वंजारी समुदाय से हैं, जबकि देशमुख एक मराठा थे। आरक्षण की मांग को लेकर दोनों समुदाय, खासकर महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में, काफी समय से आमने-सामने हैं। मुंडे ने मुश्किल समय में साथ देने के लिए पवार का आभार जताया और कहा कि इसके चलते उन्हें खलनायक करार दिया जा रहा है।

भारतीय संस्कृति की गहराइयों में झांकता नाट्य प्रस्तुति समुद्र मंथन

समुद्र मंथन में दिखा चित्तरंजन त्रिपाठी का निर्देशकीय कौशल

महाकुंभ नगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कलाग्राम में आयोजित सांस्कृतिक कुंभ में शनिवार को आसिफअली द्वारा लिखित नाटक समुद्र मंथन का मंचन चित्तरंजन त्रिपाठी के निर्देशन में नेशनल स्कूल ऑफड्रामा नई दिल्ली के रिपर्टरी समूह द्वारा किया गया। नाटक की शुरुआत इस बात से होती है कि हमें आखऱिकार नाटक से क्या मिलेगा। हम अपने जीवन के अन्य ज़रूरी विषयों पर मंथन करने के जगह कला साहित्य और नाटकों पर मंथन क्यों करें। जिसका उत्तर हमें नाटक के अंत में मिलता है। नाटक में ऋषि दुर्वासा देवराज इंद्र से नाराज होकर उन्हें हीन और शक्तिहीन होने का श्राप दे देते हैं। इसका का लाभ उठाकर दैत्यराज बलि इंद्र जैसे देवताओं को परास्त कर स्वर्ग के लोगों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लेता है। देवताओं पर दैत्यों की इस विजय के कारण सम्पूर्ण सृष्टि पर दैत्यों और राक्षसी प्रवृत्तियों का आधिपत्य होने लगा। जगतपिता ब्रह्मा जी के आदेश पर इन्द्र सहित सभी देवताओं ने सृष्टि की रक्षा और दोबारा सृष्टि की स्थापना के लिए परमपिता परमेश्वर श्री विष्णु से प्रार्थना की। देवताओं की व्यथा सुनकर सृष्टि के पालनहार नारायण ने उन्हें अपने क्षीरसागर को चमच्च करने का आदेश दिया ताकि सृष्टि से लुप्त हो चुके सत्य और सार को दोबारा स्थापित किया जा सके। किन्तु इसके लिए न केवल देवताओं की शक्ति बल्कि दैत्यों की शक्ति अर्थात उनकी राक्षसी शक्ति की भी आवश्यकता थी। दैत्यों की प्रवृत्ति को जानकर उन्हें मंथन में प्राप्त रत्नों पर समान अधिकार का प्रलोभन दिया जाता है और नारायण के आदेश पर सभी को सम्मिलित करते हुए अमृत मंथन आरम्भ होता है। निर्देशक चित्तरंजन त्रिपाठी का निर्देशकीय कौशल पूरे नाटक में बार बार उभर कर आता है। नाटक में जिन मोहक दृश्यों को सांस्कृकित मंच पर उकेरा गया। वह सभी दृश्य दर्शकों की स्मृति में सदा के लिए जगह बना लेते हैं। मंच परिकल्पना और बाह्य.संगीत नाटक को और रोमांचक और गतिशील बनाते हैं। जिससे दर्शकों को पलक झपकने तक का समय नहीं मिलता। वही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिहार के कलाकारों ने मिथिलांचल के पारंपरिक नृत्य झिझिया की प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। उड़ीसा के कलाकारों ने गोटीपुआ नृत्य गुजरात का राठवा नृत्य मध्य प्रदेश का बैगा फाग नृत्य उत्तराखंड का घसियारी नृत्य महाराष्ट्र का सांगी मुखौटा नृत्यए उत्तराखंड के कलाकारों ने छपेली नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। पर्यटकों को लुभा रही है प्रर्दशनी क्षेत्र कलाग्राम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इलाहाबाद संग्रहालय राष्ट्रीय अभिलेखागार तथा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा कलाग्राम में महाकुंभ से रिलेटेड पोस्टर प्रर्दशन तथा कलाकृतियां का एक मनमोहक डिजिटल प्रर्दशनी लगायी गयी है जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मानव हाथी संघर्ष से निपटने में असम के ग्रामीणों की अभिनव पहल को सराहा

गुवाहाटी। (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को असम के नगांव जिले में मानव-हाथी संघर्ष से निपटने के उस अभिनव तरीके की सराहना की जिसके तहत फसलों को बचाने के मकसद से हाथियों को खिलाने के लिए एक विशेष प्रकार की घास लगाई गई। नगांव में ग्रामीणों के उद्यम की मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण में प्रशंसा की थी। एक्स पर हाथी बंधु पहल की एक ऑडियो क्लिप साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मानव-पशु संघर्ष को कम करने के लिए असम के नगांव में किया गया एक प्रयास हर किसी को प्रेरित करने की शक्ति रखता है। मोदी ने कहा कि हाथियों की बड़ी आबादी से नगांव मानव-हाथी संघर्ष का सामना कर रहा है, क्योंकि भोजन की तलाश में हाथी फसलों को नष्ट कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि आसपास के लगभग 100 गांवों के लोग फसलों के नुकसान से चिंतित थे, लेकिन ग्रामीण यह भी समझ रहे थे कि हाथी अपनी भूख मिटाने के लिए खेतों की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाथी बंधु नाम से ग्रामीणों की एक टीम बनाई गई, जिसने एक अभिनव विचार दिया। टीम ने क्षेत्र में लगभग 800 बीघे बंजर भूमि पर हाथियों द्वारा पसंद की जाने वाली नेपियर घास लगाने के लिए ग्रामीणों को एक साथ लाया। इसके परिणामस्वरूप, हाथियों ने खेतों में कम जाना शुरू कर दिया, जिससे हजारों ग्रामीणों को काफी राहत मिली। ऐसा लगता है कि हाथियों को भी यह पसंद आया है।

मणिपुर मे अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए एनआरसी लागू करे केंद्र : मेइती संगठन

इंफाल।(भाषा) मेइती समूह कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआई) ने रविवार को केंद्र सरकार से म्यांमा के अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की मांग की। सीओसीओएमआई ने सरकार से अवैध तरीके से राज्य में दाखिल होने और हथियारों व मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए जल्द से जल्द भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा करने का भी आग्रह किया। संगठन के समन्वयक सोमेंद्रो थोकचोम ने कहा, इस महीने की शुरुआत में कडांगबंद में हुए बम धमाके के बावजूद केंद्र ने कोई कार्वाई नहीं की। यह दर्शाता है कि राज्य के लोगों को देश का नागरिक नहीं माना जा रहा है।

संदिग्ध उग्रवादियों ने 14 जनवरी को मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के कडांगबंद इलाके में बम धमाका किया था।थोकचोम ने संवाददाताओं से कहा, यह संघर्ष तभी समाप्त होगा जब केंद्र निश्चित कार्वाई और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य कार्वाई शुरू करेगा। इंफाल घाटी के कई नागरिक समाज संगठनों ने सरकार से कुकी जो उग्रवादियों के खिलाफ कार्वाई करने की भी मांग की ताकि राज्य में जारी संघर्ष को समाप्त किया जा सके। थोकचोम ने कहा, घुसपैठियों की पहचान के लिए (मणिपुर में) एनआरसी लागू किया जाना चाहिए। म्यांमा के लोगों के लिए शरणार्थी हिरासत शिविर केवल मणिपुर तक ही सीमित नहीं होने चाहिए। राज्य के पास सीमित भूमि संसाधन हैं। अन्य राज्यों में भी शिविर स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र को म्यांमा सीमा पर जल्द से जल्द बाड़ लगाने का काम पूरा करना चाहिए ताकि घुसपैठियों के साथ-साथ पड़ोसी देश से हथियारों व मादक पदार्थों की तस्करी को रोका जा सके।थोकचोम ने कहा, म्यांमा से मणिपुर में घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी राज्य में संघर्ष के मुख्य मुद्दे बने हुए हैं। उन्होंने कहा, राज्य की स्थिति में शायद ही कोई सुधार हुआ है। किसी भी कार्रवाई के कोई संकेत नहीं हैं।

एडवांटेज असम समिट में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए हिमंत सियोल, टोक्यो की यात्रा पर रवाना

गुवाहाटी।असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अगले महीने यहां राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले एडवांटेज असम समिट 2.0 के लिए संभावित निवेशकों और उद्यमियों को आमंत्रित करने के वास्ते रविवार को दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा पर रवाना हुए। शर्मा ने सियोल के लिए उड़ान भरते समय सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट मे कहा कि दोनो एशियाई देशो की यात्रा पांच दिनो की होगी। उन्होने कहा, मै संभावित निवेशकों, उद्यमियो और उद्योग जगत के प्रमुख लोगो के समक्ष एडवांटेज असम समिट 2.0 के हमारे दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने के लिए पांच दिवसीय यात्रा पर सियोल और टोक्यो के लिए रवाना हो रहा हूं। शर्मा 19 से 21 जनवरी तक सियोल मे और 21 से 24 जनवरी तक टोक्यो मे एडवांटेज असम समिट 2.0 रोड शो मे भाग लेगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, इस तरह के रोड शो जनवरी और फरवरी 2025 मे आठ देशो मे आयोजित किए जाएंगे। एडवांटेज असम समिट 2.0 का आयोजन 25-26 फरवरी को किया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेगे।

जीवन मूल्य की रक्षा करना ही हमारी संस्कृतिः अनिल ओक

समाज का सर्वकालिक उत्थान उसके श्रेष्ठ मार्गदर्शन आचरण और व्यवहार पर निर्भररू प्रांत प्रचारक संस्कारों एवं सनातन परंपरा के प्रति संकल्पित एवं आचरण में लाने की देता है प्रेरणारू प्रो गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

महाकुंभ नगर। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के सेक्टर आठ वेणी माधव मार्ग स्थित शिविर में सेवा कुंभ के अंतर्गत आयोजित किया जा रहे वृहद कार्यक्रम एवं आयोजन की श्रृंखला में रविवार को मातृ पितृ वंदन एवं प्रकृति वंदन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रयागराज और आसपास के सैकड़ों परिवार माता पिता का वंदन किया गया। इसमें तमाम परिवार के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। भाजपा नेता अनामिका चौधरी ने प्रकृति की रक्षा की प्रतिज्ञा दिलाई। इस मौके पर सभी को एलोवेरा तुलसी मीठी नीम आदि पौधों का वितरण किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य माता पिता की गरिमा में अभिवृत्ति उनके प्रति सम्मान भाव की पुनर प्रतिष्ठा के साथ साथ प्रकृति के संवर्धन तथा संरक्षण के प्रति सामाजिक जागरूकता एवं भाव प्रेरणा की अभिवृद्धि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रो गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भारत का विचार समावेशी विचार है जो हमारे संस्कारों एवं सनातन परंपरा के प्रति संकल्पित एवं आचरण में लाने की प्रेरणा देता है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक ने कहा कि अध्यात्म मनुष्य को जानने की प्रक्रिया है। जीवन मूल्य की रक्षा करना ही हमारी संस्कृति है। संस्कृति धर्म और अध्यात्म एक दूसरे से मिले हुए हैं प्रकृति का वंदन करना अपने आप का वंदन करना है। स्वयं को जानना ही मुक्ति है और यहीं से हमारा अध्यात्म शुरू होता है। इस तरह के आयोजन समाज को दिशा एवं प्रेरणा देते हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा कि जीवन मूल्य की रक्षा करना ही हमारी संस्कृति है। किसी भी समाज का सर्वकालिक उत्थान उसके श्रेष्ठ मार्गदर्शन आचरण और व्यवहार पर निर्भर करता है। कार्यक्रम में हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा कुंभ शिविर प्रमुख महेश्वर मिश्र ने मातृ पितृ वंदन की भूमिका रखी। कार्यक्रम का संचालन विंध्यवासिनी त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के सचिव नागेंद्र ने किया।कार्यक्रम में हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संयोजक अमरनाथ गंगा दत्त जोशी डॉ अंशुल त्रिपाठी वंदना तिवारी अनामिका चौधरी नारायण दास जायसवाल डॉ अमित कुमार दूबे ओमकार अरुण दुबे प्रबंधक डॉ संजय शुक्ला रंजना तिवारी देवेंद्र शुक्ल परविंदर तिवारी अनिल त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

जापान से 150 लोगों का दल कुम्भ में करेगा स्नान

महाकुम्भ नगर।(भाषा) जापान से महामंडलेश्वर योग माता कैलादेवी (पूर्व नाम कैको आइकावा) के करीब 150 जापानी शिष्य 26 जनवरी को महाकुम्भ में आकर गंगा में डुबकी लगाएंगे।जापान मूल की कैको आइकावा को कैलादेवी नाम जूना अखाड़ा ने दिया था और वह ब्रह्मलीन पायलट बाबा की गुरु बहन हैं।जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरि महाराज ने पीटीआई-भाषा को बताया, जापान से करीब 150 लोगों का प्रतिनिधिमंडल महाकुम्भ में स्नान और माता जी के सानिध्य में योग साधना करने के लिए 26 जनवरी को पायलट बाबा शिविर में पहुंचेगा।

उन्होंने बताया कि जापानी प्रतिनिधियों के लिए शिविर में विशेष भोजनशाला तैयार की जा रही है जहां पूर्ण शाकाहार वैदिक भोजन तैयार किया जाएगा। भोजन, जापान के लोगों के निर्देशन में यहीं के लोग तैयार करेंगे।शैलेशानंद गिरि ने बताया, योग माता 24 जनवरी को जापान से इस शिविर में पहुंच जाएंगी और कितने लोगों को वह दीक्षा देंगी, इस पर वह स्वयं निर्णय करेंगी। चूंकि इस महाकुम्भ में बाबा जी स्थूल रूप से उपस्थित ना होकर सूक्ष्म रूप से उपस्थित हैं, इसलिए इस बार शिविर में श्रद्धांजलि का माहौल है। उन्होंने बताया कि शिविर में शिवशक्ति यज्ञशाला का निर्माण किया जा रहा है जिसमें 25 से 30 देशों के लोग विश्व शांति के लिए आहुति देंगे। उन्होंने बताया कि बाबा जी के ज्यादातर शिष्य रूस और यूक्रेन के हैं जो इस यज्ञ में आहुति देंगे। शैलेशानंद गिरि ने बताया कि इसी तरह, जापान, कोरिया, इंडोनेशिया और बाली के लोग भी आहुति देंगे। उन्होंने कहा, बाह्य जगत में हम देखते हैं कि युद्ध का माहौल है, लेकिन वास्तविक जीवन में जननी जन्मभूमि की परिकल्पना में लोगों को आप यहां (इस शिविर में) मैत्री भाव में देखेंगे। बाबा जी द्वारा दिए गए प्रेम, विश्वास और शांति के त्रिगुणात्मक सूत्र को हम यहां क्रियान्वित होते देखेंगे। योग माता के बारे में उन्होंने बताया, कैको आइकावा पहले से ही सफल महिला रही हैं और जापान में उनके 50 से अधिक योग केंद्र चलते थे। सत्तर के दशक में उन्होंने भारत की कई बार यात्राएं कीं। उस दौरान जापान में भारत से पहुंचे एक योगी को समाधि लेते देख वह बेहद प्रभावित हुईं और बाबा जी से उनके संपर्क बढ़े और बाबा जी के गुरु हरि बाबा से उन्होंने दीक्षा और उनसे समाधि लेनी सीखी।

द्वारिका की शेष लीलाओं का वर्णन, सुदामा चरित्र पर डाला प्रकाश

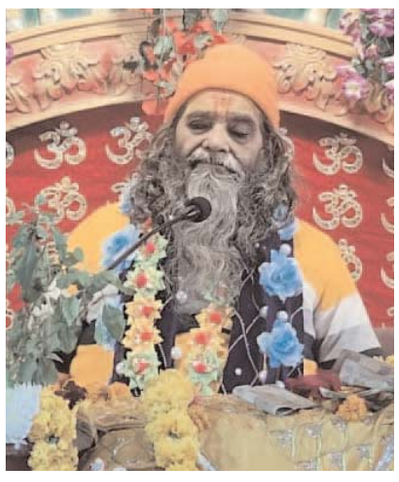

प्रयागराज। राधे कृष्णा एन्क्लेव श्यामा सदन लूकरगंज में चल रही भागवत कथा के 26वें वर्ष के अंतिम दिन मथुरा से पधारे हुए व्यास आसन पर विराजमान डॉ रामजी लाल शास्त्री ने द्वारिका की शेष लीलाओं का वर्णन करते हुए सुदामा चरित्र पर विशेष प्रकाश डाला। बताया कि सुदामा जी का यह व्रत था कि वह कभी किसी से मांगने नहीं जाते थे यहां तक ??कि 10 से 12 दिन हो जाते केवल जल पीकर निकल देते थे और प्रसन्न रहते थे अपनी पत्नी को नित्य श्रीकृष्ण के चरित्र सुनाते थे परंतु कभी भी यह नहीं बताते थे कि वे उनके मित्र हैं एक दिन जब सुदामा जी नदी के किनारे चले गए तब संतो ने पीछे से आकर यह रहस्य खोला कि द्वारकाधीश श्री कृष्ण सुदामा जी के परम मित्र हैं पत्नी के आग्रह पर सुदामा जी सूखे चावलों की एक छोटी सी पोटली लेकर कृष्ण दर्शन की लालसा में द्वारिका पहुंचे द्वारपालों के द्वारा खबर पाकर श्री कृष्ण सुदामा से मिलने राजमहल के द्वार तक दौड़े दौड़े आए और सम्मनपूर्वक उन्हें महल के अंदर ले गए और अपने आंसुओं से उनके चरण धोए और विश्वकर्मा जी को आदेश देकर क्षण भर में अपनी द्वारकापुरी की तरह सुदामा पुरी का निर्माण करा दिया।

अपार संपत्ति दे दी लेकिन कुछ बताया नहीं। नव योगेश्वरों की कथा में उन्होंने बताया कि भागवत धर्म सबसे ऊंचा धर्म है भगवान को प्रसन्न करने के लिए जो जो कर्म किए जाते हैं वे सब भागवत धर्म हैं। इसी प्रसंग में 24 गुरुओं की कथा पर प्रकाश डालते हुए बताते हैं कि यदि मनुष्य के अंदर श्रद्धा और जिज्ञासा है तो वह जड़ वास्तु से भी ज्ञान प्राप्त कर सकता है श्रद्धा और जिज्ञासा के अभाव में यदि ईश्वर भी ज्ञान देने आए तो वह उनसे भी लाभ नहीं ले पाएगा इसके उपरांत भगवान के धाम गमन लीला का वर्णन किया। अंत में कलयुग में भगवान के परम पवित्र नाम की महिमा का वर्णन एवं शुकदेव जी का पूजन मुख्य यजमान अतुल जी निगम एवं सुधा निगम ने किया । इसके बाद मार्कंडेय जी का चरित्र वर्णन करने के उपरांत श्रीमद भागवत गवत की अनुक्रमणिका सुनाई जिस से संपूर्ण श्रीमद् भागवत कथा का फल प्राप्त हो जाता है। सुनाकर कथा को विराम दिया और भागवत जी का समापन भागवत जी के पूजन के द्वारा हुआ। भागवत समिति के कार्यकारी अध्यक्ष निंबार्क आश्रम के महंत राधा माधव दास ने समस्त उपस्थित भक्तों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में अनुपम झा देवेंद्र प्रताप सिंह नटवरलाल भारतीय संतोष त्रिपाठी मुरारी लाल अग्रवाल राकेश अग्रवाल जितेंद्र सिंह मनीष द्विवेदी शरद अग्रवाल अमित यादव अवनीश दुबे आकांक्षा निगम बबिता यादव शालू श्रीवास्तव श्वेता झा गीता दीक्षित दीपमाला श्रीवास्तव सोनिका अग्रवाल आदि लोग शामिल रहे। यह जानकारी डॉ अखिल निगम संयोजक श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ समिति लूकरगंज प्रयागराज ने दी।

पेज 1 का शेष

पुलिस...

इससे पहले, आरोपी की 14 दिनों की हिरासत की मांग करते हुए, पुलिस ने उसकी हिरासत के लिए कई आधार बताए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अपराध के पीछे डकैती का मकसद था। चोरी की कोशिश तब नाकाम हो गई जब घर की नौकरानी ने उसे देखा और शोर मचाया, जिसके बाद सैफ अपने बेडरूम से बाहर आ गए। अभिनेता ने शरीफुल के प्रयास का विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों के बीच हाथापाई हुई जिसमें आरोपी हमलावर ने उसे छह बार चाकू मारा और इमारत से भाग गया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अपराध के बाद सैफ की इमारत से बाहर निकलने के बाद, शरीफुल सीधे बांद्रा रेलवे स्टेशन गया, जहां वह गुरुवार की सुबह चर्चगेट जाने वाली ट्रेन में सवार हुआ और दादर में उतरा, जहां से वह वर्ली में किसी स्थान पर पैदल गया। बाद में सुबह वह ठाणे चला गया। रास्ते में उसने कपड़े और अपना रूप बदला। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो क्लिप वायरल होते देखने के बाद, शरीफुल ने कथित तौर पर खुद को ठाणे के कासरवडावली इलाके के पास ठाणे क्रीक में छिपा लिया। पुलिस उपायुक्त ने कहा, तकनीकी जानकारी का उपयोग करते हुए, हमने आरोपी को ठाणे में पाया। मुंबई में अवैध रूप से प्रवेश करने के बाद वह एक हाउस-कीपिंग एजेंसी के लिए काम कर रहा था। उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और आगे की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब वह सैफ के घर में घुसा तो उसे नहीं पता था कि वह एक सेलिब्रिटी के घर में घुस गया है। संयोग से शरीफुल तीसरा व्यक्ति है जिसे मुंबई पुलिस ने सैफ पर जानलेवा हमले के सिलसिले में हिरासत में लिया है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने खुलासा किया था कि उन्होंने वारिस अली नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया, जबकि एक अन्य संदिग्ध का नाम आकाश कैलाश कनौजिया है जिसे उन्होंने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मुंबई-कोलकाता ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से गिरफ्तार किया। अली और कनौजिया दोनों ही असली आरोपी के 'क्लोन' थे, जो तीन दिनों तक फरार रहने के बाद अब हिरासत में है।

महाकुंभ...

की निगरानी के लिए तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। आग शाम करीब सवा 4 बजे लगी और 30 मिनट के भीतर दमकल कर्मियों ने आग को काबू किया। आग बुझाने के लिए अत्याधुनिक अग्निशमन उपकरणों से लैस 50 से अधिक दमकल गाड़ियों को लगाया गया था। प्रयागराज जोन के एडीजी भानु भास्कर ने मीडिया को बताया कि शुरुआती जांच में एलपीजी सिलेंडर फटना से आग लगने की बात सामने आई है। उन्होंने पुष्टि की कि किसी भी श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने अग्निशमन अधिकारियों और स्थानीय स्वयंसेवकों की त्वरित प्रतिक्रिया को कम से कम नुकसान का श्रेय दिया। प्रयागराज के जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे गीता प्रेस के शिविर में आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस, प्रशासन और अग्निशमन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। गीता प्रेस से लगे प्रयागवाल के करीब 10 तंबू में भी आग फैलने की सूचना मिली थी तथा स्थिति सामान्य हो गई है और किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारी वर्तमान में घटना की गहन जांच कर रहे हैं।

योगी ने महाकुम्भ में शंकराचार्य, संत-महात्माओं से की भेंट

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में पावन त्रिवेणी तट पर उमड़े आस्था के जनसमुद्र के बीच संत समागम का भी शुभ संयोग देखने को मिल रहा है। आम जन को विभिन्न परंपराओं के संत.महात्माओं के दर्शन हो रहे हैं तो यह संत समाज के लिए भी एक दूसरे से भेंट.मुलाक़ात का सुअवसर है।रविवार को ऐसे ही सुखद दृश्य देखने को मिलेए जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने पूज्य शंकराचार्य व अन्य संत.गणों के शिविर में जाकर सबका कुशल क्षेम पूछा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य शंकराचार्यों और संतगणों कि कृपा से महाकुम्भ सुचारू पूर्वक चल रहा है। उन्होंने शंकराचार्यों के आगमन को आयोजन के लिए मंगलमय बताया। उन्होंने कहा कि संतों के आगमन से महाकुम्भ की समस्त दिव्यता और भव्यता संभव है। भेंट.मुलाक़ात के दौरान मुख्यमंत्री ने पूज्य संतों और उनके अनुयायियों के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और किसी भी तरह की समस्या का तत्काल निराकरण करने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री सबसे पहले मेला क्षेत्र के सेक्टर.9 स्थित कर्षिणी आश्रम के गुरुशरणानंद जी और आचार्यबाड़ा के अध्यक्ष व मंत्री से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद वह प्रयाग सुमेरु पीठ के परम पूज्य संत जगद्गुरु शंकराचार्य वासुदेवानंद जी से मिलने उनके शिविर पहुंचे। वासुदेवानंद सरस्वती जी को प्रणाम कर महाकुम्भ और सनातन धर्म के लिए किये गये उनके योगदान के लिए साधुवाद दिया। महाकुम्भ में उनके अनुयायियों और शिविर के लिये मेला प्राधिकरण द्वारा की गई व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने पुरीपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती से शिष्टाचार भेंट की। उनकी कुशक्षेम पूछ कर महाकुम्भ में उनके आगमन को सनातन की जय बताया। इसके बाद उन्होंने शारदा द्वारिकापीठ शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी के दर्शन किये।

प्रदेश के हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने का अभूतपूर्व प्रयास है ओडीओपी प्रदर्शनीः सीएम

महाकुम्भनगर।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज दौरे पर मेला क्षेत्र में स्थापित ओडीओपी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। यहां पूरे प्रदेश से आए हस्तशिल्पियों के स्टॉल पर जाकर उन्होंने उनकी हौसलाअफ्जाई भी की। प्रदेश के इन हुनरमंद कारीगरों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने महाकुम्भ में ओडीओपी प्रदर्शनी को हस्तशिल्पियों के लिए अपने उत्पादों को शोकेस करने का अनुपम अवसर बताया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में देश और दुनिया से 45 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ रहे हैं। ओडीओपी प्रदर्शनी उनके सामने प्रदेश की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर भी है और इसके माध्यम से अपने उत्पादों की ब्रांडिंगए इनकम के साथ ही रोजगार पाने का भी यह सुनहरा अवसर है। सीएम योगी ने कहा कि यह प्रदर्शनी प्रदेश के हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने का अभूतपूर्व प्रयास है। उत्तर प्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ने पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ी है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से 45 दिन तक चलने वाले इस महाआयोजन में जिला स्तर के छोटे उद्यमी और कारीगर वैश्विक कारोबार की संभावनाएं तलाशेंगे। इससे उनके व्यापार को भी नए पंख लगेंगे और रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। प्रयागराज में संगम पर आयोजित इस महायोगिक उत्सव में 6000 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक जिलाए एक उत्पादए ;ओडीओपीद्ध की शानदार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यहां कालीनए जरी.जरदोजीए फिरोजाबाद के कांच के खिलौनेए बनारस के लकड़ी के खिलौने और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। 2019 में भी ओडीओपी प्रदर्शनी का आयोजन हुआ था और तब 4030 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ थाए जबकि इस बार 35 करोड़ रुपए तक के कारोबार की संभावना है। इससे रोजगार और छोटे उद्यमियों को नई दिशा मिलेगी। व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

पायनियर

नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

भारतीय निर्वाचन आयोग ने तकनीक की शक्ति का उपयोग किया : प्रधानमंत्री मोदी

भाषा । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को निर्वाचन आयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण ने जन-शक्ति को और ताकत देने के लिए तकनीक की शक्ति का उपयोग किया तथा निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्धता भी दिखाई है।मोदी ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की ताजा कड़ी में 25 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में कथित पक्षपात को लेकर विपक्ष की लगातार आलोचनाओं के बीच आयोग की सराहना की।भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी को हुई थी। इस दिन को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के

● **बोले पीएम- आयोग ने निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्धता दिखाई**

रूप में मनाया जाता है।प्रधानमंत्री ने कहा, मैं चुनाव आयोग को धन्यवाद दूंगा, जिसने समय-समय पर हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है और उसे मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए, तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। मैं चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव की उनकी प्रतिबद्धता के लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्षी दल चुनावी प्रक्रिया के कुछ पहलुओं और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता

पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने और इसे सशक्त बनाने के लिए बड़ी संख्या में मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील भी की।प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश में जब 1951-52 में पहली बार चुनाव हुए तो कुछ लोगों को संशय था कि क्या देश का लोकतंत्र जीवित रहेगा।उन्होंने कहा, लेकिन, हमारे लोकतंत्र ने सारी आशंकाओं को गलत साबित किया। आखिर भारत लोकतंत्र की जननी है। बीते दशकों में भी देश का लोकतंत्र सशक्त हुआ है, समृद्ध हुआ है। मोदी ने कहा कि मन की बात का यह कार्यक्रम इस महीने के अंतिम रविवार के बजाय तीसरे रविवार को आयोजित किया गया है क्योंकि अगले रविवार को गणतंत्र दिवस है। आम तौर पर यह कार्यक्रम महीने के आखिरी रविवार को होता है।उन्होंने कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है क्योंकि ए भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है।प्रधानमंत्री ने इस दौरान संविधान सभा में बहस के दौरान बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, राजेन्द्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संबोधनों के ऑडियो क्लिप का कुछ अंश भी सुनाया।उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने सभी के हित में मिलकर काम करने का आह्वान किया, जबकि प्रसाद ने मानवतावादी मूल्यों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और मुखर्जी ने अवसरों की समानता के विषय पर जोर दिया।मोदी ने कहा, हर देशवासियों को इन विचारों से प्रेरणा लेकर, ऐसे भारत के निर्माण के लिए काम करना है, जिस पर हमारे संविधान निर्माताओं को भी गर्व हो। उन्होंने अंतरिक्ष में भारत का पहला निजी उपग्रह समूह लॉन्च किए जाने और दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग सहित विज्ञान के क्षेत्र में हासिल हालिया उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि ए साबित करता है कि भविष्य की चुनौतियों का समाधान देने के लिए देश के वैज्ञानिक और नवोन्मेषक कितनी दूरदृष्टि रखते हैं।

तेदेपा के भीतर बढ़ी नारा लोकेश को आंध्र प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग

भाषा । अमरावती

सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के अंदर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे और मंत्री नारा लोकेश को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की मांग बढ़ रही है।लोकेश के पास वर्तमान में मानव संसाधन विकास और आईटी विभागों का जिम्मा है, जबकि जनसेना प्रमुख पवन कल्याण चंद्रबाबू नायडू नीत सरकार में एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं।आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष के रघु राम कृष्ण राजू ने कहा कि पार्टी नेताओं के बीच लोकेश को पदोन्नत करने की मांग तेज हो रही है। राजू ने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, तेदेपा कार्यकर्ता पार्टी महासचिव (लोकेश) को उपमुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं की राय है....। तेदेपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि लोकेश को पवन कल्याण के समकक्ष

पद पर पदोन्नत किया जाता है, तो जनसेना को कुछ चिंता हो सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री को लेना है। उन्होंने यह भी कहा कि समय आने पर लोकेश को पार्टी और सरकार दोनों का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए। लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। यह मांग उनकी देखरेख में हाल ही में चलाए गए सदस्यता अभियान से उपजी है, जिसमें एक करोड़ सदस्य जुड़े। इसके अलावा, अब समय आ गया है कि लोकेश को पार्टी के भावी नेता के तौर पर पेश किया जाए। तेदेपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी की आंतरिक बैठक के दौरान लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाने पर विचार किया गया, हालांकि नायडू ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।जनसेना नेताओं से उनकी टिप्पणी के लिए फिलहाल संपर्क नहीं हो सका है।कडप्पा जिले के म्यदुकुर में एक बैठक में तेदेपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास रेड्डी ने भी मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से युवाओं और पार्टी समर्थकों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, इससे पार्टी का भविष्य उज्ज्वल होगा। वह राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए प्रयासरत हैं। लोगों ने भी इसे स्वीकार किया है। तेदेपा प्रवक्ता महासेना राजेश ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि लोकेश, जिन्होंने राज्य में राजग को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

महाकुम्भ में ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी

नई दिल्ली। प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ में केंद्र की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल के तहत फिरोजाबाद से कालीन, कांच के खिलौने और वाराणसी से लकड़ी के खिलौने जैसी वस्तुओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।बयान में कहा गया है कि ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने महाकुम्भ में एक स्टॉल लगाया है, जो उद्यमियों को अपने उत्पाद उनके मंच पर मुफ्त में बेचने का अवसर प्रदान करेगा।प्रयागराज मंडल के संयुक्त उद्योग आयुक्त शरद टंडन ने बताया कि 2019 में कुंभ मेले में 4.30 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था और इस बार यह कारोबार 35 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।इस पहल का उद्देश्य देश के हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना है।बयान के अनुसार, फिरोजाबाद से कालीन, जरी-जरदोजी, कांच के खिलौने, वाराणसी से लकड़ी के खिलौने और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण बन रहे है।

किसना ने बांटी 100 से ज्यादा खुशियों की चाबी

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने देशभर के 100 भाग्यशाली ग्राहकों को मारुति सेलेरियो कारें उपहार में दीं। ये कारें 11 शहरों में विजेताओं को एक साथ सौंपी गईं, जो अबकी बार आपके लिए कैंपेन के भव्य समापन का हिस्सा था। इस शानदार पहल में 51,219 से अधिक लोगों ने भाग लियाए जिससे यह न केवल किसना के इतिहास में बल्कि पूरे उद्योग में सबसे बड़ी मुहिमों में से एक बन गई। यह कैंपेन 1 सितंबर 2024 को शुरू हुआ और 18 जनवरीए 2025 को समाप्त हुआ। इसके तहत ग्राहकों को 20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम, या सॉलिटेयर ज्वेलरी खरीदने पर और 50,000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वेलरी खरीदने पर कार जीतने का मौका दिया गया था। ग्राहकों को एक लकी ड्रा में भाग लेने का विकल्प दिया गयाए जिसमें वे मारुति सुजुकी सेलेरियो जीत सकते थे। हरि कृष्णा ग्रुप के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि अबकी बार आपके लिए कैंपेन में ज्वेलरी खरीदारों की जबरदस्त भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हमारे ग्राहकों का किसना पर गहरा भरोसा और स्नेह है।

टीडीबी सबरीमला में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा

सबरीमला। त्रावणकोर देवस्व ओम बोर्ड (टीडीबी) कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) के तकनीकी सहयोग से एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा। यह विश्व का पहला पूर्णतः सौर ऊर्जा से संचालित हवाई अड्डा होने के लिए प्रसिद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, टीडीबी अधिकारियों ने इस संबंध में रविवार को सन्निधानम में सीआईएएल के प्रबंध निदेशक एस सुहास के साथ बैठक की। टीडीबी के अध्यक्ष पी एस प्रशांत ने कहा, हमने प्रारंभिक चर्चा की। उन्होंने कहा कि सीआईएएल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है और इस पहल के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। बैठक के बाद प्रशांत ने मीडिया को बताया कि टीडीबी, सीएसआर फंड का उपयोग करके सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। सबरीमला तीर्थ क्षेत्र मे बिजली का वितरण और संचरण वर्तमान में राज्य के स्वामित्व वाले केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) द्वारा किया जाता है। टीडीबी अधिकारियों के अनुसार, बोर्ड प्रतिवर्ष बिजली बिलों पर लगभग 15 करोड़ रुपए खर्च करता है और प्रस्तावित सौर संयंत्र से इस खर्च मे काफी कमी आने की उम्मीद है। सुहास ने कहा कि हवाईअड्डा कंपनी ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बिना कोई परामर्श शुल्क लिए सबरीमला में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की गतिविधि शुरू कर दी है। परामर्श प्रक्रिया दो महीने के भीतर पूरी हो जाएगी।

माकपा ने महिला पार्षद के अपहरण के आरोपों को खारिज किया

भाषा । कोच्चि

केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने यहां कूथाटुकुलम नगर पालिका में अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने से पहले, पार्टी की एक महिला पार्षद द्वारा लगाए गए अपहरण के आरोपों को रविवार को खारिज करते हुए कहा कि उन पर किसी तरह का हमला नहीं हुआ है। नगर पालिका परिसर के बाहर हुए नाटकीय घटनाक्रम के एक दिन बाद माकपा ने यह स्पष्टीकरण भी दिया कि महिला पार्षद कला राजू और उनके बच्चों को कुछ दिन पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अगवा कर लिया था। विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने से पहले शनिवार को एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) शासित नगर पालिका के बाहर उस समय नाटकीय दृश्य देखने को मिला, जब माकपा की महिला पार्षद कला राजू को प्रस्ताव पर वोट देने के लिए पहुंचते ही कथित तौर पर अगवा कर लिया गया।कूथाटुकुलम में माकपा के क्षेत्रीय सचिव पीबी रथीश ने रविवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया और दावा किया कि उन्हें (कला राजू) पार्टी के किसी कार्यकर्ता या नेता ने प्रताड़ित नहीं किया।उन्होंने कहा कि कला राजू 2020 में हुए नगर निकाय चुनावों के दौरान माकपा उम्मीदवार के रूप में पार्षद निर्वाचित हुईं थीं। रथीश ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि अब ऐसी खबर क्यों आई कि ऐसे व्यक्ति को मार्क्सवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अगवा कर लिया। उन्होंने कहा कि एलडीएफ ने पहले ही नगरपालिका में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग न लेने का फैसला किया था और नगरपालिका के 13 सदस्यों ने इस चर्चा से खुद को दूर रखा।

सिर्फ छह माह में आंध्र प्रदेश के लिए तीन लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई: शाह

भाषा । अमरावती

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आंध्र प्रदेश के लिए केवल छह महीनों में तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। शाह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के दक्षिणी परिसर और विजयवाड़ा के पास राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन के परिसर तथा अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हुडको और विश्व बैंक के माध्यम से अमरावती के विकास के लिए 27,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।शाह ने युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की पिछली सरकार पर कटाक्ष करते हुए आंध्र प्रदेश के लोगों से कहा कि वे बर्बाद हुए पांच वर्ष पर ध्यान न

दें।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायडू और प्रधानमंत्री मोदी राज्य के विकास के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर तेजी से प्रयास करते हुए मिलकर काम करेंगे।गृह मंत्री ने कहा, मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चंद्रबाबू नायडू के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। शाह ने एनडीआरएफ के बारे में कहा कि आज भारत आपदा प्रबंधन के मामले में विश्व स्तर पर अगुआ के रूप में उभरा है और आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।एनडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं के दौरान काम करता है, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) मानव निर्मित संकटों के दौरान लोगों की सेवा करने के लिए आगे आता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में 2024 के विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत के बाद राजग 2025 की शुरुआत में दिल्ली में भी सरकार बनाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री से राज्य के पूरी तरह से आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में आने तक केंद्र से निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने की अपील की।

अनचाही बेटी से आईएएस अधिकारी तक का सफर: महाराष्ट्र की अधिकारी ने चुनौती भरी यात्रा को याद किया

अमरावती। संजीता महापात्रा का अनचाही बेटी से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी तक का सफर धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ बाधाओं पर विजय पाने की कहानी है। महापात्रा महाराष्ट्र में अमरावती जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जिन्होंने जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। महापात्रा ने कुछ दिन पहले संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा था कि उनका जन्म ओडिशा के राउरकेला में एक गरीब परिवार में हुआ था और उनके जन्म से उनकी मां निराश हो गई थीं, जो उनकी बड़ी बहन के बाद एक बेटा चाहती थीं। अधिकारी (34) ने बताया कि उनके परिवार ने उन्हें लगभग छोड़ दिया था, लेकिन उनकी बड़ी बहन के आग्रह पर उनके माता-पिता ने उन्हें अपने पास रख लिया। महापात्रा का बचपन परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के कारण कठिनाइयों से भरा था। उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और छात्रवृत्तियों पर निर्भर रहना पड़ा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करने के बाद, उन्हें स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) में सहायक प्रबंधक की नौकरी मिली और इस अवधि के दौरान, उन्होंने अपने माता-पिता को उनके गांव में घर बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि अब उनके माता-पिता को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। महापात्रा की बचपन से ही आईएएस अधिकारी बनने की ख्वाहिश थी और अपने पति की प्रेरणा और समर्थन से 2019 में अपने पांचवें प्रयास में संघ लोक सेवा संघ (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की।

सिविल सेवा परीक्षा की उत्तर कुंजी, अंक सार्वजनिक करने के अनुरोध पर विचार के लिए न्याय मित्र नियुक्त

नई दिल्ली।उच्चतम न्यायालय ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा की उत्तर कुंजी, कट-ऑफ अंक और इसमें बैठने वाले अभ्यर्थियों के अंक सार्वजनिक करने का निर्देश देने संबंधी याचिका के निपटारे में मदद के लिए एक न्याय मित्र नियुक्त किया है। यूपीएससी ने 2023 की सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा सहित लगभग सभी पिछली परीक्षाओं में यह सुनिश्चित किया है कि अभ्यर्थियों के अंक, कट-ऑफ अंक और उत्तर कुंजी परीक्षा की पूरी प्रक्रिया खत्म होने के बाद ही सार्वजनिक की जाए। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले में मदद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को न्याय मित्र बनाया है और याचिकाकर्ताओं को उन्हें याचिका की एक प्रति सौंपने का निर्देश दिया है। पीठ ने 15 जनवरी को पारित आदेश में कहा,हमने अदालत में मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता से इस मामले में अदालत की सहायता करने का अनुरोध किया, जिसे गुप्ता ने विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं (17 यूपीएससी अभ्यर्थियों) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि विवरण सार्वजनिक न करने के यूपीएससी के आचरण में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर कुंजी, कट-ऑफ अंक और अभ्यर्थियों को मिले अंक सार्वजनिक किए जाते हैं, तो वे स्पष्ट एवं तर्कसंगत आधार पर गलत और अनुचित मूल्यांकन के खिलाफ उपलब्ध प्रभावी उपायों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए चार फरवरी की तारीख तय की। अदालत पिछले साल फरवरी में वकील राजीव कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका पर विचार करने पर सहमत हुई थी। याचिका में किसी भी गंभीर त्रुटि से लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा का हवाला देते हुए उत्तर कुंजी और अन्य विवरण सार्वजनिक करने का अनुरोध किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि अतीत में कई मुकदमों के बावजूद संघ लोक सेवा आयोग इस संबंध में कोई भी कारण बताने में नाकाम रहा है कि उसे पारदर्शिता बरतने से इतनी एलर्जी क्यों है। याचिका में दावा किया गया है कि लगभग हर राज्य लोक सेवा आयोग के साथ-साथ सभी उच्च न्यायालय और आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान), आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थान उत्तर कुंजी, कट-ऑफ अंक और अभ्यर्थियों को मिले अंकों को त्वरित तौर पर और समय पर सार्वजनिक करने की प्रक्रिया का पालन करते हैं।

उत्तराखंड के बागेश्वर में रोटी पर थूकने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

पिथौरागढ़। बागेश्वर में जारी उत्तरायणी मेले में लगाई गई खाने-पीने की एक दुकान में रोटी बनाते समय उसपर थूकने के आरोप में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है।बागेश्वर के पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने रविवार को बताया कि नुमाइश खेत मैदान पर लगे मेले में एक दुकान पर हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह कार्वाई की गई।उन्होंने कहा, बागेश्वर में उत्तरायणी मेले में स्नान करने आए श्रद्धालुओं को परोसी जा रही रोटियों पर दो युवकों द्वारा थूके जाने की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आने के बाद उसकी पुष्टि की गई।

गोमूत्र के औषधीय गुण बता रहे आईआईटी मद्रास के निदेशक कामकोटि का वीडियो वायरल

भाषा । चेन्नई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह गोमूत्र के औषधीय गुणों की कथित तौर पर सराहना करते देखे जा सकते हैं। वह गायों की देशी नस्ल की रक्षा करने और जैविक खेती अपनाने के महत्व पर बोल रहे थे। कामकोटि ने यहां मट्टू पोंगल (15 जनवरी 2025) के दिन गो संरक्षण शाला में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने यह टिप्पणी एक संन्यासी के जीवन से जुड़ा एक किस्सा सुनाते हुए की, जिसने तेज बुखार होने पर गोमूत्र का सेवन किया और ठीक हो गया था। निदेशक ने कथित तौर पर गोमूत्र के एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और पाचन सुधार गुणों के बारे में बात की और कहा कि यह बड़ी आंत से संबंधित बीमारी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम जैसी समस्याओं के लिए उपयोगी है तथा इसके औषधीय गुण पर विचार करने की हिमायत की। उन्होंने जैविक खेती के महत्व और कृषि तथा समग्र अर्थव्यवस्था में मवेशियों की स्वदेशी नस्लों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए यह टिप्पणी की। तर्कवादी संगठन द्रविड़ कषगम ने गोमूत्र संबंधी उनकी टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि यह सच्चाई के खिलाफ है और

शर्मनाक है। द्रमुक नेता टीकेएस एलंगोवन ने कामकोटि की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की मंशा देश में शिक्षा को खराब करने की है। थानथई पेरियार द्रविड़ कषगम के नेता के. रामकृष्णन ने कहा कि कामकोटि को अपने दावे के लिए सबूत देना चाहिए या माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो हम उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस नेता कार्ति पी. चिदंबरम ने कामकोटि की टिप्पणी की निंदा की और कहा, आईआईटी मद्रास के निदेशक द्वारा इस तरह की बात का प्रचार किया जाना अनुचित है। डीके नेता काली पूंगुंद्रन ने एक अध्ययन का हवाला दिया और कहा कि इससे पता चला है कि गोमूत्र में हानिकारक बैक्टीरिया थे और यह सीधे मानव उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा कि यह एक प्रतिगामी राय है।

बिहार में जाति सर्वेक्षण फर्जी के बयान पर राहुल पर बरसा राजग

भाषा । पटना

बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर राज्य में नीतीश कुमार सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण को फर्जी बताने के लिए निशाना साधा। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार बिहार के दौरे पर आए राहुल गांधी ने शनिवार को देश भर में जाति जनगणना कराने का संकल्प लिया और कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि यह कवायद बिहार में 2022-23 में की गई जाति सर्वेक्षण की तरह फर्जी न हो... इसका उद्देश्य लोगों को मूर्ख बनाना न हो। राजग में घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता और राज्य में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम ऐसे नेता से कुछ बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकते जो भारत सरकार और भारतीय राज्य के बीच अंतर करने में असमर्थ हैं। उनका इशारा दिल्ली में राहुल गांधी द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी की ओर था, जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम में कांग्रेस के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज की गई है। चौधरी ने गांधी को याद दिलाया कि उनकी पार्टी शुरू से ही जाति सर्वेक्षण का समर्थन करती रही है। सरकार भी ठोस सबूतों के साथ विसंगतियों को दूर करने के लिए तैयार रही है। ऐसी पृष्ठभूमि में, गांधी की टिप्पणी हास्यास्पद लगने वाली बातें कहने की उनकी प्रवृत्ति का एक और उदाहरण है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हाल ही तक राहुल गांधी बिहार के जाति सर्वेक्षण का श्रेय लेते थे। उनका इस सर्वेक्षण को फर्जी कहना हैरान करने वाला है। बिहार सरकार में मंत्री और भाजपा की बिहाई इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने राहुल का मखौल उड़ाते हुए कहा, जाति आधारित गणना पर बोलने से पहले राहुल गांधी को हमें बताना चाहिए कि वह किस जाति से हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार सरकार द्वारा अक्टूबर 2023 में जब सर्वेक्षण के नतीजों को सार्वजनिक किया गया तब कांग्रेस नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में साझेदार थी। सर्वेक्षण में दलितों और पिछड़े वर्गों की जनसंख्या प्रतिशत में वृद्धि रेखांकित हुई। राहुल गांधी के बयान पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दावा किया कि पार्टी के शीर्ष नेता का आशय यह रेखांकित करना था कि सर्वेक्षण को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रकाशित होने के तुरंत बाद नीतीश कुमार ने हमें छोड़ दिया और भाजपा से हाथ मिला लिया। तब से वह अपने कदम पीछे खींच रहे हैं, जिससे उनकी मंशा पर सवाल उठता है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आलोक में दलितों और पिछड़ों के लिए कोटा बढ़ाया गया था।

यूसीसी राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण कदम, क्रियान्वयन से पहले आम सहमति की जरूरत: गोगोई

सूरत। पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को राष्ट्रीय एकीकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम बताया तथा इसके क्रियान्वयन से पहले आम सहमति बनाने की जरूरत पर बल दिया। राज्यसभा सदस्य गोगोई ने रविवार को यहां सूरत लिटफेस्ट 2025 में एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार चुनाव होने से शासन प्रभावित होता है, प्रशासन और वित्त पर दबाव पड़ता है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं समान नागरिक संहिता को एक बहुत ही प्रगतिशील कानून के रूप में देखता हूं जो विभिन्न पारंपरिक प्रथाओं की जगह लेगा जो कानून बन गए हैं। गोगोई ने कहा कि इस बात पर कोई बहस नहीं है कि यह एक संवैधानिक लक्ष्य है और अनुच्छेद 44 में वर्णित है। गोगोई ने कहा कि अगर यूसीसी को लागू किया जाता है, तो इससे सभी नागरिकों के लिए एक ही तरह का व्यक्तिगत कानून होगा, चाहे उनकी आस्था कुछ भी हो। यह विवाह, तलाक, गोद लेने, विरासत और भरण-पोषण जैसे मामलों पर लागू होगा। भारत में समान नागरिक संहिता सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लगातार चुनावी घोषणापत्रों का एक प्रमुख एजेंडा रहा है। उन्होंने एक सत्र के दौरान कहा, मुझे लगता है कि सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है, और हमें एक बात पर स्पष्ट होना चाहिए- इसका धर्म के पालन से संबंधित अनुच्छेद 25 और 26 के साथ कोई टकराव नहीं है। सत्र के दौरान गोगोई ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। गोगोई ने कहा कि गोवा में यूसीसी शानदार तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आम सहमति बनाने और गलत सूचनाओं को रोकने की जरूरत है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश के अनुसार यूसीसी का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी शाहबानो मामले से लेकर मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ता मांगने के अधिकार से संबंधित पांच मामलों में कहा कि सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। समान नागरिक संहिता देश को एकजुट करने तथा सामाजिक न्याय को प्रभावित करने वाले नागरिक और व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले विभिन्न कानूनों के कारण लंबित मामलों से निपटने का एक तरीका है।

ग्लोबल एक्सपो में आयशर ने नवाचार को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली। वीई कमर्शियल व्हीकल्स की व्यावसायिक इकाई आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने अपनी इलेक्ट्रिक फर्स्ट छोटे व्यावसायिक वाहनों एससीवी की रेंज आयशर प्रो एक्स भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च की। कंपनी की यह नवीनतम रेंज तेजी से बढ़ रहे 2 से 3०50 टी सेगमेंट मेंए आयशर का शानदार प्रवेश है जो अंतिम कड़ी के परिवहन की ज़रूरतों को पूरा करने और इसे बढ़ावा देने के आयशर के ध्येय को अंगीकृत करता है। इस अवसर पर वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ विनोद अग्रवाल ने कहा कि हमने हमेशा से उद्योगों को नवाचार युक्त बेहतरीन उपाय देने की हमारी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और लाइट और मीडियम ड्यूटी ट्रक्स में मज़बूत पकड़ की अपनी विरासत का फायदा उठाते हुए इस नई सीरीज को बनाया है। हमारे ग्राहकों के साथ मिलकर उनकी जरूरत के अनुरूप बनाया गया आयशर प्रो एक्सए स्मॉल कमर्शियल व्हीकल के क्षेत्र में नए झंडा गाढ़ देगा। यह हमारे मूल सिद्धांत नई सोच नए रास्ते का ही मूर्त रूप है। हमारे देश की ष्विकसित भारत की इस यात्रा में हमारा एससीवी सेगमेंट बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आयशर प्रो एक्स अंतिम कड़ी के लॉजिस्टिक्स में क्रांति लाने में वाहक होगा। वीई कमर्शियल व्हीकल के चीफ कमर्शियल ऑफिसर एसएस गिल ने बतायाए श्आयशर प्रो एक्स रेंज देश के अग्रणी लॉजिस्टिक पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाई गई है और यह ई.कॉमर्सए एफएमसीजीए पार्सल और कूरियर और कोल्ड चैन लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्र की बदलती और चुनौती पूर्ण मांगों के लिए ही बनाया गया है। इसने हमें बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए समाधान लाने में मदद की जैसे की सबसे बड़ी कार्गो भरने की जगह अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ रेंज और ऊर्जा दक्षता, लंबे सर्विस इंटरवलए और चालकों के लिए सुरक्षा और आराम के सभी फीचर्स। यह आयशर प्रो एक्स सीरीज के छोटे ट्रक क्षेत्रानुसार ज़रूरतों को ध्यान में रखने हुए बनाए गए हैंए जिसमें रियल टाइम फ्लीट मैनेजमेंट और अप टाइम सपोर्ट भी ग्राहकों को मिलेगाए जो उनकी हर ज़रूरत को पूरा करे और हमारे ग्राहकों को होने वाले मुनाफे और लाभ को और भी बढ़ा दे। इंडस्ट्री 4.0 आधारित भोपाल प्लांट पर निर्मित आयशर प्रो एक्स सीरीज मेक इन इंडिया की भावना के साथ बना है।

ट्रंप के स्वाभाविक उत्तराधिकारी के तौर पर देखे जा रहे वेंस

भाषा। न्यूयॉर्क

उपराष्ट्रपति का पदभार संभालने जा रहे जेडी वेंस को अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा देने वाले नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वाभाविक उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। वेंस पहले ऐसे मिलेनियल्स हैं जो उपराष्ट्रपति बनेंगे। मिलेनियल्स उन्हें माना जाता है जिनका जन्म 1981 से 1997 के बीच हुआ है। तकनीक और आपदा राहत से लेकर आव्रजन तक, रुचि के उनके कई क्षेत्र रहे हैं, लेकिन ओहायो के पूर्व सीनेटर वेंस के करीबी लोगों का कहना है कि वह अपनी भूमिका को, नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके आगामी प्रशासन के उनके एजेंडे को पूरा करने में सर्वोत्तम सहायता प्रदान करने के रूप में देखते हैं। वेंस को उनके कुछ पूर्ववर्तियों की तरह व्हाइट हाउस में कोई खास विभाग नहीं दिया गया है। उनसे कैपिटल हिल (संसद) के लिए संपर्क सूत्र बनने की भी उम्मीद की जा रही है, जो सीनेट में अपने दो वर्षों के दौरान बनाए गए संबंधों का लाभ उठाएंगे। सीनेटर बर्नी मोरेनो ने कहा, मैं कहूंगा कि जे डी वेंस वह व्यक्ति है जो किसी भी दूरियों को पाट देंगे। यह प्रशासन के लिए, ट्रंप के लिए फायदेमंद होगा। मोरेनो ने कहा कि वेंस ट्रंप के मुख्य संदेशवाहक के रूप में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान निभाई गई अपनी भूमिका को जारी रखेंगे, टेलीविजन चैनलों पर उनका बचाव करेंगे और पत्रकारों के सामने प्रशासन का पक्ष रखेंगे। मोरेनो ने कहा, उनका सबसे महत्वपूर्ण काम नव निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के लिए काम करना और उनका बचाव करना है। उन्होंने कहा कि जब ट्रंप को अपने लिए किसी की जरूरत होगी, तो जेडी वेंस को सामने करेंगे। किताब हिलबिली एलीगी के लेखक वेंस (40) के लिए आठ साल आश्चर्यजनक रहे हैं, जिन्होंने पूर्व उद्यमी और ट्रंप के मुखर आलोचक से उनके वफादार तक का सफर तय किया है। वेंस न केवल ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे, बल्कि उनकी राजनीतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। संविधान के अनुसार ट्रंप 2028 में चुनाव नहीं लड़ सकते, इसलिए वेंस स्वाभाविक उत्तराधिकारी होंगे। वेंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का ट्रंप का फैसला पहले तो विवादों में घिर गया था। वेंस को अपनी पूर्व की टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने उन महिलाओं का मजाक उड़ाया था जिनके बच्चे नहीं हैं।

ट्रंप ने भारत की संभावित यात्रा के संबंध में सलाहकारों से की बातचीत

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग के साथ संबंधों को सुधारने के लिए पदभार संभालने के बाद चीन की यात्रा पर जाना चाहते है, इसके अलावा उन्होंने भारत की संभावित यात्रा को लेकर भी सलाहकारों से बातचीत की है। मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी दी थी। ट्रंप, अपनी पत्नी मेलानिया और बेटे बैरन के साथ एक विशेष विमान से डलास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी खबर में बताया, ट्रंप ने सलाहकारों से कहा है कि वह पदभार संभालने के बाद चीन की यात्रा पर जाना चाहते हैं, ताकि प्रचार के दौरान चीन को दी गई अधिक शुल्क लगाने संबंधी चेतावनी के कारण शी चिनफिंग के साथ तनावपूर्ण हुए संबंधो को सुधारा जा सके। समाचारपत्र ने अपनी खबर में कहा, सूत्रों के अनुसार उन्होंने भारत की संभावित यात्रा के बारे में भी सलाहकारों से बात की है। सूत्रों के अनुसार, पिछले माह क्रिसमस के आसपास विदेश मंत्री एस जयशंकर की वाशिंगटन यात्रा के समय इस संबंध में कुछ बातचीत हुई थी।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे मुकेश, नीता अंबानी

भाषा। वाशिंगटन

उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में अमेरिका के कुछ सबसे प्रभावशाली अरबपतियों और राजनेताओं के साथ-साथ विदेशी नेताओं और मशहूर हस्तियों के भी शामिल होने की संभावना है।सूत्रों ने बताया कि 18 जनवरी को अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन पहुंचे अंबानी उन चुनिंदा 100 लोगों में शामिल थे, जिन्होंने कल शाम ट्रंप के साथ रात्रिभोज में भाग लिया था।वे शायद रात्रिभोज में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय थे, जहां उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित जेडी और उषा वेंस ने भी उनसे मुलाकात की। उन्होंने बताया कि अंबानी दंपति 20 जनवरी को ट्रंप परिवार के निजी आमंत्रित सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को टिप्पणी लिए इस बारे में भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है।अंबानी परिवार के ट्रंप परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। सबसे अमीर भारतीय उस समय मौजूद थे जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप 2017 में वैश्विक उद्यमिता सम्मेलन के लिए हैदराबाद आई थीं। इवांका उस समय राष्ट्रपति ट्रंप की सलाहकार थीं। इवांका, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी सबसे बड़ी बेटी अरबेला रोज उन मशहूर हस्तियों में शामिल थीं, जो मार्च, 2024 में गुजरात के जामनगर में अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत और मंगेतर राधिका मर्चेंट के तीन दिवसीय विवाह-पूर्व समारोह में शामिल हुए थे। कई धनी दानदाताओं ने ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंच और वीआईपी सुविधा पाने के लिए ट्रंप की उद्घाटन समिति को अधिकतम 10 अमेरिकी डॉलर लाख का योगदान देने का संकल्प लिया है, लेकिन अंबानी परिवार को ट्रंप परिवार द्वारा व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है। ट्रंप का दूसरा शपथ ग्रहण समारोह सितारों से भरा रहने का अनुमान है। राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ-साथ उनके पति, प्रथम महिला जिल बाइडन और सेकेंड जेंटलमैन डग एमहॉफ, तथा पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है।विश्व के तीन सबसे धनी व्यक्ति- प्रौद्योगिकी उद्यमी और ट्रंप के सबसे मुखर समर्थक एलन मस्क, अमेज़न के संस्थापक जेफ बेजोस, एप्पल के सीईओ टिम कुक और फेसबुक की मूल कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को समारोह में प्रमुख स्थान मिलेगा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में चरमपंथियों ने पुलिस चौकी को आग लगाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में चरमपंथियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला करके उसे आग लगा दी। यह प्रांत वर्षों से हिंसा की चपेट में है। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, शनिवार को मोटरसाइकिल पर सवार चरमपंथियों ने केच जिले के तुरबत शहर के बाहरी इलाके में पुलिस चौकी पर हमला किया। पुलिस अधिकारियों से सरकारी हथियार, रेडियो और अन्य उपकरण जब्त करने के बाद चरमपंथियों ने चौकी पर तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया, जांच चौकी पूरी तरह से जलकर राख हो गई।

सरकार की समयसीमा का पालन किया जाएगा: बांग्लादेश निर्वाचन आयोग

ढाका। बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि वह अंतरिम सरकार द्वारा निर्धारित समय पर आम चुनाव कराएगा। उसने साथ ही स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से चुनाव कराए जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने यह टिप्पणी एक कार्यक्रम के दौरान की।संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के तहत मतदाता सूचियों को अद्यतन करने के लिए आवश्यक तकनीकी उपकरण सौंपे गए।निर्वाचन आयोग को यूएनडीपी से आंकड़ों के संग्रहण के लिए 175 लैपटॉप, 200 स्कैनर और 4,300 बैग प्राप्त हुए।समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24 ने सीईसी के हवाले से कहा, हम माननीय मुख्य सलाहकार द्वारा घोषित समय-सीमा पर ध्यान केंद्रित कर रहे है और इस दिशा मे काम कर रहे है। पिछले महीने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि देश मे अगला आम चुनाव 2025 के अंत तक या 2026 के शुरुआत महीनो मे हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा था कि चुनाव का समय काफी हद तक राजनीतिक आम सहमति और उससे पहले किए जाने वाले सुधारों की सीमा पर निर्भर करेगा। नासिर उद्दीन की यह टिप्पणी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की उस मांग के कुछ दिन बाद आई है जिसमे उसने कहा था आम चुनाव इस साल जुलाई या अगस्त तक करा लिए जाएं।

गाजा युद्धविराम के कारण घर लौटने लगे फलस्तीनी

भाषा। खान यूनिस (गाजा पट्टी)

इजराइल और हमास के बीच रविवार को संघर्ष विराम समझौता पूरी तरह से लागू होने से पहले ही फलस्तीनी, युद्धग्रस्त गाजा पट्टी स्थित उन घरों के अवशेष की तरफ लौटना शुरू कर दिया है, जिन्हें उन्हें 15 महीने लंबे युद्ध के दौरान खाली करना पड़ा था। मिस्र से लगी गाजा पट्टी की दक्षिणी सीमा के उत्तर में मुवासी के विशाल तम्बू शहर में रह रहीं मजीदा अबू जराद ने बहुत तेजी से अपने परिवार के तम्बू की सामग्री को पैक करने का काम पूरा कर लिया। युद्ध की शुरुआत में उन्हें गाजा के उत्तरी शहर बेत हनौन स्थित अपने घर से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जहां वे गर्मियों की शाम में गुलाब और चमेली की खुशबू के बीच रसोई की मेज के आसपास या छत पर अक्सर एकत्र होते थे। इजराइली सेना द्वारा एक के बाद एक निकासी आदेश के बाद अबू जराद, उनके पति और उनकी छह बेटियों ने गाजा पट्टी की लंबी यात्रा की है। उन्होंने कहा कि वे (परिवार के लोग) सात बार भागे और हर बार उनका जीवन उनके लिए और अधिक अपरिचित हो गया, क्योंकि वे स्कूल के कमरों में सोने के लिए अजनबियों के साथ भीड़ में शामिल होते थे, एक विशाल तम्बू शिविर में पानी की तलाश करते थे या सड़क पर सोते थे। अब यह परिवार जो कुछ भी बचा है उसकी ओर रवाना होने की तैयारी कर रहा है और अपने रिश्तेदारों से दोबारा मिलना चाहता है। अबू जराद ने कहा, जैसे ही उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम रविवार को शुरू होगा, हमने अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया और निर्णय करने लगे कि हम क्या ले जाएंगे, बिना इस बात की परवाह किए कि हम अब भी तंबू में रहेंगे। गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला किया, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 लोगों का अपहरण कर लिया गया। लगभग 100 बंधक अब भी गाजा के अंदर हैं, जिनमें से कम से कम एक तिहाई को मृत माना जा रहा है। इजराइली सेना की बमबारी ने गाजा के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया है और इसके 23 लाख निवासियों में से 19 लाख लोग विस्थापित हो गए। युद्धविराम के आधिकारिक तौर पर प्रभावी होने से पहले ही कई फलस्तीनियों ने अपने घरों तक पहुंचने के लिए मलबे के बीच से यात्रा शुरू कर दी। कुछ लोग पैदल जाते दिखे, तो कुछ लोग गधा गाड़ियों पर अपना सामान ढो रहे थे।एक विस्थापित फलस्तीनी और दो बच्चों के पिता मोहम्मद महदी ने कहा, वे मलबे में दबे अपने प्रियजनों को निकालने के लिए लौट रहे हैं। कुछ महीने पहले उन्हें गाजा शहर के दक्षिण-पूर्वी जायतौन इलाके में अपना तीन मंजिला घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। पश्चिमी गाजा से मलबे के बीच चलते हुए महदी रविवार सुबह अपने घर पहुंचने में कामयाब रहे। महदी ने कहा कि उन्होंने हमास द्वारा संचालित पुलिस बल को गाजा शहर में सड़कों पर तैनात होते हुए देखा, जो लोगों को उनके घर लौटने में मदद कर रहे थे। विधवा (48) और छह बच्चों की मां उम साबेर अपने गृहनगर बेत लाहिया लौट आई हैं। साबेर ने फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि उसके परिवार को घर लौटते समय सड़क पर शव मिले थे, जिनमें से कुछ तो हफ्तों से खुले में पड़े हुए प्रतीत हो रहे थे।

पाकिस्तान में खैबर-पख्तूनख्वा सरकार ने कुर्म जिले के अशांत इलाकों में अभियान शुरू किया

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने पाराचिनार में मदद सामग्री ले जा रहे सहायताकर्मियों के काफिले पर हमले के बाद कुर्म जिले के अशांत इलाकों में रविवार को एक अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि सड़कों को सुरक्षित करने और क्षेत्र में स्थाई शांति कायम करने के लिए निचले कुर्म जिले की चार ग्राम परिषदों-बागान, मंदोरी, चपरी और चप्रीपाओ में यह अभियान शुरू किया गया, जहां नवंबर से जारी सांप्रदायिक झड़पों में दर्जनों लोग मारे जा चुके है। उन्होंने कहा, खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने कुर्म जिले के अशांत इलाकों में आधिकारिक तौर पर अभियान शुरू करने की घोषणा की है। यह फैसला एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें प्रांत के मुख्य सचिव, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) और अन्य अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों के मुताबिक, बैठक में बिना किसी भेदभाव के आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने का फैसला लिया गया। उन्होने कहा कि सरकार शांतिपूर्ण तत्वों का समर्थन करती है और उत्पीड़कों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, उपायुक्त अशफाक अहमद ने थाल और हंगू में विस्थापित लोगों के लिए शिविर स्थापित करने के वास्ते शनिवार को एक अधिसूचना जारी की। अधिकारियों ने कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ कार्वाई में सुरक्षा बल पुलिस और नागरिक प्रशासन की मदद करेंगे और सरकार को संदेह है कि कुछ शरारती तत्व नागरिकों के बीच घुसपैठ कर चुके है। कुर्म में पिछले साल नवंबर में शिया और सुन्नी समुदाय के बीच छिड़ी सांप्रदायिक हिंसा में अब तक कम से कम 130 लोगों की जान जा चुकी है। क्षेत्र में हफ्तों तक सड़कों की नाकाबंदी के कारण भोजन और दवा की भारी कमी होने की खबर है। एक जनवरी को संघर्षरत समुदाय के बीच एक शांति समझौता हुआ, लेकिन पाराचिनार को जोड़ने वाला मार्ग अभी भी अवरुद्ध है। शांति समझौते के तहत निवासियों ने 15 दिनों के भीतर चरणबद्ध तरीके से हथियार त्यागने का वादा किया, जबकि स्थानीय बंकरों को नष्ट करने का काम फरवरी 2025 तक पूरा किया जाना है। हालांकि, जनवरी में कुर्म जिले में सहायता काफिलों पर बार-बार हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लोग हताहत हुए। बृहस्पतिवार को पाराचिनार जा रहे 35 वाहनों के एक सहायता काफिले पर बागान में हमला किया गया, जिसमें पांच चालकों, एक यात्री और दो सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, जिला प्रशासन ने कहा था कि जवाबी कार्रवाई और हेलीकॉप्टर से की गई गोलाबारी में छह हमलावर मारे गए। हालांकि, कुछ लोग अब भी लापता बताए जा रहे है। व्यापारिक समुदाय के अनुसार, 35 में से 33 ट्रकों को बागान और आसपास के इलाकों में ले जाया गया, जबकि 12 वाहनों में आग लगा दी गई।

अमेरिका में प्रतिबंध लागू होने के बाद टिकटॉक बंद

ह्यूस्टन। अमेरिका में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाला संघीय कानून प्रभावी होने से कुछ घंटे पहले ऐप को बंद कर दिया गया। ऐप शनिवार को बंद किया गया। अमेरिकी उपयोगकर्ताओं को ऐप खोलने पर एक संदेश मिला जिसमें लिखा था, अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का कानून पारित किया गया है। इसका मतलब है कि दुर्भाग्य से आप अब टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। संदेश में लिखा था, हम भाग्यशाली हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह पदभार संभालने के बाद टिकटॉक को बहाल करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेंगे। तब तक के लिए हमारे साथ बने रहिए। एक ओर, बाइडन प्रशासन ने टिकटॉक को बंद करने की धमकी को एक स्टंट बताकर खारिज कर दिया तो दूसरी ओर टिकटॉक ने कहा कि स्पष्ट आश्वासन के बिना, उसके पास अमेरिका में अपनी सेवाओं को निलंबित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद टिकटॉक को बहाल करने के लिए एक समाधान पर काम करने की मंशा व्यक्त की है। टिकटॉक ने आश्वासन दिया कि टीमें जल्द से जल्द सेवाएं फिर से शुरू करने के लिए काम कर रही है। शनिवार शाम को स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे टिकटॉक और कैपकट दोनों ऐप पर एक चेतावनी दिखाई दी जिसमें लिखा था, टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाला अमेरिकी कानून 19 जनवरी को प्रभावी होगा, हमें खेद है कि इसकी वजह से हमें अपनी सेवाओं को अस्थाई रूप से निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हम यथाशीघ्र अमेरिका में अपनी सेवा बहाल करने के लिए काम कर रहे है। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। बने रहें। स्थानीय समयानुसार रात 10:30 बजे तक उपयोगकर्ताओं को दोनों ऐप्स तक पहुंचने से रोक दिया गया, टिकटॉक ने एक संदेश प्रदर्शित किया कि ऐप अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के शासनकाल में समाधान की उम्मीद है।यह निर्णय प्लेटफॉर्म के भविष्य को लेकर कई दिन से जारी अटकलों और असमंजस के बाद लिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से विनिवेश-प्रतिबंध कानून को बरकरार रखा और टिकटॉक की चीन में स्थित मूल कंपनी बाइटडांस को ऐप में विनिवेश करने के लिए रविवार तक का समय दिया। ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह संभवतः टिकटॉक को 90 दिन का समय देंगे।

दावोस में डब्ल्यूईएफ की बैठक में दिखेगी भारत की विविधता में एकता की झलक

● अश्विनी वैष्णव भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे

भाषा। दावोस

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सोमवार से यहां शुरू हो रही पांच दिन की बैठक में भारत की विविधता में एकता पूरी झलक देखने को मिलेगी। डब्ल्यूईएफ में सोमवार से दुनिया के अमीर और ताकतवर लोग जुटेंगे। भारत इस बार अपना अबतक का सबसे बड़ा दल दावोस भेज रहा है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पांच केंद्रीय मंत्री, तीन मुख्यमंत्री और कई राज्यों के मंत्रियों के साथ ही करीब 100 मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), सरकार, नागरिक समाज और कला और संस्कृति के क्षेत्रों से जुड़े दिग्गज शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे। उन्होंने दावोस रवाना होने से पहले कहा विश्व आर्थिक मंच में हमारी विचार प्रक्रिया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियों, डिजिटल परिवर्तन और जिस तरह से भारत ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत एक नया डिजिटल ढांचा बनाया है, उसे समझने में बहुत रुचि है। वैष्णव के साथ चार केंद्रीय मंत्री – सी आर पाटिल, चिराग पासवान, जयंत चौधरी और के राम मोहन नायडू भी बैठक में शामिल होंगे। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री क्रमश: देवेंद्र फडणवीस, एन चंद्र बाबू नायडू और ए रेवंत रेड्डी भी बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और तमिलनाडु के टी आर बी राजा, केरल के पी राजीव सहित कई अन्य राज्यों के वरिष्ठ मंत्री भी यहां मौजूद रहेंगे। उत्तर प्रदेश की भी मौजूदगी दावोस में दिखेगी। यहां नेताओं में अभी से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। महाराष्ट्र सरकार ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में सात लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का लक्ष्य रखा है। वहीं तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी अपने मंत्रिमंडल के सहयोगी डी श्रीधर बाबू और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निवेश के अपने हिस्से की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा बैठक में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्य भी भाग ले रहे हैं।

डब्ल्यूईएफ की बैठक से पहले किले में बदला दावोस, हजारों सैन्यकर्मी तैनात

नई दिल्ली। यूरोप का सबसे ऊंचा शहर दावोस विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली लोगों की वार्षिक बैठक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) का पर्याय बन गया है और इसके लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होती है।स्विट्जरलैंड के लगभग 5,000 सैन्य कर्मियों ने इस छोटे से स्कीइंग रिजॉर्ट शहर को अपने नियंत्रण में ले लिया है, ताकि अगले सप्ताह के लिए इसके दुनिया के अमीर और शक्तिशाली मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इन सुरक्षा कर्मियों में ड्रोन और कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित उपकरणों जैसे नवीनतम गैजेट से लैस लोग भी शामिल हैं। हजारों सैनिकों की तैनाती के साथ ही इस छोटे से रिजॉर्ट शहर की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस और नागरिक कर्मियों की संख्या भी बढ़ गई है।स्विस सशस्त्र बलों ने एक बयान में कहा कि 2025 में सशस्त्र बल एक बार फिर डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक के संबंध में सुरक्षा कार्यों को पूरा करने में ग्राउबुन्डेन के कैंटन में स्थानीय अधिकारियों का समर्थन करेंगे।स्विस संसद ने 2025 से 2027 तक इस तरह के आयोजनों के लिए समर्थन अभियानों पर अधिकतम 5,000 सैनिकों की तैनाती को मंजूरी दी है। इस साल डब्ल्यूईएफ की बैठक 20-24 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। हालांकि, स्विस सेना का मिशन 14 से 30 जनवरी तक चलेगा।दावोस के केंद्र से 25 समुद्री मील (लगभग 46 किमी) की परिधि में स्विस, ऑस्ट्रियाई और लीकटेंस्टीन क्षेत्र में हवाई यातायात प्रतिबंधित रहेगा।क्षेत्रीय हवाई अड्डों और हेलिपोर्ट तक पहुंचने और वहां से प्रस्थान के लिए स्विस वायु सेना और संघीय नागर विमानन कार्यालय द्वारा तैयार किए गए विशेष नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए।केवल निर्दिष्ट दृश्य उड़ान मार्गों पर ही उड़ान भरी जा सकती है। ए सभी उड़ानें प्राधिकरण के अधीन होंगीअ प्राधिकरण के लिए पायलट और विमान दोनों की मान्यता आवश्यक है। मान्यता के बाद भी, प्रतएक उड़ान के लिए वायुसेना से अनुरोध किया जा सकेगा।

कुलीनतंत्र बनने की ओर अग्रसर अमेरिका: बाइडन

द कन्वरसेशन। ऑस्ट्रेलिया

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने विदाई संबोधन में चेतावनी दी कि अमेरिका में अत्यधिक धनबल, शक्ति और प्रभाव वाला एक कुलीनतंत्र (ओलिगार्की) आकार ले रहा है जो सचमुच हमारे पूरे लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस टिप्पणी से पता चलता है कि राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में सार्वजनिक नीति को आकार देने वाले लोग नहीं बल्कि अरबपति होंगे। ओलिगार्की सामाजिक संगठन का वह स्वरूप है जिसमें राजनीतिक शक्ति मुख्य रूप से धनवान अभिजात्य वर्ग के हाथों में होती है। निश्चित रूप से कुछ ऐसे साक्ष्य हैं जिनके आधार पर बाइडन की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और एक्स के मालिक एलन मस्क रिपब्लिकन उम्मीदवार के मुखर समर्थक रहे हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में जीत के बाद ट्रंप से मुलाकात करने वाले लोगों में मेटा के मार्क जुकरबर्ग, अमेजन के जेफ बेजोस, एप्पल के टिम कुक और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई शामिल हैं। क्या इन नए प्रौद्योगिकी दिग्गजों को कुलीन वर्ग माना जाना चाहिए?

कुलीनतंत्र क्या है?

आज भी हम जिन अनेक शैक्षणिक और वैज्ञानिक श्रेणियों का प्रयोग करते हैं, उनमें से कुलीनतंत्र को मूलत: यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने परिभाषित किया था। यदि संविधान भ्रष्ट हो गया और नेतृत्व ने केवल अपने स्वार्थ को आगे बढ़ाने के लिए काम किया तो अरस्तु ने उन्हें अत्याचार, कुलीनतंत्र और लोकतंत्र का नाम दिया। इसलिए अरस्तु के अनुसार कुलीनतंत्र एक भ्रष्ट शासन व्यवस्था है। यह तब होता है जब सत्ता कुलीन वर्ग के एक छोटे समूह के हाथों में होती है जो लोगों की भलाई के बजाय अपने हितों को आगे बढ़ाते हैं। अरस्तु के शब्दों में, लोकतंत्र भी सरकार का एक भ्रष्ट रूप है जिसमें बहुमत अपनी शक्ति का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए करता है। जब अमेरिका का निर्माण हुआ, तो इसके संस्थापक सदस्यों ने सर्वोत्तम संविधान बनाने के लिए अरस्तु, पॉलीबियस, सिसरो और अन्य प्राचीन विचारकों की ओर देखा। अरस्तु की परंपरा का पालन करते हुए, उन्होंने एक मिश्रित संविधान तैयार करने का प्रयास किया। लेकिन उनकी शक्ति पर कांग्रेस और न्यायपालिका द्वारा नियंत्रण रखा जाता है, जिस पर मीडिया और अंतत: नियमित चुनावों के माध्यम से जनता द्वारा नियंत्रण रखा जाता है।

आधुनिक कुलीनतंत्र

आधुनिक राजनीति में, कुलीन वर्ग शब्द का इस्तेमाल अक्सर रूसी संदर्भ में किया जाता है। वर्ष 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद, अवसरवादी दिग्गजों ने ऊर्जा कंपनियों और वित्तीय संस्थानों जैसी सरकारी संपत्तियों को खरीदकर बहुत ज्यादा धन कमाया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव भी मिला। हालांकि, 2000 में व्लादिमीर पुतिन के राष्ट्रपति बनने के बाद से रूस में निरंकुशता बढ़ती जा रही है। हालांकि अभी भी कुलीन वर्ग मौजूद है, लेकिन उनकी शक्ति पर लगाम लगाई गई है।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बारे में क्या?

कुलीनतंत्र की आशंका के बारे में बाइडन की चेतावनी के बावजूद, राजनीतिक वैज्ञानिक मार्टिन गिलेंस और बेंजामिन पेज ने 2014 में तर्क दिया था कि अमेरिका पहले से ही एक कुलीनतंत्र है। अमेरिका में उदार लोकतंत्र की सभी आवश्यक विशेषताएं मौजूद हैं (निष्पक्ष और नियमित चुनाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र प्रेस)। लेकिन गिलेंस और पेज को चिंता थी कि बड़े व्यवसायों और संपन्न नागरिकों के एक छोटे समूह का नीति पर असंगत प्रभाव पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया में भी यह तर्क दिया जा सकता है कि कुलीनतंत्र या तो उभर रहा है या पहले ही स्थापित हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था रूस के समान ही बड़ी है और अरबपतियों की सूची बढ़ती जा रही है, जिनका सरकारी नीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव प्रतीत होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में अरबपतियों के पास बहुत ताकत और प्रभाव है। अरस्तु के शब्दों में, कुलीनतंत्र की परिभाषित विशेषता यह है कि शासक अभिजात वर्ग अपनी स्थिति का उपयोग लोगों की भलाई के बजाय अपने निजी लाभ के लिए करता है।

हेज फंड के साथ रिपोर्ट साझा करने पर हिंडनबर्ग के नेट एंडरसन सवालों के घेरे में

टोरंटो। लगभग आठ साल पुरानी अपनी शोध-निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद करने की घोषणा करने वाले नेट एंडरसन कंपनियों को लक्षित करके रिपोर्ट तैयार करने में हेज फंड्स के साथ कथित संबंधों के लिए सवालों के घेरे में हैं। कनाडा के एक पोर्टल ने ओन्टारियो की एक अदालत में दायर दस्तावेजों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। हेज फंड ऐसी इकाई है, जो बड़े निवेशकों से राशि प्राप्त कर लाभ कमाने के लिए प्रतिभूतियों समेत विभिन्न मदों में निवेश करती है।एक जटिल मानहानि मुकदमे में ओन्टारियो सुपीरियर कोर्ट ऑफ जस्टिस में दायर दस्तावेजों के एक संग्रह में कनाडा के एन्सन हेज फंड के प्रमुख मोएज कासम ने कहा कि उनकी कंपनी ने हिंडनबर्ग के नैट एंडरसन सहित विभिन्न स्रोतों के साथ शोध साझा किया है।पोर्टल मार्केट फ्रॉड ने कहा कि अदालती दस्तावेजों से कथित तौर पर पता चला है कि हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट तैयार करते समय एन्सन के साथ मिलीभगत की थी। भागीदारी के खुलासे के बिना मंदी की रिपोर्ट तैयार करने पर अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया जा सकता है।जहां निवेश कंपनी प्रतिभूति उधार लेकर उसे खुले बाजार में बेचते हैं, तथा कंपनी के खिलाफ उनकी नकारात्मक रिपोर्ट के कारण शेयरों में गिरावट आने के बाद कम पैसे में उसे पुन: खरीदने की उम्मीद करते हैं, वहीं हेज फंड की संलिप्तता से संदेह पैदा होता है, क्योंकि वे भी समानांतर दांव लगा सकते हैं, जिससे शेयरों की कीमतों पर और अधिक दबाव पड़ सकता है।हालांकि, एन्सन और कासम से तत्काल संपर्क नहीं हो सका, तथा एंडरसन को भेजी गई ईमेल का भी कोई उत्तर नहीं मिला।वेबसाइट ने दावा किया, एंडरसन और एन्सन फंड्स के बीच ईमेल वार्तालापों से हम इस तथ्य को जानते हैं कि वह वास्तव में एन्सन के लिए काम कर रहा था और उन्होंने जो कुछ भी उससे कहा, उसे प्रकाशित कर दिया, लक्ष्य मूल्य से लेकर रिपोर्ट में क्या होना चाहिए और क्या नहीं होना चाहिए तक। उसने उनसे कई बार पूछा कि क्या उन्हें और चाहिए। दर्जनों शेयर बाजारों में हम जो देख सकते हैं, उससे पता चलता है कि कभी भी उसके पास संपादकीय नियंत्रण नहीं था। उसे बताया जा रहा था कि क्या प्रकाशित करना है। मार्केट फ्रॉड्स ने अपने आरोप के समर्थन में हिंडनबर्ग और एन्सन के बीच कुछ ईमेल संवादों के स्क्रीनशॉट भी साझा किए हैं, जिनके बारे में उसका दावा है कि उसे ए संवाद ओन्टारियो न्यायालय में उपलब्ध दस्तावेजों के माध्यम से प्राप्त हुए हैं।इसमें कहा गया है, एन्सन फंड्स और नैट एंडरसन दोनों के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के कई मामले हैं, तथा खबर लिखने के समय तक हमने केवल पांच प्रतिशत मामले की ही जांच की है। अब तक हमने जो पढ़ा है, उसके अनुसार यह लगभग निश्चित है कि जब हिंडनबर्ग और एन्सन के बीच का पूरा लेन-देन एसईसी तक पहुंचेगा, तो 2025 में नेट एंडरसन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया जाएगा।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

सबालेंका और जोकोविच, क्वार्टर फाइनल में

● आस्ट्रेलियन ओपन : गॉफ,अल्काराज व ज्वेरेव भी आगे बढ़े

भाषा। मेलबर्न

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मेलबर्न पार्क पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि पुरुष वर्ग में नोवाक जोकोविच, कार्लोस अल्काराज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं। सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। पुरुष वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से होगा। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में दो बार के उपविजेता रहे ज्वेरेव ने उगो हम्बर्ट को 6-1, 2-6, 6-3, 6-2 से जबकि पॉल ने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-1, 6-1, 6-1 से हराया। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच और तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज भी आगे बढ़ने में सफल रहे। क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने होंगे। ऑस्ट्रियाई ओपन के 10 बार के चैम्पियन जोकोविच ने विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज जिरी लेहेस्का को 6-3, 6-4, 7-6 से हराया तो वहीं अल्काराज ने जैक ड्रेपर के कूल्हे की समस्या के कारण दो सेटों के बाद हट जाने के कारण अंतिम आठ में जगह सुरक्षित की। महिला वर्ग में कोको गॉफ का लगातार सेटों में जीत दर्ज करने का सिलसिला टूट गया लेकिन वह अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। पिछली दो बार की चैंपियन सबालेंका ने रॉड लेवर एरेना में दिन के खेल की शुरुआत करते हुए 14वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा को 6-1, 6-2 से हराया और इस तरह से ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपनी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक बढ़ाया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में लगातार तीन खिताब जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी मार्टिना हिंगिस थी, जिन्होंने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। मैच के बाद सबालेंका ने एंड्रीवा को गले लगाया, भीड़ की ओर हाथ हिलाया और अपने पोलेरॉइड कैमरे से एक तस्वीर ली।

बोपन्ना-शुआई मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने रविवार को यहां दूसरे दौर के मैच में वॉकओवर मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और शुआई का मुकाबला अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और मोनाको के ह्यूगो निस से था, लेकिन यह चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी खेलने के लिए नहीं उतरी। इससे भारतीय-चीनी जोड़ी कोर्ट पर उतरे बिना ही अंतिम आठ में पहुंच गई। बोपन्ना और शुआई का अगला मुकाबला हंगरी की टिमिया बाबोस और अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो तथा ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना और शुआई की जोड़ी ने इससे पहले अपने शुरुआती मैच में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिग को 6-4, 6-4 से हराया था।

भारतीय महिला टीम खो-खो विश्व कप की चैंपियन बनी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम ने पहले खो-खो विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां नेपाल पर 78-40 की शानदार जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ियों ने यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गति, रणनीति और कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए मैच की शुरुआत से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। नेपाल ने टॉस जीतकर भारत को अटैक करने का न्योता दिया। कप्तान प्रियांक इंगले के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती टर्न में नेपाल को एक बार भी ड्रीम रन करने का मौका नहीं दिया और 34-0 की बढ़त बना ली। नेपाल ने दूसरे टर्न में अटैक करते हुए 24 अंक बनाकर वापसी की लेकिन इस दौरान बी चैत्रा ने ड्रीम रन पूरा कर भारत को भी एक अंक दिलाया। मध्यांतर के बाद भारत की बढ़त 35-24 की हो गई।भारतीय टीम तीसरे टर्न में अटैक करते हुए मैच पर पूरी तरह से हावी हो गई। टीम ने 73-24 की बढ़त के साथ जीत को लगभग पक्का कर लिया।चैत्रा ने चौथे टर्न में भी ड्रीम रन से पांच अंक जुटा कर नेपाल के खिलाड़ियों को परेशान किया। नेपाल की टीम इस टर्न में 16 अंक ही जुटा सकी।भारतीय महिला टीम ने ग्रुप चरण में दक्षिण कोरिया, ईरान और मलेशिया पर शानदार जीत दर्ज करने के बाद क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश और सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में हराया था।

चैंपियंस ट्रॉफी में सूर्यकुमार की कमी खलेगी : रैना

● वह एक्स-फैक्टर हो सकता था

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि भारत को आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की कमी खलेगी और वह टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते थे।रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। सूर्यकुमार और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया है जिसकी घोषणा शनिवार को की गई थी। वनडे विश्व कप 2023 में खेलने वाले छह खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाए। सूर्यकुमार और सिराज के अलावा जिन अन्य खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं मिली उनमें प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और इशान किशन शामिल हैं, जबकि रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, सूर्यकुमार विश्व कप टीम का अभिन्न अंग थे। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो मैदान के किसी भी स्थान पर शॉट मार सकता है। वह खेल के किसी भी चरण में नौ रन प्रति ओवर की दर से रन बना सकता है। वह अपने विशेष खेल से प्रतिद्वंदी टीम पर हावी होने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा, अगर सूर्यकुमार टीम में होता तो वह एक्स फैक्टर होता। टीम को उसकी कमी खलेगी। अब जिम्मेदारी चोटी के तीन बल्लेबाजों पर होगी जो कि अभी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। सूर्यकुमार एक ऐसा बल्लेबाज है जो किसी भी तरह की स्थिति में बल्लेबाजी कर सकता है। रैना ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर बनी अनिश्चितता और मोहम्मद शमी की लंबे समय के बाद वापसी को देखते हुए सिराज बेहतर विकल्प हो सकते थे। हालांकि उनका मानना है कि सिराज अभी टीम में जगह बना सकते हैं। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में सिराज ने अच्छी गेंदबाजी की थी लेकिन आप 12 फरवरी तक टीम में बदलाव कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो सिराज टीम में वापस आ सकते हैं।

शमी ने किया नेट सत्र में अभ्यास

कोलकाता। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला के शुरुआती मैच से पहले रविवार को यहां जब अपने तीन घंटे के अभ्यास सत्र के लिए एकत्र हुई तो सभी की नजरें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पर थी। चोट के कारण 14 महीने के लंबे अंतराल पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए शमी ने एक घंटे से अधिक समय तक पूरी लय मे गेंदबाजी की। अपने बाएं घुटने पर भारी पट्टी बांधकर शमी ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी मे शुरुआत मे छोटे रनअप के साथ धीमी गेंदबाजी की और फिर पूरे रनअप के साथ गेंदबाजी की गति को बढ़ाया। उन्होंने लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी करने के बाद क्षेत्ररक्षण अभ्यास मे भी हिस्सा लिया। शमी की फिटनेस को लेकर संदेह था। उन्होने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे युवा बल्लेबाजो को अपनी गति और सटीक लाइन लेंथ से परेशान कर हर तरह की चिंताओं को दूर किया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने उनके खिलाफ कुछ आक्रामक शॉट लगाए। गेंदबाजी अभ्यास खत्म करने के बाद उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से बातचीत की। शमी को टी20 टीम मे शामिल किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि टीम 19 फरवरी से दुबई और पाकिस्तान मे शुरू होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपने तेज आक्रमण को मजबूत करना चाहती है।

रीयल कश्मीर ने एससी बेंगलुरु को हराया

श्रीनगर। पाउलो सीजर के दो गोल की मदद से रीयल कश्मीर एफसी ने आईलीग फुटबॉल टूर्नामेंट मे रविवार को यहां एससी बेंगलुरु को 3-1 से शिकस्त दी। सीजर ने 28वें और 55वे मिनट मे गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया जबकि सेनेगल के अब्दुल करीम के गोल से टीम की बढ़त 3-0 हो गई। करीम के साथ भिड़ने के कारण एससी बेंगलुरु के गोलकीपर बिशन लाल को रेड कार्ड दिखाया गया और उन्हे मैदान से बाहर जाना पड़ा।

शाकिब के लिए गिरफ्तारी का वारंट जारी

ढाका। बांग्लादेश के ऑलराउंडर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के खिलाफ दो चेक बाउंस होने के मामले मे ढाका की एक अदालत ने रविवार को गिरफ्तारी का वारंट जारी किया। पिछले साल नागरिक अशांति के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा था जिसके बाद से शाकिब अपनी जान को खतरा होने के डर से बांग्लादेश नही लौटे है।

केप टाउन और पार्ल रॉयल्स ने अपने-अपने मैच जीते

केप टाउन। एमआई केप टाउन और पार्ल रॉयल्स ने लक्ष्य का अच्छी तरह से पीछा करते हुए यहां एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट मे शानदार जीत दर्ज की। एमआई केप टाउन ने जॉबर्ग सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर बोनस अंक हासिल किया।जॉबर्ग सुपर किंग्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान फाफ डु प्लेसी के 61 रन की मदद से पांच विकेट पर 172 रन बनाए।

नुनेज़ के दो गोल से लिवरपूल जीता

लंदन। डार्विन नुनेज़ के इंजरी टाइम मे किए गए दो गोल की मदद से लिवरपूल ने ब्रेंटफोर्ड को 20 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट मे शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की जबकि आर्सेनल ने दो गोल की बढ़त बनाने के बावजूद एस्टन विला से ड्रॉ खेला जिससे वह खिताब की दौड़ मे पिछड़ गया।लिवरपूल एक समय लगातार तीसरा मैच ड्रॉ खेलने की तरफ बढ़ रहा था लेकिन उरुग्वे के स्ट्राइकर नुनेज़ ने अतिरिक्त समय के पहले और तीसरे मिनट मे गोल करके उसकी जीत सुनिश्चित की।

बीएमडब्ल्यू का स्पोर्ट बाइक लोगों को जोड़ेगा

नई दिल्ली। नई बीएमडब्ल्यू एस 1000 आरआर भारत में ऑटो एक्सपो 2025 के दूसरे दिन लॉन्च कर दी गई है। यह बेहद लोकप्रिय सुपर स्पोर्ट बाइक देश में कंप्लीटली बिल्ट.अप यूनिट के रूप में उपलब्ध होगी। बुकिंग्स बीएमडब्ल्य मोटोराड डीलर नेटवर्क के माध्यम से शुरू हो चुकी है और डिलीवरी अप्रैल 2025 से शुरू होगी। विक्रम पावाह प्रेसिडेंट और सीईओ ए बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि नई बीएमडब्ल्यू एस 1000 आरआर ने लगातार सुधार और सफलता की अपनी असीम चाह को जारी रखते हुए अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत बनाना जारी रखा है। यह उन रेसिंग प्रेमियों की पसंदीदा बाइक है, जो नये स्तर का रोमांच ढूंढ रहे हैं। नई बीएमडब्ल्यू एस 1000 आर आर अपने शानदार ट्रैक परफॉर्मेंस के साथ सुपरबाइक्स का प्रतीक बन गई है। इंट्रोडक्ट्री एक्स.शोरूम कीमतें रूपये 21,10,00 है राइडर्स दो वैकल्पिक पैकेजेज .डायनैमिक और एम के साथ अपनी बाइक को और भी कस्टमाइज़ कर सकते हैं। डायनैमिक पैकेज आर आर की रेसिंग क्षमताओं को और अधिक प्रदर्शन और आराम के लिए बेहतर बनाता है। एम पैकेज आरआर की स्पोर्टिनेस को और अधिक मजबूत करता है। ग्राहकों को अपनी पसंद की बीएमडब्ल्यू मोटोराड मोटरसाइकिल्स खरीदने में सक्षम बनाने के लिये बीएमडब्ल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया कस्टमाइज्ड एवं लचीले वित्तीय समाधान पेश करेगी।

एक्सेलसेन और आन इंडिया ओपन बैडमिंटन के चैंपियन बने

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन और आन से-यंग ने रविवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकतरफा फाइनल में शानदार जीत दर्ज करके क्रमशः पुरुष और महिला एकल का खिताब हासिल किया। इससे पहले 2017 और 2019 में भी यहां चैम्पियन रहे एक्सेलसेन ने पुरुष एकल में पिछले साल के उपविजेता हांगकांग के ली चेउक यियू को 21-16 21-8 से हराया। दो बार के विश्व चैंपियन एक्सेलसेन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 के शुरुआती दौर में इस प्रतिद्वंद्वी से मिली शिकस्त की निराशा को पीछे छोड़ दिया। इंडिया ओपन में पिछले 10 साल में अपना छठा फाइनल खेलने वाले एक्सेलसेन ने चैम्पियन बनने के बाद कहा, सच कहूं तो यह खिताब जीतना मेरे लिए बहुत खास है। महिला एकल में आन से-यंग ने टूर्नामेंट में अपना प्रभावशाली खेल जारी रखते हुए पी चोचुवोंग को आसानी से 21-12, 21-9 से हरा दिया। गोह सेज फेई और नूर इजुद्दीन की मलेशिया की पुरुष जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में किम वोन हो और सियो सेउंग जे की कोरियाई जोड़ी को 21-15,13-21, 21-16 से हराया। मलेशिया की इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पराजित किया था।

भारत ने शुरू किया अंडर-19 महिला विश्व कप में जीत से आगाज

वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

भाषा। कुआलालंपुर

भारतीय अंडर 19 महिला टीम ने विश्व कप में अपने खिताब के बचाव का शानदार आगाज करते हुए रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट की प्रभावशाली जीत दर्ज की। भारत ने ग्रुप ए के इस मैच में वेस्टइंडीज की पारी को महज 44 रन पर समेटने के बाद 4.2 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। बाएं हाथ की स्पिनर पारुनिका (सात रन पर तीन विकेट) और आयुषी (छह रन पर दो विकेट) के साथ-साथ तेज गेंदबाज वीजे जोशीथा (छह रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी भी भारत ने यहां बयूमास ओवल में वेस्टइंडीज की टीम को 13.2 ओवर पर आउट कर दिया। वेस्टइंडीज के सिर्फ दो बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में रन बना सके। कैस्सार ने 29 गेंद में 15 जबकि सलामी बल्लेबाज असाबी कैलेंडर ने 12 रन का योगदान दिया। टीम के पांच बल्लेबाज खाता खोले बगैर आउट हुए। भारत ने विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमालीनि (13 गेंद में नाबाद 16 रन) और सानिका (11 गेंद में नाबाद 18 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से 94 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

मुंबई मैराथन में टेस्फे और चेपकेमोई ने खिताब जीते

मुंबई। इरीट्रिया के बेरहेन टेस्फे ने यहां मुंबई मैराथन में पुरुष वर्ग का जबकि कीनिया जॉयस चेपकेमोई टेली ने महिला वर्ग का खिताब जीता। टेस्फे ने 42.195 किमी की दूरी को पूरा करने के लिए दो घंटे 11 मिनट और 44 सेकंड का समय लिया। इस 38 साल के धावक का यह पहला अंतरराष्ट्रीय पूर्ण मैराथन खिताब है। अफ्रीका के छोटे से देश इरीट्रिया के धावकों ने पुरुष वर्ग में पहले दो स्थान हासिल किए। टेस्फे के हमवतन केसेटे 2:11:50 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इथियोपिया के डेमेके (2:11:56) ने तीसरा स्थान हासिल किया। टेस्फे ने कहा, रेस का पहला हिस्सा सुचारू रूप से चला और मेरा ध्यान अपनी गति बनाए रखने पर था। 25 किलोमीटर के बाद मैंने रणनीति में बदलाव करते हुए समय को नजरअंदाज करना छोड़कर शीर्ष पर बने रहने की रणनीति पर ध्यान देना शुरू किया। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है। यह मेरी कड़ी मेहनत और प्रशिक्षण का प्रमाण है। इस बीच टेली ने 2:24:56 का समय लेकर महिलाओं का एलीट खिताब जीता। बहरीन की शिताए एशेते (2:25:29) दूसरे और इथियोपिया की मदीना डेमे (2:27:58) तीसरे स्थान पर रही।

सीआरपीएफने दूसरे दिन जीते पांच स्वर्ण

● सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो

● मेजबान उत्तर प्रदेश को 4 स्वर्ण

लखनऊ। सीआरपीएफ के खिलाड़ियों ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप .2025 के दूसरे दिन पांच स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमाई। मिनी इंडोर स्टेडियम राजाजीपुरम में आयोजित चैंपियनशिप में मेजबान उत्तर प्रदेश के लिए अनय यादवए नम्यता यादवए अंशिका मौर्या व प्रिया सिंह ने स्वर्ण पदक जीते। मेजबान ने आज 4 स्वर्णए 7 रजत व 11 कांस्य पदक जीते। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफइंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में आज सर्विसेज ने तीन स्वर्ण पदक जीते जबकि साई लखनऊ को 2 स्वर्ण एवं अरुणाचल प्रदेश व साई काशीपुर को एक.एक स्वर्ण मिले। सीनियर पुरुष अंडर.74 किग्रा वर्ग में सीआरपीएफके अनुराग कपूर ने स्वर्ण, जम्मू.कश्मीर की मन्नत शर्मा ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के कौशलेंद्र सिंह व राजस्थान के अर्जुन सोनी ने कांस्य पदक जीते। सीनियर महिला 73 किग्रा से अधिक वर्ग में सीआरपीएफ की सरजू बाला देवी ने स्वर्णए मध्य प्रदेश की द्रोणादुला श्रव्या ने रजत एवं राजस्थान की वसुंधरा व्यास व उत्तर प्रदेश की आकांक्षा सिंह ने कांस्य पदक जीते।सीनियर महिला अंडर.53 किग्रा वर्ग में साई लखनऊ की सीमा कनौजिया ने स्वर्णए मध्य प्रदेश की आकांक्षा पटेल ने रजत एवं उत्तर प्रदेश की तृप्ति कुमारी व आंचल यादव ने कांस्य पदक जीते। सीनियर पुरुष अंडर.54 किग्रा में सीआरपीएफ के शोभित शाह ने स्वर्णए मध्य प्रदेश के अभय ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के अनुराग कुमार व बिहार के प्रिंस कुमार ने कांस्य पदक जीते।सीनियर महिला व्यक्तिगत पूमसे ;30 वर्ष से कमद्ध में सीआरपीएफ की ममता कुमारी शाह ने स्वर्णए अरुणाचल प्रदेश की डोरिक गमोह ने रजत एवं बिहार की टिंवकल भारती व अरुणाचल प्रदेश की मार्पी बशर ने कांस्य पदक जीते। सीनियर मिक्स पेयर पूमसे ;30 वर्ष से कमद्ध में अरुणाचल प्रदेश के डोरिक गमोह व बादल दास ने स्वर्ण एवं उत्तर प्रदेश के प्रथम सिंह व दीपांशी प्रजापति ने रजत पदक जीते।सब जूनियर बालक अंडर.50 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश के अनय यादव ने स्वर्णए उत्तर प्रदेश के अंशु कुमार ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के अमित विक्रम ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालक अंडर 180 सेमीवर्ग में सर्विसेज के आर्यवीर ने स्वर्ण उप्र के अथर्व गुप्ता ने रजत एवं उत्तराखंड के आयुष सैनी व उत्तर प्रदेश के चैतन्य शिखर ने कांस्य पदक जीते।

साजिद के पांच विकेट से पाक ने वेस्टइंडीज को 127 रन से हराया

मुल्तान (पाकिस्तान)। ऑफ स्पिनर साजिद खान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में नौ विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान ने रविवार को यहां तीसरे ही दिन 127 रन से जीत दर्ज की।पहली पारी में चार विकेट चटकाने के बाद साजिद ने दूसरी पारी में भी 50 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान के 251 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम स्पिनर की अनुकूल पिच पर दूसरी पारी में 123 रन पर ढेर हो गई।लेग स्पिनर अबरार अहमद ने भी 27 रन देकर चार विकेट हासिल किए जिससे वेस्टइंडीज की पारी 36.3 ओवर तक ही टिक सकी। अपना 12वां टेस्ट खेल रहे एलिक अथानाजे ने 68 गेंद पर 55 रन की जुझारू पारी खेली लेकिन अपनी टीम को लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंचा पाए। वह साजिद का पांचवां शिकार बने। इससे पहले पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में तीन विकेट पर 109 रन से की और टीम 46.4 ओवर में 157 रन पर सिमट गई। कप्तान और सलामी बल्लेबाज शान मसूद ने सर्वाधिक 52 रन बनाए।

क्विक न्यूज

गुकेश ने अनीश को हराकर शानदार शुरुआत की

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मुश्किल परिस्थितियों से उबर कर नीदरलैंड के अनीश गिरी को पराजित करके टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।गुकेश ने शुक्रवार को भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न को प्राप्त करने के बाद एम्स्टर्डम के लिए उड़ान पकड़ी थी तथा वह पहले दौर के मैच से कुछ देर पहले ही यहां पहुंचे थे।इस युवा खिलाड़ी पर शुरू मे थकान का असर दिखा और एक समय वह हार की स्थिति मे दिख रहे थे लेकिन इसके बाद बाजी पलटने मे सफल रहे।ओपन वर्ग में पहले दौर में तीन बाजियों का ही परिणाम निकला। भारत के हरिकृष्णा ने अपने सफेद मोहरों का भरपूर उपयोग करते हुए हमवतन और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को हराया।लियोन ल्यूक मेंडोंका ने लगभग जीती हुई स्थिति हाथ से निकल जाने दी, क्योंकि उन्होने कई गलतियां की, जिससे जर्मनी के विंसेंट कीमर को विजई शुरुआत मिली।

उप्र महिला हैंडबॉल टीम के लिए संभावित चयनित

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेल में प्रतिभाग के लिए उत्तर प्रदेश की महिला हैंडबॉल टीम ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश की महिला टीम के कैंप के लिए संभावितों का चयन शनिवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित ट्रायल के माध्यम से किया गया। चयन के बाद 22 संभावितों का कैंप मुख्य कोच अरविंद कुमार यादव एनई रेलवे और सहायक कोच अंकिता रत्न लखनऊ व उपमा पाण्डेय वाराणसी की निगरानी में शुरू किया गया। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डाएआनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि 3 फरवरीए 2025 तक आयोजित कैंप में प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की 16 सदस्यीय टीम चुनी जाएगी। उन्होंने बताया कि 38वें राष्ट्रीय खेल में हैंडबॉल की स्पर्धाओं का आयोजन 7 से 11 फरवरीए 2025 तक उधम सिंह नगर उत्तराखंड में आयोजित होगा।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, आयोजन सचिव अमित कुमार पाण्डेय, संयुक्त सचिव परमिंदर सिंह व केडी सिंह बाबू स्टेडियम के हैंडबॉल कोच मो.तौहीद भी मौजूद थे। यूपी टीम के कैंप के लिए चुने गए संभावितों के नाम इस प्रकार हैं-शिवा सिंह, निक्की चौहान, उषा प्रजापति, मोनी चौधरी, मोना, आराधना त्रिपाठ, रेशमा, तेजस्विनी सिंह, आरती यादव, युक्ता तिवारी, नैना, राजपति, सुमन, समृद्धि सिह, सुनीता राज, सपना कश्यप, मुस्कान, विधि राव, ऋतु पाल, चंदा पाण्डेय, खुशबू, प्रीति यादव, स्टैंडबाई - आकांक्षा सिंह, सताक्षी पाल, अनुराधा शर्मा, ज्योति चौहान।

अखिल इंफ्रा ने जीती बाबू बनारसी दास क्रिकेट की ट्रॉफी

लखनऊ। मैन ऑफद मैच विपिन चंद्रा 2 विकेट 52 रन के आलराउंडखेल से अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने 20वीं बाबू बनारसी दास ए डिवीजन क्रिकेट लीग का खिताब फाइनल में यूपी टिम्बर क्रिकेट क्लब को 3 विकेट से हराकर जीत लिया। डा. अखिलेश दास स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में यूपी टिम्बर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 32.5 ओवर में 152 रन ही बना सकी। टीम से अविरल कनौजिया ने सर्वाधिक 49 रन की पारी खेली। प्रियांशु श्रीवास्तव ने 26 व करन सिंह ने 20 रन जोड़े। अखिल इंफ्रा से अभिषेक यादव को 3 व विपिन चंद्रा को 2 विकेट मिले। जवाब में अखिल इंफ्रा ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 34.1 ओवर में सात विकेट पर 156 रन बनाकर मैच जीत लिया। विपिन चंद्रा ने 56 गेंदों पर 6 चौके व 1 छक्के से 52 रन बनाते हुए अर्धशतक ठोंका। उनका साथ देते हुए अंकित चौधरी ने नाबाद 28, शिवम सिंह ने 18 व अमित चोपड़ा ने 15 रन का योगदान किया। विशेष पुरस्कारों में यूपी टिम्बर के करन सिंह प्लेयर ऑफद मैचए यूपी टिम्बर के रिजुल पटेल सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व एनईआर के शिवम दीक्षित सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गए। इस अवसर पर मौजूद क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के सचिव केएम खान और सी डिवीजन लीग इंचार्ज अभिजीत सिन्हा ने विजेता अखिल इंफ्रा की हौसलाअफजाई की।

कूपर वर्क्स स्पोर्टी कार में नवाचार पर देगा जोर

नई दिल्ली। मिनी इंडिया ने नई मिनी कूपर एस जॉन कूपर वर्क्स पैक को लॉन्च करने की घोषणा की है। स्पोर्टी कार कम्प्लीटली बिल्ट.अप यूनिट के रूप में उपलब्ध होगी और इसे देश भर के सभी मिनी अधिकृत डीलर्स के साथ-साथ शापडाटमिनीडाटइन पर बुक किया जा सकता है। डिलीवरीज अप्रैल 2025 से शुरू होगी। विक्रम पावह प्रेसिडेंट और सीईओए बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि नई मिनी कूपर एस जॉन कूपर वर्क्स पैक का लॉन्च आधुनिक नवाचार के साथ सदाबहार डिजाइन को मिलाने की मिनी की विरासत पर जोर देता है। अपने डायनैमिक, स्पोर्टी एक्सटीरियर और विशेष जॉन कूपर वर्क्स ट्रिम के साथ, यह विशेष एडिशन शानदार ड्राइविंग का मजा देता है और प्रभावशाली पर्सनैलिटी का प्रतीक है। इंटीरियर का स्पोर्टी विवरण मोटरस्पोर्ट जुनून की अभिव्यक्ति है जबकि अत्यधिक डिजिटल इंटरैक्टिव इंटरफेस हाई.टेक अनुभव प्रदान करते हैं। यह विशेष जॉन कूपर वर्क्स पैक मिनी के प्रसिद्ध रेसिंग जीन्स के लिए एकदम उपयुक्त सम्मान है। एक्स.शोरूम की कीमत रूपये 55,90,000 है स्टैण्डर्ड दो साल की वारंटी के साथ असीमित किलोमीटर की पेशकश की गई है।

हंड्रेड ने शटलर श्रीकांत के साथ पार्टनरशिप किया

नई दिल्ली। वैश्विक खेल ब्रांड हंड्रेड ने बैडमिंटन के दिग्गज पद्म श्री पुरस्कार विजेता और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी श्रीकांत किदांबी के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। बैडमिंटन जगत में श्रीकांत किदांबी एक सम्मानित नाम है। श्रीकांत के साथ यह सहयोग भारतीय बैडमिंटन बाजार में हंड्रेड के अपनी उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह इसके ब्रांड के मिशन का हिस्सा है। यह साझेदारी इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में आधिकारिक तौर पर शुरू होगी। यह बैडमिंटन के प्रति उत्साही नई पीढ़ी को प्रेरित और सशक्त बनाने के हंड्रेड के संकल्प को प्रदर्शित करती है। 2024 की गूगल.डेलॉइट थिंक स्पोर्ट्स रिपोर्ट के अनुसारए बैडमिंटन भारत में नई पीढ़ी के बीच क्रिकेट के बाद दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल बन गया है। श्रीकांत किदांबी के साथ हंड्रेड की साझेदारी भारत में खेल के विकास को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। यह साझेदारी हंड्रेड के मिशन को भी दर्शाती है। यह भारत में बैडमिंटन समेत सभी खेल क्षेत्रों में अपना दबदबा स्थापित करने और वैश्विक दिग्गजों को चुनौती देते हुए प्रदर्शन और इनोवेशन के नए मानक स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। श्रीकांत ने कहा कि मैं हंड्रेड के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हूं एक ऐसा ब्रांड जो प्रदर्शन और सीमाओं को पार करने के मेरे जुनून से मेल खाता है। हम मिलकर अगली पीढ़ी के बैडमिंटन खिलाड़ियों को प्रेरित करने की दिशा में काम करेंगे। हंड्रेड सिंगापुर के निदेशक मानक कपूर ने कहा कि श्रीकांत को हंड्रेड परिवार में शामिल करना साबित करता है कि हम बैडमिंटन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हंड्रेड इंडिया के निदेशक विशाल जैन ने कहा कि पिछले दशक में भारत में बैडमिंटन की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। यह युवा पीढ़ी के बीच दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल बन गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001